3 | राजधानी
सरकार और एलजी आमने-सामने

9 | विदेश
अफगान सीमा पर पाक ने तैनात की सेना

10 | स्वास्थ्य
रोबोट से घुटनों का इलाज

11 | विशेष
महामारी के साए में शिक्षा

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 256
नई दिल्ली, रविवार, 25 जुलाई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

पहले दिन से किया चुनौतियों का सामना

राष्ट्रीय-6

टोक्यो ओलंपिक में चमकीं चानू, भारत की चांदी

खेल महाकुंभ के पहले दिन मीराबाई ने देश का खोला खाता, भारोत्तोलन में 21 साल का सूखा किया खत्म

भाषा। टोक्यो

ओलंपिक की भारोत्तोलन स्पर्धा में पदक के लिए भारत का 21 वर्ष का इंतजार खत्म करने वाली मीराबाई चानू ने 49 किलो वर्ग में रजत पदक जीता तो उनकी विजई मुस्कान ने उन सभी आंसुओं की भरपाई कर दी जो पांच साल पहले रियो में नाकामी के बाद उनकी आंखों से बहे थे। पांच साल पहले खेलों के महासमर में निराशाजनक पदार्पण के बाद इसी मंच से वह रोती हुई गई थीं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत से भारत पदक तालिका में अभी दूसरे स्थान पर पहुंच गया, देश ने यह उपलब्धि पहले कभी हासिल नहीं की थी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश भर ने भारोत्तोलक मीराबाई चानू को तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। मणिपुर की 26 साल की भारोत्तोलक ने कुल 202 किग्रा से कर्णम मल्लेश्वरी के 2000 सिडनी ओलंपिक में कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन किया। इससे उन्होंने 2016 में रियो ओलंपिक के खराब प्रदर्शन को भी पीछे छोड़ दिया जिसमें वह एक भी वैध वजन नहीं उठा सकीं थीं। करियर की इस शानदार जीत के बाद चानू ने पत्रकारों से कहा, मैं बहुत खुश हूं, मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की लेकिन

● 49 किलोग्राम भार वर्ग हासिल की कामयाबी, 21 वर्षीया वेटलिफ्टर ने कुल 202 किग्रा वजन उठा कर्णम मल्लेश्वरी को छोड़ा पीछे

रजत पदक भी मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। वह पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। 2016 का अनुभव काफी खराब रहा था और उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए कहा था कि बड़े मंच पर अपने पदार्पण के दौरान वह कितनी घबराई हुई थी। यह पूछने पर कि मणिपुरी होने के नाते इसके क्या मायने है तो उन्होंने कहा, मैं इन खेलों में भारत के लिए पहला पदक जीतकर बहुत खुश हूं। मैं सिर्फ मणिपुर की नहीं हूं, मैं पूरे देश की हूं। शनिवार को चानू पूरे आत्मविश्वास से भरी थी और पूरे प्रदर्शन के दौरान उनके चेहरे पर मुस्कान रही। और उनके कान में ओलंपिक रिंग के आकार के बूंदे चमक रहे थे जो उनकी मां ने उन्हें भेंट दिए थे। चीन की होऊ जिहुई ने 210 किग्रा के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। (शेष पेज 8)

टोक्यो में रजत पदक के साथ भारोत्तोलक मीराबाई चानू

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने बधाई दी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशवासियों ने शनिवार को भारोत्तोलक मीराबाई चानू को तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए बधाई दी। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, भारोत्तोलन में रजत पदक जीतकर तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत की पदक तालिका में शुरूआत कराने के लिए मीराबाई चानू को बधाई। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, तोक्यो ओलंपिक 2020 में इससे सुखद शुरूआत नहीं हो सकती थी। भारत मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से बहुत खुश है। भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता प्रत्एक भारतीय को प्रेरित करेगी। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट किया, भारत का पहले दिन का पहला पदक। (शेष पेज 8)

गुडलक के लिए खास बालियां पहनकर उतरीं थी चानू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मीराबाई चानू के ऐतिहासिक रजत पदक और उनकी मधुर मुस्कान के अलावा शनिवार को इस भारोत्तोलक के शानदार प्रदर्शन के दौरान उनके कानों में पहनी ओलंपिक के छल्लों के आकार की बालियों ने भी ध्यान खींचा जो उनकी मां ने पांच साल पहले अपने जेवर बेचकर उन्हें तोहफे में दी थी। मीराबाई की मां को उम्मीद थी कि इससे उनका भाग्य चमकेगा। रियो 2016 खेलों में ऐसा नहीं हुआ लेकिन मीराबाई ने आज सुबह तोक्यो खेलों में पदक जीत लिया और तब से उनकी मां

● मां ने दिया था उपहार बेटी की कामयाबी पर खुशी से भीगी आंखें

सेखोम ओंग्बी तोम्बी लीमा के खुशी के आंसू रुक ही नहीं रहे हैं। मीराबाई की तीन बहनें और दो भाई और हैं। लीमा ने कहा, मैं बालियां टीवी पर देखी थी, मैंने ये उसे 2016 में रियो ओलंपिक से पहले दी थी। मैंने मेरे पास पड़े सोने और अपनी बचत से इन्हें बनवाया था जिससे कि उसका भाग्य चमके और उसे सफलता मिले। (शेष पेज 8)

मेट्रो और बस कल से पूरी क्षमता से चलेंगी: डीडीएमए

अनलॉक दिल्ली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) द्वारा शनिवार को जारी नवीनतम अनलॉक दिशानिर्देश के मुताबिक सोमवार से राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो और सार्वजनिक बसों का परिचालन शत प्रतिशत सीट क्षमता के साथ होगा। जबकि सिनेमा घर, मल्टीप्लेक्स 50 फीसदी क्षमता से खोले जा सकेंगे। दिल्ली में अप्रैल और मई महीने में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामलों और मौतों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी देखी गई थी। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों में सुधार आया है, जिसके बाद सरकार चरणबद्ध तरीके से शहर को दोबारा खोल रही है। डीडीएमए द्वारा जारी नवीनतम अनलॉक दिशानिर्देश के तहत राष्ट्रीय राजधानी की जीवनरेखा दिल्ली मेट्रो का परिचालन सोमवार से शत प्रतिशत सीट क्षमता के साथ होगा। हालांकि, यात्रियों को खड़े होकर सफर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दिशा निर्देशों के मुताबिक सिनेमा हॉल, थियेटर मल्टीप्लेक्स भी 26 जुलाई से 50 फीसदी सीट क्षमता के साथ खोले जा सकेंगे। जबकि कारोबारी प्रदर्शनी लगाने की भी अनुमति दी गई है लेकिन इनमें केवल कोरोबारी आगंतुक ही शामिल हो सकेंगे, आम दर्शकों को इनमें प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। नवीनतम आदेश में शादी समारोह और अंतिम

● मेट्रो में यात्रियों को खड़े होकर सफर करने की अनुमति नहीं होगी

● सिनेमा घर, मल्टीप्लेक्स 50 फीसदी क्षमता से खोले जा सकेंगे

● शादी और अंतिम संस्कार में जाने वालों की संख्या 100 की गई

संस्कार में शामिल होने वालों की अधिकतम संख्या भी सोमवार से बढ़ाकर 100 कर दी गई है। डीडीएमए ने कहा कि दिल्ली के स्पा 26 जुलाई से खुलेंगे, इनमें काम करने वाले कर्मचारियों का पूर्ण टीकाकरण (टीके की दोनों खुराक) या हर पखवाड़े आरटी-पीसीआर जांच कराया जाना अनिवार्य होगा।

जम्मू कश्मीर और दिल्ली में सीबीआई की छापेमारी

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर/नई दिल्ली

शस्त्र लाइसेंस मामला

● फर्जी दस्तावेज के आधार पर 2.78 लाख फर्जी शस्त्र लाइसेंस हुए थे जारी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिवासियों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर 2012 से 2016 के दौरान 2.78 लाख शस्त्र लाइसेंस जारी करने के आरोप में शनिवार को जम्मू कश्मीर में 40 जगहों और राष्ट्रीय राजधानी में छापे मारे। सीबीआई के प्रवक्ता ने अपने बयान में कहा कि शस्त्र लाइसेंस रैकेट से संबंधित एक मामले के तहत जम्मू, श्रीनगर, उधमपुर, रजौरी, अनंतनाग, बारामूला और दिल्ली में आईएएस अधिकारियों, करीब 20 'गन हाउस' सहित लोकसेवकों के आधिकारिक और आवासीय परिसरों में छापे मारे गए। इस छापेमारी में कम से कम दो आईएएस अधिकारियों शाहिद इकबाल चौधरी और नीरज कुमार के परिसरों पर छापेमारी हो रही है। चौधरी जम्मू-कश्मीर सरकार में आदिवासी मामलों के सचिव हैं और कुमार राष्ट्रीय राजधानी में केंद्र शासित प्रदेश के अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर हैं। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी शब्बीर अहमद भट के आवास पर भी छापेमारी की गई जिन्होंने रजौरी के जिलाधिकारी के तौर पर सेवा दी थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पुंछ, कुपवाड़ा, बांदीपोरा, बारामूला और रामबन में 2012-16 के दौरान अतिरिक्त जिलाधिकारी के तौर पर सेवा देने वाले छह अधिकारियों के परिसरों पर भी छापेमारी की गई। (शेष पेज 8)

ड्रोन गतिविधियों पर पाक के समक्ष भारत का कड़ा विरोध

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू

भारत ने जम्मू क्षेत्र में बढ़ती ड्रोन गतिविधियों को लेकर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच सेक्टर कमांडर स्तर की बैठक के दौरान पाकिस्तानी अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैठक पाकिस्तान रेंजर्स के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुचेतगढ़ क्षेत्र में हुई जिसमें मामलों के समाधान के लिए फील्ड कमांडरों के बीच आवश्यक संपर्क को पुन: क्रियाशील करने का निर्णय हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों बलों के कमांडरों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की तथा बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन गतिविधियों, आतंकी गतिविधियों और सीमा पार से खोदी जाने वाली सुरंगों एवं सीमा प्रबंधन से संबंधित अन्य मुद्दों पर खास जोर दिया।

मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर सुरंग विस्फोट में जवान शहीद

पायनियर समाचार सेवा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार को हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने तीन अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। वहीं जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के नजदीक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का 27 वर्षीय जवान बलिदान हो गया। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा के सुंबलर इलाके में शोखबाबा जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी कर तलाश अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी की जिसका उन्होंने माकूल जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए।श्रीनगर में रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) कर्नल एमरॉन मुसावी ने कहा कि मुठभेड़ में सेना का एक जवान घायल हुआ है। उन्होंने बताया कि घायल जवान को जंगल से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान और वे किस आतंकवादी संगठन से जुड़े थे, इसका पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान अब भी जारी है और अन्य ब्योरों की प्रतीक्षा की जा रही है।

दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के नजदीक बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का 27 वर्षीय जवान शहीद हो गया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि सिपाही कमल देव वैद्य शुक्रवार को कृष्णाघाटी सेक्टर में ड्यूटी पर थे। उन्होंने गलती से एक बारूदी सुरंग पर पैर रख दिया और उसमें विस्फोट हो गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। (शेष पेज 8)

अफगानिस्तान में हालात बेहद खतरनाक: भारत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अफगानिस्तान में हालात अभी भी खतरनाक बने हुए हैं और भारत ने अपने नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस संबंध में काबुल स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को दिशा-निर्देश जारी कर आगाह किया है। यह सलाह ऐसे समय जारी की गई है जब कुछ दिन पहले ही भारतीय वायु सेना के विमानों ने कंधार में भारतीय वाणिज्य दूतावास के 50 से अधिक राजनयिक कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला था।

काबुल में दूतावास ने कहा कि अफगानिस्तान में चूंकि हालात सामान्य नहीं हैं, इसलिए यहां रहने, आने और काम करने वाले भारतीय हर समय अत्यधिक सतर्कता बरतें और गैर-जरूरी यात्रा से बचें।

● नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श, अतिरिक्त सुरक्षा बरतने की सलाह

● कुछ ही दिन पहले भारत ने कंधार से अपने 50 राजनयिकों को निकाला था

दूतावास ने यह भी चेतावनी दी है कि भारतीय नागरिक अपवाद नहीं हैं। उन्हें अपहरण के गंभीर खतरे का भी सामना करना पड़ता है।

विस्तृत परामर्श में भारतीय नागरिकों को कार्यस्थल, घर और अपने कार्यस्थल पर आने-जाने के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा बरतने को कहा गया है। सभी प्रकार की गैर-जरूरी आवाजाही से भी बचा जाए। विशेष रूप से व्यस्ततम घंटों के दौरान आवाजाही से भी बचने की सलाह दी गई है। यही नहीं, दिशानिर्देशों में सड़कों पर आते-जाते सैन्य काफिले, सरकार और मंत्रालयों के आधिकारिक वाहनों, उच्च पदस्थ अधिकारियों और पुलिस आदि के तैनाती वाले स्थानों से दूरी बनाकर रखने को कहा गया है। भारतीयों को भीड़-भाड़ वाले बाजारों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, रेस्तरां और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाने से परहेज करना चाहिए। सभी आवश्यक गतिविधियों को यथासंभव अलग रखने की कोशिश करें। (शेष पेज 8)

बाजार

सेंसेक्स	52,837	
निफ्टी	15,824	
सोना	46,452	/10g
चांदी	65,484	/kg

क्विक न्यूज

सीआईएससीई ने 10वीं, 12वीं के परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली। सीआईएससीई ने शनिवार को 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। कक्षा 10वीं मे लड़के और लड़कियो, दोनो का उत्तीर्ण प्रतिशत 99.8 फीसदी रहा। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) के 12वी कक्षा के नतीजो मे लड़कियो ने लड़को को 0.2 प्रतिशत के अंतर से पछाड़ दिया है। बोर्ड ने कहा कि पिछले साल की तरह इस बार भी असाधारण परिस्थितियो को देखते हुए मेधा सूची नही होगी। सीआईएससीई ने इस साल कोविड-19 की घातक दूसरी लहर को देखते हुए 10वी और 12वी की परीक्षाएं रद्द कर दी थी। परिणाम बोर्ड द्वारा तय की गई वैकल्पिक मूल्यांकन नीति पर तैयार किए गए है। इस बार उत्तर पुस्तिकाओ की फिर से जांच का विकल्प उपलब्ध नही होगा।

भारत दौरे पर मानवाधिकार का मुद्दा उठाएंगे ब्लिंकन

● अमेरिकी विदेश मंत्री दो दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री एस जयशंकर से करेंगे मुलाकात

पीएनएस/एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारत की अपनी पहली यात्रा के दौरान भारतीय अधिकारियों के समक्ष मानवाधिकार और लोकतंत्र के मुद्दे उठाएंगे। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक दोनों देश इन मोर्चों पर अन्य की तुलना में अधिक समान मूल्य साझा करते हैं। ब्लिंकन 27 जुलाई को नई दिल्ली पहुंचेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे।

दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के कार्यवाहक उप मंत्री डीन थॉम्पसन ने ब्लिंकन की यात्रा से पहले कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान संवाददाताओं को बताया, 'मानवाधिकारों और लोकतंत्र के प्रश्न के संबंध में आपका पूछना सही है, हम इन मुद्दों को उठाएंगे और हम इस बातचीत को जारी रखेंगे क्योंकि हम दृढ़ता से मानते हैं कि इन मोर्चों पर हमारे मूल्य अन्य किसी भी मोर्चे की तुलना में ज्यादा समान हैं।'

थॉम्पसन ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारा मानना है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, भारत उन बातचीत को जारी रखने और साझेदारी में उन मोर्चों पर मजबूत प्रयास करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है।' भारत ने इससे पहले देश में नागरिक स्वतंत्रता घटने के विदेशी सरकारों और मानवाधिकार समूहों के आरोपों पर की जा रही आलोचना को खारिज किया है। सरकार ने कहा है कि भारत में सभी के अधिकारों की रक्षा के लिए भली-भांति स्थापित लोकतांत्रिक प्रथाएं और मजबूत संस्थान हैं। (शेष पेज 8)

महाराष्ट्र में वर्षा से तबाही, 89000 से अधिक लोग बेघर

टीएन रघुनाथ। मुंबई

बारिश ने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शनिवार को कई एजेंसियां बचाव और राहत कार्यों में जुटी रहीं। वर्षा से तबाह तटीय कोंकण क्षेत्र और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बेघर हुए 89,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित निकाला गया। बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 76 पर पहुंच गई जबकि 59 लोग लापता हैं। अपुष्ट खबरों में मृतकों का आंकड़ा 100 के पार बताया जा रहा है। मृतकों में सबसे अधिक 47 लोग रायगढ़ जिले के हैं। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश में कमी के बावजूद, पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा, सांगली और कोल्हापुर के बड़े हिस्से में बाढ़ आई हुई है, जबकि रत्नागिरी जिले के चिपलून, खेड़ और तटीय कोंकण क्षेत्र के अन्य इलाकों में बारिश से तबाही हुई है। राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रायगढ़ जिले के महाड तालुका के तलाई गांव का दौरा किया, जहां शुक्रवार को भीषण भूस्खलन में 50 से अधिक लोग मारे गए थे। उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के अलावा तटीय कोंकण क्षेत्र और राज्य के अन्य हिस्सों में विस्थापित लोगों का पुनर्वास करेगी।

मौसम विभाग ने शनिवार को कहा कि अगले 24 घंटों में पश्चिमी तट पर बारिश की तीव्रता कम होने के आसार हैं जिससे वर्षा से प्रभावित महाराष्ट्र और गोवा को राहत मिल सकती है। वहीं, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में बचाव अभियान को तेज करने के लिए अपनी टीम की संख्या 26 से बढ़ाकर 34 कर दी है। ये इलाके भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हैं। उधर, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से शनिवार को बात की और राज्य में बारिश एवं बाढ़ के कारण जान-माल के नुकसान पर चिंता जताई।

सांगली में बाढ़ से सड़कों पर नदी जैसी स्थिति के बीच बचाव कार्य में लगे स्वयंसेवक

नोएडा में अप्रवासी भारतीय लगाएंगे उद्योग

यूपी की योगी सरकार को मिला पांच जिलों में 1045 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव

● कृषि, स्वास्थ्य, आईटी, विनिर्माण और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

योगी सरकार की औद्योगिक नीतियों से आकर्षित होकर अप्रवासी भारतीय यूपी में अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। राज्य के 5 जिलों में 1045 करोड़ रुपये निवेश करने का प्रस्ताव योगी सरकार को दिया है।

ये सभी एनआरआई बिजनेसमैन आईटी कृषि स्वास्थ्य विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक हैं। राज्य सरकार का कहना है कि निवेशक-हितैषी नीतियों से न केवल बहुराष्ट्रीय कंपनियां, बल्कि विदेशों में रहने वाले भारतीय भी प्रभावित हैं। उद्योगों के लिए उचित माहौल मिलने की वजह से ये राज्य में अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने की इच्छा जता रहे हैं।

दरअसल 50 से अधिक अप्रवासी एनआरआई ने हाल के दिनों में राज्य में उद्योग स्थापित करने की पहल की है। इनमें से 32 नोएडा-ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर और प्रयागराज में लगभग 1045 करोड़ रुपये के निवेश के लिए राज्य सरकार के संपर्क में हैं। इन एनआरआई ने 15 क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि दिखाई है। इनमें कृषि, स्वास्थ्य, आईटी, विनिर्माण और सौर ऊर्जा शामिल हैं।

अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही ये एनआरआई राज्य में अपना उद्यम स्थापित करना शुरू कर देंगे। अप्रवासी भारतीयों के निवेश से सबसे ज्यादा लाभ गौतमबुद्ध नगर को होगा। यह जिला दिल्ली-एनसीआर से जुड़ा है। कारोबार का माहौल है। नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु महेश्वरी का कहना है कि नोएडा में 21 हजार करोड़ का निवेश हो रहा है। प्राधिकरण ने इसके लिए पहले ही 846 औद्योगिक भूखंड तीन वाणिज्यिक भूखंड और 29 संस्थागत प्लॉट का आवंटन कर दिया है।

18 देशों के 32 एनआरआई ने किया सीएम से संपर्क

योगी सरकार की सक्रियता का ही परिणाम है कि अमेरिका संयुक्त अरब अमीरात ओमान सिंगापुर ऑस्ट्रेलिया जर्मनी घाना न्यूजीलैंड रूस इंग्लैंड जैसे 18 देशों में रहने वाले 32 एनआरआई ने निवेश के लिए सरकार को अपने प्रस्ताव भेजे हैं। अधिकारियों के अनुसार 4 अमेरिकी भारतीयों के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले 8, ओमान-सिंगापुर और इंग्लैंड में रहने वाले 2 भारतीयों ने यूपी में निवेश करने के लिए सरकार को अपने प्रपोजल भेजे हैं।

सड़क दुर्घटना में दूल्हा-दुल्हन समेत छह लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● परिवार ग्रेनो के रबूपुरा का रहने वाला था

बिहार में शादी सम्पन्न कर लौट रहे दूल्हा-दुल्हन समेत कार सवार 6 लोगों की रामपुर में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना सामने से आ रहे तेज रफ्तार डीसीएम की टक्कर से हुई। पुलिस फरार डीसीएम चालक की तलाश कर रही है।

ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा क्षेत्र के अच्छेपुर गांव निवासी 6 लोग बिहार में शादी में गए थे। वहां से लौटते समय शनिवार सुबह करीब 11: 30 बजे जनपद रामपुर में अजीतपुर बाईपास के पास मुरादाबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने बरेली की तरफ से आ रही कार में सामने से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए।

मौके पर पहुंची कोतवाली सिविल लाइन पुलिस सभी घायलों को अस्पताल में ले गई। जहां डॉक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक की देर शाम मौत हो गई। कोतवाली सिविल लाइन प्रभारी दुर्गा सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान गौतमबुद्ध नगर के रबूपुरा निवासी राहुल (28), धीरज (25), बबलू (18), भीम (30), कुसुम (40) और रिंकी (22) के रूप में हुई है।

जानकारी के मुताबिक रबूपुरा के अच्छेपुर गांव निवासी धीरज का विवाह बिहार निवासी रिंकी से 2 दिन पहले ही हुआ था। बारात लेकर बिहार गए थे और वहां से विवाह संपन्न करवाकर लौट रहे थे।

पति धीरज और पत्नी रिंकी कार में थे जबकि अन्य लोग दूसरे वाहन और बस में थे। हादसे में नवविवाहित पति धीरज और पत्नी रिंकी के अलावा उनकी भाभी और अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

गरीबों को राशन वितरित करते केंद्रीय मंत्री वीके सिंह।

ऑक्सीजन की कमी से नहीं, कोरोना से मरे लोग: मंत्री

● वीके सिंह ने 50 गरीब परिवारों को बांटा मुफ्त राशन

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत अनाज वितरण कार्यक्रम में विजय नगर क्षेत्र में गरीबों को मुफ्त गेहूं व चावल वितरित किये गए। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने अपने हाथों से 50 गरीब परिवारों को गेहूं व चावल का वितरण किया। इस अवसर पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए जनरल वीके सिंह ने कहा कि कोरोना काल में जिन लोगों की मौत हुई उसका कारण कोरोना की था। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान ऑक्सीजन की कमी तो थी लेकिन ऑक्सीजन ना मिलने की वजह से लोग नहीं मरे। ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि जो राशन वितरित किया जा रहा है उससे गरीबों को अवश्य ही राहत मिलेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, डीएसओ डॉ.सीमा सिंह तथा भाजपा नेता मयंक गोयल भी उपस्थित थे।

कोरोना कर्फ्यू की हकीकत जानने देर रात सड़क पर उतरे उपमहानिरीक्षक

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में शनिवार व रविवार को नाइट कर्फ्यू लागू है। जमीनी हकीकत जानने के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक अमित पाठक / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शुक्रवार की देर रात को खुद सड़कों पर उतरे और खुद बारीकी से समीक्षा की।

पाठक ने हापुड चुंगी, आरडीसी मार्केट, व पुराना बस अड्डा आदि स्थानो का भ्रमण किया तथा रात्रि कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ कार्रवाई एवं शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पूर्णत- पालन कराने अधिकारियों को निर्देश दिए। राजनगर डिस्टिक सेंटर (आरडीसी) में उन्होंने रेस्टोरेंट व होटलों में जाकर खुद देखा कि वहां पर क्या व्यवस्था है। उन्होंने सड़कों पर भी इस बात की जांच की कि क्या वास्तव में शासन द्वारा निर्धारित किए गए समय के दौरान नाइट कैसे लगाया जाता है या नहीं । इसके बाद अमित पाठक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शासन के अनुरूप अनुपालन कराएं।

फर्जी पत्र जारी करने के मामले में मुकदमा दर्ज

नोएडा। जेवर एयरपोर्ट में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड नियाल के नाम से 500 करोड़ रुपये मिट्टी खुदाई का ठेका जारी करने में मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है।

पुलिस के एक अधिकारी यमुना प्राधिकरण पहुंचे और संबंधित अफसरों से जानकारी एकत्र की। जेवर एयरपोर्ट को लेकर ठेका लेने और दिलाने का फर्जी गिरोह सक्रिय है। नियाल के अफसरों को एक पत्र मिला, जो 20 मार्च को जारी हुआ बताया गया है। इसमें जेवर एयरपोर्ट की मिट्टी खुदाई व भराई के लिए का ठेका किसी कंपनी को आवंटित किए जाने की बात कही गई है। कंपनी के लिए एक स्वागत पत्र जारी हुआ है।

ऑपरेशन मुस्कान: 78 गुमशुदा बच्चों को मिला मां का आंचल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा।

गौतमबुद्ध नगर जिले में परिवारों से बिछडे बच्चों को मिलने के लिए शुरू की गई मुहिम ऑपरेशन मुस्कान के द्वारा एक माह के अभियान में परिवारों से बिछडे 47 मासूम को अपने मां के आंचल की छांव नसीब हुई है।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस टीम ने शेल्टर होम में रह रहे 21 बच्चों को परिजनों से मिलवाया है। बड़ी संख्या में बच्चों की बरामदगी से पुलिस महकमे के लोग खुश है। वहीं, परिवार वाले बच्चों से मिलकर खुश है। नोएडा सेक्टर-108 स्थित कमिश्नर ऑफि स में ऑपरेशन मुस्कान के समापन के अवसर बच्चों और अभियान की सफलता पुलिस के अधिकारियों को सम्मानित किया गया है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस उन बच्चों की तलाश कर रही है, जो कोरोना काल के दौरान या पहले से ही अपने परिजनों से बिछड़ गए है।

ऑपरेशन मुस्कान में पुलिस बच्चों को उनके मां-बाप की तलाश में काफी मेहनत कर रही है। गौतमबुद्ध नगर जिले में एएचयूटी शाखा बाल और महिला सुरक्षा टीम और पिछले एक माह के अंदर जिले से गुमशुदा सैकड़ों बच्चो मे से 47 मासूमों को पुलिस ने बरामद उनके माता-पिता को सौप दिया है। इसके साथ ही 21 बच्चे जो शेल्टर होम के रह रहे थे।

फोनरवा इलेक्शन

एनपी सिंह पैनल ने एमएलए पंकज सिंह से भेंट की

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन फोनरवा के चुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, दो प्रमुख पैनल के बीच मुकाबला कड़ा हो रहा है। दोनों गुट के पदाधिकारी समर्थकों के साथ सुबह से देर रात तक कैंपेनिंग में लगे हुए हैं।

फोनरवा के चुनाव में इस बार 21 पदों के लिए कुल 47 नामांकन हुए हैं। फाइनल लिस्ट 26 जुलाई, सोमवार को तय होगी और उसी दिन फोनरवा कार्यालय के सूचना पट्ट पर चस्पा की जाएगी। कार्यक्रम के मुताबिक 1 अगस्त को मतदान होगा। उसी दिन शाम तक काउंटिंग पूरी कर नए चुने हुए पदाधिकारियों की घोषणा की जाएगी।

लायंस क्लब ने लगाये आंवला के पौधे

नोएडा। लायंस क्लब नोएडा ने औषधीय गुणों से भरपूर आंवला के पौधे को सेक्टर-62 दी ब्लॉक की ग्रीन बेल्ट में रोपित किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव, सचिव तरुण चौहान, कोषाध्यक्ष दीप्ति वार्ष्णेय, मान सिंह चौहान, करतार सिंह, मुकुल बाजपेई, रचना यादव, आईआर छावड़ा, सीएस भोगल, रीजन चेयरपर्सन नरेश चौहान, जोन चेयरपर्सन राजेश सिंघल, साधना सिंघल, विशाल जैन, उमेश कुमार, पूनम गुप्ता, पीके गुप्ता, नरेंद्र कुचल, आरएन श्रीवास्तव व अनेक सदस्यों ने भाग लिया। के.पी सिंह का विशेष मार्गदर्शन वह सहयोग रहा।

अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता देनी शुरू

गाजियाबाद। कोरोना काल अनाथ हुए बच्चों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत सहायता राशि का वितरण शुरू हो गया है। महिला कल्याण विभाग में अभी तक 173 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 100 बच्चों के अभिभावकों को यह धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। खास बात यह है कि जो बच्चे इस योजना से महरूम हो गए हैं वे अब उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी महिला कल्याण अधिकारी नेहा बालिया ने दी।

पर्यावरण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

तल–6, विंग–सी, दिल्ली सचिवालय, नई दिल्ली–110002

सार्वजनिक सूचना

पतंग उड़ाने वाले तेज धारदार सिंथेटिक/नायलोन धागे जिनमें लोकप्रियता से जाना जाने वाला चीनी मांझा भी शामिल है – पर प्रतिबंध

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि मानवता, पशुधन, पक्षी और पारिस्थितिकी पर होने वाले दुष्प्रभाव को रोकने के लिए तथा गृह मंत्रालय भारत सरकार की दिनांक 10 सितम्बर 1992 की अधिसूचना सं. एसओ 667 (ई) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के उपराज्यपाल के नाम पर तथा ओदश से 10/01/2017 को अधिसूचना जारी की गई है, जिसके तहत निम्न निर्देश दिये गये हैं:

1) नायलोन, प्लास्टिक अथवा अन्य किसी सिंथेटिक समाग्री से विनिर्मित पतंग उड़ाने वाला धागा जिसमें कि चीनी मांझा के नाम से प्रसिद्ध तथा ऐसे अन्य पतंग उड़ाने वाले धागे जो धारदार है या शीशे, धातु या अन्य धारदार सामग्री से लेपित कर पतंग उड़ाने के लिए बनाए जाते है, ऐसे पतंग उड़ाने वाले धागों की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बिक्री, उत्पादन, भण्डारण, आपूर्ति, आयात एवं प्रयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध होगा।
2) केवल सूती धागे, जो कि किसी धारदार धातु/शीशे के घटकों/चिपकाने वाले पदार्थों/धागे को मजबूत बनाने वाली सामाग्रियों से रहित है, उन्ही से पतंग उड़ाने की अनुमति होगी।

उपरोक्त निर्देशों के उल्लंघन के बारे में निम्नलिखित अधिकारियों के कार्यालयों में रिपोर्ट दर्ज की जा सकती है।

क्र.	पद	ई–मेल पता	हेल्पलाईन नं.
1.	पुलिस आयुक्त, दिल्ली पुलिस	cp.snshrivastava@delhipolice.gov.in	100
2.	मंडलीय आयुक्त, दिल्ली सरकार	divcom@nic.in	1077
3.	मुख्य वन्यजीव संरक्षण, दिल्ली सरकार	ccfgnctd@gmail.com	1800118600
4.	आयुक्त, उत्तरी दिल्ली नगर निगम	commr-northdmc@mcd.nic.in	155304
5.	आयुक्त, दक्षिण दिल्ली नगर निगम	commissioner-sdmc@mcd.nic.in	155305
6.	आयुक्त, पूर्वी दिल्ली नगर निगम	commissioneredmc@gmail.com	155303

नोटः

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा 5 या इसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अन्तर्गत जारी निर्देशों का उल्लंघन उक्त अधिनियम की धारा 15 के अधीन दंडनीय है जिसमें पांच साल तक कारावास तथा/अथवा एक लाख रूपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते है।

उपरोक्त अधिसूचना पर्यावरण विभाग की वेबसाइट www.environment.delhigovt.nic.in पर उपलब्ध है।

हस्ता/–
(डा. के एस जयचनद्रन)
विशेष सचिव (पर्यावरण)

DIP/Shabdarth/0174/21-22

कार्यालय ग्राम पंचायत बहादुरपुर विकास खण्ड रजापुर गाजियाबाद

पत्रांक/पंचायत/वित्त आयोग/2021–22 दिनांक 24/07/2021

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत बहादुरपुर विकास खण्ड रजापुर (गाजियाबाद) में वित्त आयोग के अन्तर्गत 2021–22 के लिए सरकारी विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों को निविदाएं दिनांक 02–08–2021 के अपराह्न 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02–08–21 तक कार्यालय समय ग्राम पंचायत कार्यालय बहादुरपुर विकास खण्ड रजापुर से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त की जा सकती है। निविदा खोले जाने के समय निविदादाता भी उपस्थित रह सकते हैं। यदि नियत समय पर निविदादाता उपलब्ध नही हुऐं तो भी निविदाऐं खोल दी जायेगी। जिसके लिए ग्राम पंचायत बहादुरपुर उत्तरदायी नही होगें। निविदा खोलने का दिनांक 03–08–21 समय अपराह्न 3.00 बजे ।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अरनेस्ट मनी	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1	ग्राम बहादुरपुर में तालाब की खुदाई व सफाई कार्य	240000	4800	180	1 माह

1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0 के रूप में जमा की जा सकती है। जो सचिव ग्राम पंचायत बहादुरपुर के नाम से बन्धक होगी अथवा नकद के रूप में भी जमा की जा सकती है।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्ठियों के अनुरूप होगा।
3. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतियां की जायेगी।
4. निविदा बिना कारण बताऐ निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा।
5. कार्य के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी अवर अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विकास खण्ड रजापुर से ली जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत बहादुरपुर
विकास खण्ड रजापुर
गाजियाबाद

प्रधान
ग्राम पंचायत बहादुरपुर
विकास खण्ड रजापुर
गाजियाबाद

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

वकीलों के पैनल पर सरकार व एलजी आमने-सामने

पुलिस के प्रस्ताव को खारिज करने के दिल्ली कैबिनेट के फैसले की फाइल बैजल ने गृह मंत्रालय को भेजी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसान आंदोलन को लेकर दिल्ली कैबिनेट के तय वकीलों के पैनल को लेकर उपराज्यपाल अनिल बैजल और दिल्ली सरकार आमन-सामने आ गए हैं। लोक अभियोजकों का पैनल बनाने संबंधी पुलिस के प्रस्ताव को खारिज करने के आप सरकार के निर्णय से जुड़ी फाइल उपराज्यपाल कार्यालय के मत भिन्नता की वजह से केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी है। इस पर नाराजगी जताते हुए

● गणतंत्र दिवस हिंसा के मामले को आप सरकार के ही वकील देखेंगे : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोर्ट में किसान विरोधी भाजपा का पर्दाफाश न हो जाए इसलिए उपराज्यपाल ने कैबिनेट द्वारा तय किए गए पैनल को रिजेक्ट किया है। शीर्ष अदालत द्वारा राज्य सरकार और उपराज्यपाल के अधिकारों की व्याख्या करने के बावजूद एलजी द्वारा कैबिनेट निर्णयों में इस तरह बार-बार अड़ंगा लगाना न सिर्फ दिल्ली वालों का अपमान है बल्कि लोकतंत्र के खिलाफ भी है।

सिसोदिया ने शनिवार को डिजिटल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली कैबिनेट में 19 जुलाई को फैसला लिया गया था कि किसान

फाइल फोटो

आंदोलन को लेकर कोर्ट में जो केस चल रहा है उसमें वकीलों की नियुक्ति दिल्ली सरकार द्वारा की जाएगी। लेकिन उपराज्यपाल ने शनिवार को सरकार के इस फैसले को पलट दिया और फाइल राष्ट्रपति के पास भेज दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान में चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री के पास वकीलों की नियुक्ति का अधिकार दिया गया है। इसके बावजूद उपराज्यपाल द्वारा कैबिनेट के फैसले को पलटना संविधान के खिलाफ है। यदि वकीलों की नियुक्ति भी उपराज्यपाल को ही करनी है तो संविधान में जनता द्वारा चुनी गई सरकार के अधिकारों का क्या होगा। उसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा एलजी के ऊपर दबाव बनाकर उनके अधिकारों का दुरुपयोग हर मामले में किया जा रहा है।

दिल्ली दंगा : पुलिसकर्मी पर पिस्तौल तानने के आरोपी ने मांगी जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक निहत्थे हेड-कांस्टेबल पर 2020 के सांप्रदायिक दंगों के दौरान पिस्तौल तानने के आरोपी शाहरुख पठान ने हत्या की कोशिश के मामले में यहां की एक अदालत से जमानत मांगी है।

पठान हिंसा के दौरान हेड-कांस्टेबल दीपक दहिया पर पिस्तौल तानने और रोहित शुक्ला नामक व्यक्ति की हत्या की कोशिश के दो मामलों में आरोपी है। वह अभी तिहाड़ जेल में बंद है।

वकील खालिद अख्तर के जरिए दायर जमानत याचिका में पठान ने कहा कि जांच की पूरी प्रक्रिया एक ढोंग है क्योंकि पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित, गवाह, सबूत और गवाही अपने आप गढ़ी है। अख्तर ने कहा कि पठान को दंगे का पोस्टर ब्वॉय दिखाने और मुस्लिमों को मनमाने तथा असंवैधानिक कानून के खिलाफ आवाज उठाने से रोकने के लिए उनके बीच डर पैदा करने के उद्देश्य से यह किया गया।

संक्षिप्त समाचार

वेस्ट आजाद नगर के समुदाय भवन में मलेरिया एवं डेंगू रोधी माह के उद्घाटन समारोह में अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल।

निगम के लिए चुनौती बने डेंगू व चिकुनगुनिया

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा शनिवार को वेस्ट आजाद नगर के समुदाय भवन में मलेरिया एवं डेंगू रोधी माह के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस माह में लोगों को डेंगू मलेरिया रोकने के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त समिति की अध्यक्ष, कंचन माहेश्वरी, पार्षद, रोमेश गुप्ता के अलावा अतिरिक्त निगम स्वास्थ्य अधिकारी डा. सोमशेखर एवं डॉ अजय हांडा, उपस्वास्थ्य अधिकारी, डॉ संतोष तोमर तथा माधुरी पंत, कीटविज्ञानी, डॉ. पारुल जैन सहित अन्य निगम अधिकारियों व कर्मचारियों और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे।

वैक्सीनेशन केंद्र का निरीक्षण करते दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी।

सांसद ने किया राशन व वैक्सीनेशन केंद्रों का दौरा

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी व राज्यसभा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे ने वैक्सीन टीकाकरण केंद्रो व राशन वितरण केंद्रों का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मोदी सरकार से गरीब लोगों को मुफ्त में दिसंबर तक राशन दिया जा रहा है। इसके अलावा केंद्र सरकार देश के सभी लोगों को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध करा रही है। एक जनप्रतिनिधि रूप में यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि गरीबों को मुहैया कराई जा रही सुविधाएं मिल रही है या नहीं। बिधूड़ी ने बताया कि जिन लोगों के पास राशन कार्ड नहीं है उनको भी आधार कार्ड के माध्यम से राशन मिल रहा है। सहस्त्रबुद्धे और बिधूड़ी पूर्णिमा सेठी हॉस्पिटल कालकाजी, ईएसआईसी अस्पताल ओखला व निगम डिस्पेंसरी गाँव तुगलकाबाद तथा राशन वितरण केंद्र सुभाष खंड, गिरि नगर, कालकाजी, नेहरू कैम्प, गोविंदपुरी व तुगलकाबाद गाँव का दौरा किया।

सार्वजनिक सेवा केंद्रों में भी जमा होंगे संपत्ति कर : मेयर

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने शनिवार को बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति कर दाताओं की सुविधा हेतु सार्वजनिक सेवा केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन संपत्तिकर जमा करने की सुविधा शुरू की है। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने संपत्ति करदाताओं की सुविधा हेतु ऑनलाइन संपत्तिकर जमा करवाने के लिए सार्वजनिक सेवा केन्द्रों (सीएसी) ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

संस्कृति स्कूल के स्पोर्ट्स कैप्टन बने शौर्य चौहान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्पोर्ट्स की क्षितिज पर चमकने के लिए दिल्ली का एक और सितारा तैयार हो रहा है। इस उगते सितारे का नाम है शौर्य चौहान। शौर्य के दादा राजकुमार चौहान दिल्ली सरकार में मंत्री थे।

पश्चिम विहार स्थित भैरा एन्कलेव निवासी शौर्य चौहान शिक्षा के साथ-साथ स्पोर्ट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। जिसके चलते उन्हें देश के प्रसिद्ध स्कूल 'संस्कृति स्कूल' चाणक्यपुरी का स्पोर्ट्स कैप्टन बनाया गया है। शौर्य इससे पहले यहां वाइस कैप्टन थे।

शौर्य चौहान ने इस जिम्मेदारी मिलने पर स्कूल प्रबंधन को धन्यवाद करते हुए कहा कि वह स्कूल प्रबंधन व सभी छात्रों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 94 प्रतिशत अंक हासिल करके उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की थी। वर्तमान समय में शौर्य संस्कृति स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्रा हैं। शौर्य चौहान के पिता बॉबी चौहान व्यवसायी एवं युवा राजनेता हैं, जबकि माता श्वेता चौहान गृहणी हैं। शौर्य के दादा राजकुमार चौहान दिल्ली 20 वर्षों तक विधायक व मंत्री रहे। उनके मंत्रित्व काल में ही राजधनी दिल्ली में कॉमनवैल्थ गेम सम्पन्न हुए थे। दिल्ली को फ्लाईओवरों का शहर बनाने का श्रेय भी राजकुमार चौहान को ही जाता है।

जंतर-मंतर पर कल महिलाएं चलाएंगी किसान संसद

नई दिल्ली। संसद की कार्यवाही के समानांतर जंतर-मंतर पर सोमवार को किसान संसद का संचालन महिलाएं करेंगी। इस दिन कोई पुरुष किसान संसद का हिस्सा नहीं बनेंगे।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह ने बताया कि 26 जुलाई को सिंघु बॉर्डर से 200 महिलाएं जंतर-मंतर पहुंचेंगी। इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा के एक नेता ने बताया कि सिंघू बॉर्डर धरना स्थल पर शनिवार को आग लग गई थी। घटना में कोई घायल नहीं हुआ लेकिन प्रदर्शनकारी किसानों के कई टेंट जलकर राख हो गए। इस आगजनी से किसानों के हौसलों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

कोरोना संकट में मानव सेवा की सराहना

यूनाइटेड नेशन से जुड़ी एसडीजी चौपाल के राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर बने संजय राय शेरपुरिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वैश्विक महामारी कोरोना संकट के दौरान जन भागीदारी से जन कल्याण के किए गए अकल्पनीय सामाजिक कार्यों के लिये शनिवार को समाजसेवी और उद्यमी संजय राय शेरपुरिया इंदिरा गांधी कला केंद्र में अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर यूनाइटेड नेशन से जुड़ी एसडीजी चौपाल संस्था द्वारा संजय राय शेरपुरिया को नेशनल ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया।

संजय राय शेरपुरिया को सम्मानित करते नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत।

इंदिरा गांधी कला केंद्र के अध्यक्ष पद्मश्री राम बहादुर राय ने संजय राय को बधाई देते हुए कहा कि जिस तरह से उन्होंने कोरोना महामारी की दूसरी लहर के समय में गाजीपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में मानवता की सेवा की है वह सराहनीय है। अतिथि विशेष नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत ने कहा कि महामारी में संजय राय ने गाजीपुर जिले के गांव-गांव जाकर लोगों की जान बचायी और यह सुनिश्चित किया कि मृतकों का अंतिम संस्कार भी सम्मान के साथ हो।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा यमुना रिवर फ्रंट

नदी के पूर्वी छोर पर 300 मीटर चौड़ा और लगभग 3 किलोमीटर लंबा किनारा बनाया जाएगा खूबसूरत

संजय राय। नई दिल्ली

यमुना के दोनों किनारों पर करीब 1,476 हैक्टेयर में फैले डूब क्षेत्र के पुनर्विकास और किनारों को सुंदर बनाने वाले दिल्ली विकास प्राधिकरण के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट यमुना रिवर फ्रंट पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। यमुना के पूर्वी छोर पर 300 मीटर चौड़ा और लगभग 3 किलोमीटर लंबा किनारा हराभरा बनाया जाएगा।

यहां घास और पौधों के साथ-साथ लकड़ी के मचान बनाए जाएंगे जिन पर खड़े होकर पर्यटन के लिए आने वाले पर्यटक यमुना की लहरों के साथ सेल्फी ले सकेंगे। लगभग 244 एकड़ क्षेत्र को विकसित करने के क्रम में प्राकृतिक झीलों का सुंदरीकरण साइकिल ट्रैक पैदल

फाइल फोटो

चलने के लिए वाक वे बांस से बनी कॉटेज जिनमें बेंच डाली जाएंगी बच्चों के लिए पार्क बुजुर्गों के बैठने के लिए अलग पार्क एवं चार इंटरनल रोड बनाए जाएंगे। इस पूरी योजना के लिए डीडीए ने 36 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। जिसमें से 24 करोड का टेंडर हो चुका है बाकी बची राशि का इस्तेमाल जरूरत और अन्य विकास कार्य में किया जाएगा।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मनोज तिवारी ने बताया कि यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस कार्य योजना को साकार करने की वह लगातार कोशिश कर रहे हैं। रिवर फ्रंट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना और क्षेत्र में एक बड़े विकास कार्य के साथ-साथ दिल्ली ही नहीं पूरे देश के लोगों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने के लिए यमुना में बटर टैक्सी चलाने जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रहे हैं। जिसके सार्थक होने के बाद यमुना रिवर फ्रंट एक पूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में विकसित हो जाएगा। यह पूर्वी दिल्ली के साथ देश की पहचान बनेगा।

● लकड़ी के मचान पर खड़े होकर पर्यटक यमुना की लहरों के साथ सेल्फी ले सकेंगे : तिवारी

तिवारी ने बताया कि असीमित प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह क्षेत्र जब विकसित हो जाएगा तब पर्यटन के लिए यहां आने वाले लोगों से क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ेगी। इलाके के लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 709 बी के एलिवेटेड रोड से जब लोग गुजरेंगे तो रिवर फ्रंट का मनहोहक छटा उन्हें बरबस अपनी ओर आकर्षित करेगा।

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
वेबसाइट: www.ircon.org सीआईएन-L45203DL1976GOI008171
ई-प्रोक्योरमेंट नोटिस (राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धी बोली)
निम्नलिखित कार्य के लिए आर्हक अपेक्षाएं पूरी करने वाले बोलीदाताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं:
1. ई-टेंडर नं.: इरकॉन/इलेक्ट/5037-5038/एनसीआरटीसी/बीएंडबीसी सह डीसीडीबी/32, दिनांक 15.07.2021
एनसीआरटीसी (लॉट-1 और लॉट-2) के दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कोरीडोर के कार्य हेतु बैटरी, बैटरी चार्जर सह डीसीडीबी का डिजाइन, विनिर्माण और आपूर्ति
कार्य की अनुमानित लागत : ₹1,55,29,522/- (जीएसटी को छोड़कर सभी लागू करों सहित)
ई-बिड प्रस्तुति की अंतिम तिथि और समय : 29.07.2021, 1500 बजे आईएसटी तक
2. ई-टेंडर नं.: इरकॉन/इलेक्ट/5037-5038/एनसीआरटीसी/आरएसएस इरेक्शन/38, दिनांक 15.07.2021
एनसीआरटीसी (पैकेज 19-लॉट 1) के दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कोरीडोर के लिए गाजियाबाद में 220केवी/33केवी/25केवी आरएसएस/एएचएस की आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹1,70,14,161/- (जीएसटी को छोड़कर सभी लागू करों सहित)
ई-बिड प्रस्तुति की अंतिम तिथि और समय : 05.08.2021, 1500 बजे आईएसटी तक
आगे विवरण के लिए देखें वेबसाइट: https://etenders.gov.in/eprocure/app शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।
मुख्य महाप्रबंधक/इलेक्ट्रिकल, सी-4 डिस्ट्रिक्ट सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-110017

शनिवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते चौ. अनिल कुमार।

शहीदों व सैनिकों को सम्मानित करेगी कांग्रेस : चौ. अनिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सन 71 युद्ध की 50वीं वर्षगांठ व इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि 31 अक्टूबर और जन्मदिवस 19 नवंबर पर होंगे कार्यक्रम

पाकिस्तान को विभाजित कर बांग्लादेश को दुनिया के मानचित्र पर नए देश का दर्जा दिलवाने में भारतीय सेना के शहीद जवानों का कांग्रेस सम्मान करेगी। इस युद्ध के 50 साल पूरे होने पर यह कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने यह निर्णय लिया है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी के पराक्रमी सोच के द्वारा 1971 में पाकिस्तान को तो लेकर एक अलग देश बंगलादेश बनाकर कांग्रेस पार्टी की केन्द्रीय सत्ता ने इतिहास रचा जो कि राष्ट्रवाद का एक बड़ा उदाहरण है।

चौधरी अनिल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी के मार्गदर्शन यह निर्णय लिया गया कि बंगलादेश लिबरेशन वार 1971 की 50वीं वर्षगांठ को राष्ट्रीय स्तर मनाना है और देश के युवाओं को कांग्रेस पार्टी और इंदिरा गांधी के ऐतिहासिक निर्णयों और कार्या की जानकारी देनी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ 1971 का युद्ध ऐतिहासिक था जिसमें इंदिरा गांधी जी की पराक्रमी व्यक्तित्व का लोहा पूरे विश्व ने माना था।

बांग्लादेश लिबरेशन वार 1971 की 50वीं वर्षगांठ को प्रदेश स्तर और जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी को लेकर आज प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में बंगलादेश लिबरेशन वार 1971 की 50वीं वर्षगांठ के कन्वीनर कैप्टन प्रवीन डावर का स्वागत भी किया गया।

बैठक में पूर्व विधायक विजय सिंह लोचव, अमरीश गौतम, मालाराम गंगवाल, सुरेन्द्र कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष अली मेंहदी, मेजर एस.एन. यादव, जिला अध्यक्ष हरी किशन जिंदल, मौहम्मद उस्मान, दिनेश एडवोकेट, गुरचरण सिंह राजू, राजेश चौहान, विष्णु स्वरुप अग्रवाल, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह, दिल्ली सेवादल मुख्य संगठक सुनील कुमार, दिल्ली एनएसयूआई अध्यक्ष कुणाल सेहरावत, दिल्ली प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष अमृता धवन, दिल्ली कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग दिल्ली मुख्य रुप से मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा पर डेरा श्रद्धालुओं ने जरूरतमंद परिवारों को बांटा राशन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शनिवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर यहां डेरा सच्चा सौदा के नाम चर्चा घर में आयोजित जिला की नाम चर्चा के दौरान गुरु यश गाया गया। इसके बाद जरूरतमंदों को घरेलू सामान राशन आदि वितरित किया गया। इसी दौरान पौधारोपण अभियान को लेकर भी बैठक की गई। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर जिलाभर से काफी संख्या में साध-संगत यहां नाम चर्चा घर में पहुंची।

नाम चर्चा का संचालन भंगीदास श्याम सुंदर ने किया। उन्होंने डेरा सच्चा सौदा द्वारा चलाए जा रहे भलाई के कार्यों के बारे में भी बताया। साथ ही कहा कि संत गुरमीत राम रहीम सिंह जी इंसा ने हमें जो सच्चाई, सेवा का मार्ग दिखाया है, उस पर सदा चलते रहेंगे। हर प्राणी की सेवा के लिए गुरुजी ने सदा प्रेरित किया है। संगत उनके दिखाए मार्ग पर दिन-रात चलते हुए भलाई के कार्य लगातार कर रही है। उन्होंने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा और सहायता करने में साध-संगत सदैव अग्रणी रहती है। इसी कड़ी में शनिवार को गुरुग्राम के 12 परिवारों और पटौदी के तीन परिवारों को राशन दिया गया, ताकि उनकी आजीविका सही चलती रहे। इस मौके पर राजेंद्र सिरोही, जगत सिंह 15 मेंबर, कृष्ण, विनोद के अलावा सुजान बहनें राजबाला, कविता, सुदेश, कविता, सुनीता समेत गुरुग्राम जिलाभर से संगत ने शिरकत की। नाम चर्चा के बाद पौधारोपण अभियान चलाने को लेकर भी बैठक की गई। बैठक में इस अभियान की रूपरेखा तय की गई। सभी को जिम्मेदारी दी गई। हर साल की तरह इस साल भी व्यापक पैमाने पर पौधारोपण करने में संगत अग्रणी रहेगी।

गुरू पूर्णिमा के अवसर पर किया पौधारोपण

गुरुग्राम के सेक्टर-102 स्थित गुड़गांव ग्रीन्स सोसायटी में पौधारोपण करते वहां के निवासी।

गुरुग्राम। शनिवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर यहां सेक्टर-102 स्थित गुड़गांव ग्रीन्स सोसायटी में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सोसायटी में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों व बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सोसायटी परिसर में विभिन्न प्रकार के 200 पौधे वहां के निवासियों द्वारा लगाए गए। साथ ही उन पौधों की देखभाल की शपथ ली। इस मौके पर पवन तंवर, सोबीर सिंह, जयप्रकाश, रणवीर इशरवाल, सुनील ग्रेवाल, रोबिन शर्मा, महिपाल सिंह, रमेश जांगिड़, अमित, विजय वर्मा, अनिल राणा, प्रतिमा, सविता समेत अनेक लोगों ने पौधे लगाए।

संक्षिप्त समाचार

होप फॉर चिल्ड्रन सामुदायिक विकास प्रोजेक्ट शुरू

गुरुग्राम। बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च डिओसस ने होप फॉर चिल्ड्रन नामक सामुदायिक विकास प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इसके तहत बच्चों, महिलाओं और नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाया जायेगा। संस्था के रीजनल को-ऑर्डिनेटर रमन कुमार के अनुसार यह एक कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट है, जिसमें जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है। इस प्रोजेक्ट के तहत भाटी माइंस में सिलाई यूनिट का भी उद्घाटन किया गया। इसके तहत औरतों को सिलाई की मुफ्त ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। पिछले एक दशक से बिलीवर्स ईस्टर्न चर्च डिओसस गुरुग्राम और आसपास शिक्षा और स्वास्थ्य का स्तर उठाने के लिए प्रयासरत है। कोरोनाकाल में लगे लॉकडाउन में संस्था ने बिशप साइमन के नेतृत्व में गुरुग्राम में हजारों जरूरतमंदों को खाना और राशन उपलब्ध कराया था। होप फॉर चिल्ड्रन के शुभारंभ पर संस्था ने गरीब बच्चों में कापियां और किताबें वितरित की। इस मौके पर डिकॉन फादर खालेस्वर ने जानकारी दी कि संस्था का मकसद गरीब बच्चों की मदद, नौजवानों को उत्तरदायी बनाना और नशे से दूर रखना है। इस अवसर पर प्रोजेक्ट इंचार्ज सुधीर अले, भाटी महिला बाल विकास मंडल अध्यक्ष पुष्पा, बलबीर राठौर, फादर नरेंद्र राय, विनोद जयना, संजय राय, एएसआई मनोज सतबीर सिंह व हेड कांस्टेबल जयप्रकाश समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

छात्रों ने तिरंगा लहराकर खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं

पलवल। धर्म पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों द्वारा टोक्यो ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय दल को समर्थन देने के लिए चीयर फेर इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत छात्रों ने खिलाडियों के समर्थन में पेंटिंग बनाई व देश की शान तिरगा लहराकर भारत माता कीए जय के नारे लगाए व प्रभु से प्रार्थना की कि हमारे देश के खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा पदक जीतकर देश का गौरव बढाएं। छात्रों ने ओलंपिक दल में शामिल हरियाणा के 30 खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे प्रदेश के खिलाड़ी सबसे ज्यादा पदक जीतकर टोक्यों में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की शान बढ़ाने का काम करेगें। ऐसा हमारा पूर्ण विश्वास है। इसी के साथ सभी खिलाडियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक पवन अग्रवाल के कहा कि हम सभी भारतवासी अपने खिलाडियों के साथ है व हमें पूर्ण विश्वास है कि इस बार हमारा देश अब तक के प्रदर्शन से ज्यादा अच्छा बेहतर प्रदर्शन करेगा व पदक तालिका में हमारा स्थान बेहतर होगा। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक पवन अग्रवालए प्रधानाचार्या ज्योति डाँगेए वरिष्ठ समन्वयक डॉ ण् विकास साध एवं पर्यवेक्षिका पूजा पवार ने सभी को शुभकामनाएँ दी।

छोकर ने श्रद्धालुओं को परोसा प्रसाद

फरीदाबाद। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पृथला विधानसभा सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह छोकर ने लाखों भक्तों के श्रद्धा के केंद्र गांव प्याला कुटी के बाबा शांतिनाथ जी के धाम पहुंचकर दर्शन कर उनका आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके पर पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण करने और कुटी पर आए हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद परोसने का भी आनंद लिया। इस मौके पर उन्होंने सभी को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि बाबा शांतिनाथ की कृपा बनी रहे। उन्होंने कहा कि हमारे संत महात्मा कह गये हैं कि सब धरती कागज करूं, लिखनी बस बनराय। सात समुद्र की मसि करूं, गुरु गुण लिखा न जाय। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा को आषाढ़ी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यह आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को होता है। आज के दिन मंदिरों में देवों के गुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु की आराधना की जाती है। उन्होंने कहा कि वेदों का ज्ञान देने वाले और पुराणों के रचनाकार महर्षि वेद व्यास जी का जन्मदिन इस तिथि को ही पड़ता है। मानव जाति के कल्याण और ज्ञान के लिए उनके योगदान को देखते हुए उनकी जयंती को गुरु पूर्णिमा के रुप में मनाते हैं। गुरु पूर्णिमा को व्यास जयंती के नाम से भी जाना जाता है।

बेटे, पत्नी के जन्मदिन और शादी की सालगिरह के उपलक्ष में लगाए पेड़

पायनियर समाचार सेवा। झज्जर

गांव सासरोली की बणी में परिवारजनों के साथ पेड़ लगाते सोमवीर सिंह एडवोकेट।

कहते हैं किसी भी अच्छे काम की शुरुआत के लिए कोई मुहुर्त नहीं देखना चाहिए। जब काम शुरू किया जाए, वही शुभ मुहुर्त हो जाता है। इसी सोच के साथ एक शख्स से पर्यावरण में सुधार को पेड़ लगाने का काम शुरू किया है। साथ ही इन पेड़ों की देखरेख का जिम्मा लेते हुए हर साल तीन पेड़ लगाने का निर्णय भी लिया है।

जिले के गांव सासरोली निवासी सोमवीर सिंह एडवोकेट के बेटे कुशल का जन्मदिन 29 दिसम्बर को, पत्नी प्रिया का जन्मदिन दो दिसम्बर को व उनकी शादी की (सोमवीर एवं प्रिया) सालगिरह एक दिसम्बर माह में है। इन तीनों आयोजनों की खुशी में उन्होंने पेड़ लगाने का निर्णय लिया। गुरू पूर्णिमा के मौके पर उन्होंने सासरोली गांव की बणी में जोहड़ वाले मंदिर के महंत बाबा बालक नाथ जी महाराज के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से बणी में तीन पेड़ बड़ व पीपल लगाए। पूर्णिमा के अवसर पर पेड़ लगाते हुए इन पेड़ों के पोषण के साथ हर साल इसी तरह से इसी समय यानी मॉनसून में पेड़ लगाने का निर्णय लिया।

सोमवीर सिंह एडवोकेट कहते हैं कि सर्दी के मौसम में पेड़ लगाने से कम ही पेड़ बच पाते हैं। इसलिए उन्होंने उस समय के अपने परिवार के इन विशेष आयोजनों पर मॉनसून में ही पेड़ लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में जिस तरह से ऑक्सीजन की कमी हम सब ने झेली है, देखी है, इससे हमें सबक लेना जरूरी है। हमें चाहिए कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ऑक्सीजन की कमी को दूर करें। ऐसा काम करें कि हमें सिलेंडर आधारित ऑक्सीजन की कमी ना हो, हम प्राकृतिक ऑक्सीजन के सहारे ही जीवन को बेहतरी से जिएं। वे कहते हैं कि हर व्यक्ति को अपने जीवन के खास अवसरों पर बाकी कार्यों के साथ-साथ पेड़ लगाने के कार्य को प्रमुखता से करना चाहिए। उन्होंने अपने बेटे व पत्नी के जन्मदिन और अपनी सालगिरह के उपलक्ष्य में यह कार्य किया है। इस तरह के कार्यों के प्रति समाज के हर व्यक्ति को जागरुक होना चाहिए। प्रकृति से हम बहुत कुछ लेते हैं, लेकिन देते कुछ भी नहीं। प्रकृति को सहेजकर रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। सोमवीर सिंह एडवोकेट ने कहा कि चाहे शहर को या गांव, पर्यावरण की रक्षा हम सभी को करनी है।

समय रहते अपना वैक्सीनेशन जरूर करवाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले को कोरोना मुक्त करने के लिये युद्ध स्तर पर कोरोना वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। जिन लोगों ने अपना कोरोना वैक्सीनेशन नही करवाया है। वे कोरोना वैक्सीनेशन को लेकर सतर्कता बरतें और समय रहते अपना वैक्सीनेशन जरूर करवाएं।

यह विचार भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री, कृष्णपाल ने एमरल्ड कन्वेंट स्कूल सेक्टर-79 ग्रेटर फरीदाबाद के प्रांगण में सर्वोदय हेल्थ केयर व एस्कॉर्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कोरोना वैक्सीनेशन कैंप के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए करें।

उन्होंने कहा कि भले ही कोरोना विश्व भर में महामारी के रूप में अपनी पहचान रखता है, लेकिन कोरोना के प्रति बरती गई सतर्कता, अपनाई गई जागरूकता व कोरोना बारे अन्य संबंधित उपायों को अपना कर इसके बुरे प्रभाव से खुद को बचाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह कॅरोना वैक्सीनेशन जरूर करवाए व करोना से संबंधित सभी जानकारी हासिल कर कोरोना के प्रति सतर्कता बरतते। इसके उपरांत उन्होंने सीएचसी तिगांव के प्रांगण में भी कोरोना वैक्सीनेशन मे उपस्थित लोगों को वैक्सीनेशन लगवाने बारे जागरूक किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित चिकित्सा अधिकारियों से चिकित्सा सुविधाओं की जनहित में बढ़ती मांग को मद्देनजर रखते हुए की चिकित्सा सुविधाओं को 24 घंटे दुरुस्त रखने को कहा और हस्पताल से जुड़ी जन समस्याओं के संबंध में दूरभाष पर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए कि स्वास्थ्य सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पुरानी हो चुकी बिल्डिंग के रखरखाव व अन्य जरूरी सुविधाओं का समय रहते ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर एसएमओ डॉ हरीश आर्य, डॉ अजय गोयल, डॉ अनमोल, डॉ श्वेता सहित अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

नागरिक अस्पताल में प्रसूति केन्द्र ठप बिजली व्यवस्था तीन बाद से खराब

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नागरिक अस्पताल के प्रसूति केन्द्र के ऑपरेशन थिएटर में बिजली सप्लाई ठप होने से तीन दिन से अंधेरा छाया है। जिसके चलते ऑपरेशन से होने वाली प्रस्तुति के दो मामलों को गुरुग्राम रेफर किया है।

अधिकार जल्द ही ऑपरेशन थीएटर चालू होने का आश्वासन दे रहे है। तीन दिन पहले बारिश के दौरान नागरिक अस्पताल का प्रसूति ऑपरेशन थिएटर में शार्ट सर्किट होने से बिजली सप्लाई ठप हो गई थी। इस शार्टसर्किट से ऑपरेशन थिएटर में भारी नुकसान हुआ है। जिसके कारण तीन दिन बाद भी बिजली सप्लाई बाहल नहीं हो सकी है। तीन दिन में सामान्य रूप से 20 डिलेवरी हुई है। नागरिक अस्पताल के कार्यवाहक एसएमओ डॉ. प्रवीा यादव ने बताया कि बारिश के कारण बिजली सप्लाई में भारी नुकसान हुआ है। जिसका बजट उनके क्षमता से अधिक है।

ऑपरेशन थिएटर को जल्द से जल्द चालू कराने तथा ठप बिजली सप्लाई को दुरूस्त करने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा है। उच्चाधिकारियों के आदेश पर बजट मिलने पर ही ऑपरेशन थिएटर को जल्द से शुरु किया जाएगा। उन्होने बताया कि बीते तीन दिन में एक भी डिलेवरी ऑपरेशन का मामला नहीं आया है।

अवैध शराब समेत युवक गिरफ्तार

सोहना। सिटी थाना पुलिस ने युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जिसके पास से प्लास्टिक के कट्टा में भरी 100 पव्वा देशी शराब बरामद की है। सिटी थाना में तैनात हवलदार शाकिर ने बताया कि वह गश्त के दौरान तावडू से आने वाले मार्ग के तिकोना पार्क के पास खड़ा था।

उसे सूचना मिली कि दर्शनसिंह पुत्र चरण सिंह अवैध शराब बेचता है। वह प्लास्टिक के कट्टा में बेचने के लिए शहर के पुराना अलवर मार्ग से पैदल-पैदल आ रहा है। जिसके सिर पर रखा कट्टा में शराब भरी है। पुलिस पुरान अलवर मार्ग पर छापामारी के लिए चल दी।

बालिकाओं के भविष्य के लिए कारगर सिद्ध हो रही सुकन्या समृद्धि योजना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

किसी भी डाकघर में खुलवाए खाता

भारतीय डाक विभाग द्वारा शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना बालिकाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने में कारगर सिद्ध हो रही है। योजना के तहत जिले के किसी भी डाकघर में खाता खुलवाया जा सकता है।

शनिवार को उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देने के लिए डाक विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना को शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता कम से कम 250 रुपये में खोला जा सकता है। एक वर्ष में अधिक से अधिक खाते में एक लाख 50 हजार रुपये जमा करवाए जा सकते हैं। सरकार द्वारा जमा राशि व परिपक्वता राशि पर इनकम टैक्स में छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बेटी की आयु 18 वर्ष की होने के बाद जब भी शादी करें, खाता बंद करवा सकते है। विवाह से एक माह पहले या तीन महीने बाद तक खाता बंद करवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत माता-पिता अपनी बेटी की शिक्षा, शादी के लिए थोड़ा-थोड़ा करके पैसा जमा करवाकर चक्रवृद्धि ब्याज पर पैसा जोड़ सकते है। डॉ. गर्ग ने बताया कि इस योजना के तहत दसवीं की परीक्षा पास करने तथा 18 वर्ष की आयु होने पर लड़की की पढ़ाई/शिक्षा के लिए आधा पैसा भी निकाल सकते है तथा शेष राशि शादी के समय निकाली जा सकती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत खाता खुलवाने के लिए आवेदन पत्र के साथ बेटी का जन्म प्रमाण पत्र, माता या पिता का फोटो, आईडी तथा रिहायशी प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

मंडी में आवक कम होने से सब्जियों की कीमतें में आया उछाल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

बरसात के मौसम में मंडी में सब्जियों की कम आवक से कीमतों ने आसमानी छलांग लगाई। सब्जियों की कीमत बढ़ने फुटकर दुकानदारों के कारोबार धीमा हो गया है। वहीं ग्राहक सब्जियों की संख्या कम होने और भाव अधिक होने के कारण कम खरीद रहे है।

पिछले करीब 10 में रुक-रुक कर हुई बारिश से मंडी में सब्जियों की आवक कम हुई है। सब्जियों की आवक कम होने से कीमतों में तेजी से बढ़ रही है। बढ़ती कीमतों के कारण ग्राहक सब्जियां खरीदने से हिचक रहा है। 50 फीसदी ही सब्जियां खरीदकर काम चला रहा है। ग्राहक राज कुमार ने बताया कि बारिश के दिनों में सब्जियों को चयन करना बहुत मुश्किल हो जाता है। इन दिनों सब्जियों की श्रेणी भी कम होती है। सब्जियों का स्वाद भी घट जाता है। पिंकी यादव का कहना है कि मंडी में सब्जियों को रुप गला सड़ा देखकर खरीदने का मन तक नहीं करता। लेकिन मजबूरी वंश खरीदना होता है। बरसात के मौसम की सब्जियां फ्रीज में अधिक दिनों तक भी नहीं रख सकते। करेला जैसी सब्जियां फ्रीज में रखे होने पर भी पीली पड़ जाती है। सब्जियों की कीमतों उछाल

बारिश से सब्जियों की फसल खराब होने मंडी में आवक कम हो गई है। मंडी में आवक कम होने से कीमतों में भारी उछाल आने लगा है। जिसका असर दुकानदार के कारोबार पर भी पड़ रहा है। सब्जी बिक्रेता भागमल का कहना है कि बारिश से पहले वह एक दिन में 150 से 200 किलो सब्जी बेच देता था। लेकिन अब 100 किलो सब्जी एक दिन में नही बिक रही है। क्योकि कीमतें अधिक होने के कारण ग्राहक कम मात्रा में ही खरीद कर रहा है। लेखराज का कहना है कि बारिश के दिनों में सब्जियों की संख्या कम हो जाती है। चंद सब्जियां होने के कारण ग्राहक रोज-रोज उन्हे खरीद करने से बचता है।

सब्जियों की कीमतों में उछाल

सब्जी का नाम	पहले के भाव	अब के भाव
फूल गोबी	40	80
टमाटर	30	50
घीया	20	40
तोरई	40	60
पालक	20	40
आलू	20	40
अरबी	40	60
धनिया	40	80

वन टाइम रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ाई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

ग्रुप सी और डी के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

हरियाणा के युवाओं के लिए प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना वन टाइम रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ाई गई है। युवाओं को चाहिए कि वे अपना रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अवश्य करें, सरकार द्वारा ग्रुप सी व डी की भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं को इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। योजना के तहत जनरल वर्ग को 500 रुपए व आरक्षित वर्ग को 250 रुपये शुल्क देकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। एक बार रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात इसकी वैधता तीन साल तक मान्य रहेगी।

उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने के साथ ही जटिल भर्ती प्रक्रिया व बार-बार भर्तियों के लिए फीस देने पर आर्थिक रूप से होने वाली परेशानियों से निजात दिलाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना की शुरुआत ने कर्मचारी चयन आयोग को भी काफी राहत देने का कार्य किया है। अब आयोग को एक ही उम्मीदवार के अलग-अलग भर्तियों के लिए किए गए आवेदनों की बार-बार जांच पड़ताल नहीं करनी होगी।

डॉ. गर्ग ने बताया कि वन टाइम रजिस्ट्रेशन योजना की सहायता से यह कार्य एक बार में ही हो जाएगा। इस योजना की शुरुआत से भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता व योग्यता के मानदंड को अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि एक बार शुल्क देने के पश्चात उसकी वैधता तीन साल तक मान्य होगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से सरकारी नौकरियों के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन की आवेदन की तिथि 30 जून तक थी, जोकि अब इसे बढ़ाकर 31 जुलाई कर दिया गया है। कोरोना काल के कारण यह समय आगे बढ़ाया गया था।

स्वस्थ और चुस्त दुरुस्त रहने के लिए अधिक प्रोटीन के सेवन की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भोजन में चिकन, मुर्ग, बतख, अंडे शामिल करके रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाये, स्वस्थ रहें, रोगों से दूर रहें

शहरी लोग एनिमल प्रोटीन के स्रोत के रूप में पॉल्ट्री प्रोडक्ट्स खा रहे हैं, फिर भी भारत में पॉल्ट्री मीट प्रोडक्ट्स का सेवन दुनिया में सबसे कम में से एक है। पॉल्ट्री के मामले में यह प्रति व्यक्ति 4 किलोग्राम से कम है, जबकि अन्य विकसित देशों में प्रति व्यक्ति सेवन 40 किलोग्राम तक है। इसलिये, हमारी डाइट में प्रोटीन जैसे अनिवार्य घटक को शामिल करने की जरूरत पर जागरूकता निर्मित करने के लिये हर साल 24 से 30 जुलाई तक प्रोटीन वीक मनाया जाता है।

व्यस्त लाइफस्टाइल, डेडलाइंस पर काम पूरा करने की मजबूरी और काम के अनियमित घंटों के कारण लोगों में पोषक-तत्वों का सेवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। इसलिये लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियाँ, जैसे डायबीटीज, हाइपरटेंशन, आदि बढ़ रही हैं और अब कुछ कठोर तथ्यों को जानने का समय आ गया है। इंडियन मार्केट रिसर्च ब्यूरो (आईएमआरबी) ने भारत के लोगों में प्रोटीन की कमी और प्रोटीन पर जागरूकता का पता लगाने के लिये एक नया सर्वे किया, जो बताता है कि शहरों में रहने वाले 73 फीसदी धनी लोगों में प्रोटीन की कमी है और उनमें से 93 फीसदी लोगों को यह जानकारी नहीं है कि उन्हें रोजाना कितने प्रोटीन की जरूरत है?

व्यक्ति की डाइट में प्रोटीन को शामिल करने का महत्व विस्तार से समझाते हुए, प्रमुख न्यूट्रीशनिस्ट ऋतिका समद्दर ने कहा, ''प्रोटीन जिन्दगी की इमारत को बनाने वाली ईंट है और शरीर की हर कोशिका में मौजूद है। वृद्धि, विकास और बीमारियों से लड़ने के लिये प्रोटीन महत्वपूर्ण है। एक औसत भारतीय वयस्क के लिये प्रोटीन का आरडीए शरीर के प्रति किलोग्राम वजन के लिये 0.8 से 1.0 ग्राम तक होता है। इस प्रकार एक स्वस्थ वयस्क के लिये यह प्रतिदिन लगभग 50 से 60 ग्राम हो जाता है। इस पर जागरूकता पैदा करने की जरूरत है कि हमारे स्वास्थ्य के लिये प्रोटीन का क्या महत्व है, उसका कितना सेवन करें और हमारी डाइट में प्रोटीन के स्रोत क्या हैं। भारत के लोग केकड़ा बहुत पसंद करते हैं। बतौर एक देश, हम जरूरत से ज्यादा स्टार्च और वसा का सेवन करते हैं, लेकिन प्रोटीन का पर्याप्त सेवन नहीं करते हैं और इसके कई कारण हैं। प्रोटीन के सेवन से जुड़े आम मिथकों पर समद्दर ने कहा, ''एक आम धारणा यह है कि ''प्रोटीन को पचाना कठिन होता है'', ''उससे वजन बढ़ता है'' और 'प्रोटीन केवल बॉडी बिल्डर्स के लिये है''। ऐसे में डाइट में पर्याप्त प्रोटीन्स् सुनिश्चित करना जरूरी है। प्रोटीन दो प्रकार का होता है; पूर्ण और अपूर्ण, जिसका पता अमीनो एसिड्स की बनावट से चलता है।

शहर में बढ़ गए डायरिया के मरीज, बरतें सावधानी

डायरिया ग्रस्त महिला मरीज का बीपी स्टाफ के माध्यम से जांच करवाते डॉ. योगेश अग्रवाल।

कविता। फरीदाबाद

बरसात के बाद गंदे पानी के कारण डायरिया का कहर भी जिले में बढ़ने लगा है। जिले के बीके सिविल अस्पताल में पिछले दो दिनों में डायरिया से पीड़ित मरीजों की भर्ती लगातार की जा रही है। वहीं ओपीडी में भी डायरिया के मरीजों की संख्या कई गुणा बढ़ गई है। डायरिया से पीड़ितों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेश अग्रवाल ने बताया कि बरसात के कारण डायरिया के मरीज रोजाना सामने आ रहे है। यह बदलता मौसम लोगों को बीमार कर रहा है। फिलहाल उल्टी-दस्त के मरीज अधिक सामने आ रहे है।

तापमान ज्यादा होने और शरीर में पानी की कमी होने पर डायरिया होने की शिकायत ज्यादा होती है। इसके अलावा खानपान में लापरवाही भी बीमारी का कारण बनती है। बरसात के बाद शहर के सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिला अस्पताल हो या स्वास्थ्य केंद्र अथवा क्लीनिक, सभी जगहों पर उल्टी, दस्त के मरीज बड़ी संख्या में रोजाना पहुंच रहे हैं। ओपीडी में सर्वाधिक मरीज डायरिया के आ रहे हैं। एक वरिष्ठ चिकित्सक के मुताबिक जिले के डाक्टरों के पास प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज डायरिया के आ रहे हैं। डॉक्टर मरीजों और तीमारदारों से बचाव के तरीके सांझा कर रहे हैं।

चिकित्सक का कथन

डॉ. योगेश अग्रवाल ने बताया कि इन दिनों सर्वाधिक मरीज उल्टी, दस्त के ही पहुंच रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन दिनों ओपीडी हो या अपातकालीन कक्ष हर जगह डायरिया के मरीज ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बीमारी में उल्टी, दस्त कई बार होने की समस्या आती है। सिर में तेज दर्द होता है। बदन में तेज खुजली और दर्द होने लगता है। पानी और खानपान पर विशेष ध्यान देकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि धूप से बचाव करें, घर से बाहर निकलने पर सिर जरूर ढकें। तले, भूने और मसाले वाले भोजन का सेवन कम करें। इस तरह के एहतियात बरत कर न केवल बीमारी से बच सकते हैं बल्कि पूरी तरह स्वस्थ्य भी रह सकते हैं।

कोरोना: कम मरीज फिर भी आंकड़ों से छेड़छाड़

कोरोना के 15 एक्टिव केस, अब तक आए 9972 पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहर में कोरोना का आंकड़ा कम होता जा रहा है। लेकिन आज भी मरीज ऑक्सीजन पर घर में रहने को परेशान हैं या फिर जारी किए जा रहे आंकड़ों में आज भी छेड़छाड़ की जा रही है। ऐसा ही कुछ कोरोना अपडेट में देखने को मिला।

जिले में शनिवार को 1486 लोगों की जांच की गई। जिसमें से एक भी पॉजिटिव नहीं आया। लेकिन जिले में फिलहाल 579 लोगों की रिपोर्ट आनी शेष है। वहीं जिले में 15 एक्टिव केस बताए गए हैं। जिसमें दो पॉजिटिव अस्पताल में भर्ती बताये गए हैं।

लेकिन ऑक्सीजन पर दो और एक वेंटीलेटर पर बताया गया है। इन आंकड़ों के मुताबिक दो मरीज अस्पताल में है। ऐसे में या तो दो मरीजों में से एक घर में ऑक्सीजन पर तो दूसरा अस्पताल में है या फिर अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या कम बता कर आंकड़ों में छेड़छाड़ की गई है। इस बारे में किसी के पास कोई जबाब नहीं है।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांच	: 987637
अब तक पॉजिटिव	: 99762
अब तक नेगेटिव	: 887296
रिपोर्ट आनी शेष	: 579
ऑक्सीजन पर है	: 2
वेंटीलेटर पर है	: 1
अब तक मौत	: 716
अब तक ठीक	: 99031

कविश हत्याकांड का इनामी और नशे का सौदागर बदमाश लाला गिरफ्तार

लाला के खिलाफ 18 मुकदमे दर्ज, दो महीने पहले की थी छात्र की हत्या

छात्र हत्या मामले में 7 आरोपियों को पहले हो चुके हैं गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देशों के तहत नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने काफी समय से फरार चल रहे 50 हजार के इनामी बदमाश बिजेंद्र उर्फ लाला को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी के खिलाफ दो महीने पहले थाना एसजीएम नगर में हत्या का मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसमें आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर ओल्ड फरीदाबाद निवासी एमबीए की पढ़ाई कर रहे छात्र कविश को नशे की ओवरडोज देकर मौत के घाट उतार दिया था।

17 मई को मृतक कविश के पिता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने अपराधियों की धरपकड़ के निर्देश दिए। जिसके तहत क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने मात्र दो दिन बाद हत्या में शामिल आरोपी दीपक उर्फ भगिना, राम, पिंटू उर्फ नहीम उर्फ मीढा और विशाल उर्फ सुन्ना को गिरफ्तार कर लिया। दो जून को हत्या में शामिल आरोपी तरुण तथा 9 जून को दो आरोपी भाइयों गौतम तथा राहुल को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मामले में आरोपी लाला फरार चल रहा था। जिसपर ओपी सिंह के अनुरोध पर डीजीपी हरियाणा ने आरोपी पर 50 हजार का इनाम घोषित किया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने लाला की गिरफ्तारी के लिए कई ठिकानों पर दबिश दी। परंतु लाला बार-बार बचता रहा। आखिरकार क्राइम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने सफलता हासिल करते हुए शुक्रवार रात लाला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लाला एक खतरनाक अपराधी है। जो नशे का अवैध कारोबार करता है और उसके खिलाफ हत्या, मारपीट, अवैध हथियार, नशा तस्करी सहित 18 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें से 16 केस थाना मुजेसर के शामिल है।

आरोपी लाला अवैध नशे के कारोबार में काफी समय से संलिप्त है। जिसमें वह अवैध शराब तथा गंजा की तस्करी करता था। वह भोले-भाले नवयुवकों को भी अपराध की इन अंधेरी गलियों में धकेल देता था। अवैध नशा तस्करी के लिए उसने अपने गुर्गों को छोड़ रखा था। खुद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए फरार चल रहा था। आरोपी रात को अपनी पत्नी से मिलने के लिए सेक्टर 12 में आया हुआ था। जिसे क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को अदालत में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

भारतीय ओलंपिक दल को दीं चीयर करते हुए शुभकामनाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शिक्षा विभाग के आदेशानुसार एनएच-तीन स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा की अध्यक्षता में जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड ने टोक्यो ओलंपिक में भाग लेने गए 131 भारतीय खिलाड़ियों के दल को चीयर करते हुए अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि शनिवार को भारोत्तोलन में भारोतोलक मीरा बाई चानू ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीत कर देशवासियों को गौरवांवित होने का मौका दिया। रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि आज सभी स्टाफ सदस्यों और सभी बालिकाओं ने देश के शान और देश का टोक्यो ओलंपिक में प्रतिनिधित्व करने वाले सभी एक सौ इकतीस खिलाड़ियों के दल को चीयर करते हुए शुभकामनाएं दी।

विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस, गाइड्स और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड की सदस्य छात्राओं ने पेंटिंग और पोस्टर बना कर देश के सभी एक सौ इकतीस खिलाड़ियों को शुभ संदेश दिए। बालिकाओं और अध्यापकों एवम अध्यापिकाओं जसनीत कौर, आशा, मंजू, दीपिका, शिवम, कविता, मोनिका, ललिता, पूनम, वनिता सहित सभी ने कहा कि हमें अपने तीस हरियाणवी खिलाड़ियों सहित सम्पूर्ण भारतीय ओलंपिक दल पर गर्व है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचन्दा ने कहा कि हमारे लिए गौरव का विषय है की टोक्यो ओलंपिक के 131 खिलाड़ियों के दल में 30 खिलाड़ी हरियाणा के हैं।

जिले में 4130 लोगों को लगी वैक्सीन

फरीदाबाद। जिले में शनिवार को 4130 लोगों ने कोरोना से बचाव का टीका लगवाया। जिसमें तीन हेल्थ केयर वर्कर शामिल हैं। वहीं 18 प्लस आयुवर्ग में 3163 लोगों ने टीका लगवाया। 45 प्लस आयुवर्ग में 964 लोगों को टीका लगाया गया। जिले में केवल निजी अस्पतालों में ही टीकाकरण की घोषणा बीती शाम जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा की गई थी। लेकिन शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों में बताया गया कि जिले में 3443 लोगों को ही निजी वैक्सीनेशन कैम्पों में टीका लगाया गया। लेकिन बाकी टीके के बारे में पायनियर की तरफ से पुछताछ करने पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. राजेश श्योकंद ने बताया कि कोवैक्सीन की सैकेंड डोज कौराली में लगाई गई हैं। जिसमें 687 लोगों ने सैकेंड डोज लगवाई।

पहुंचे सैंकड़ों लोग : बीके अस्तपाल में बने वैक्सीनेशन सेंटर के बाहर सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंच गए। सुबह से पहुंच रहे लोगों को सेंटर के बंद गेट पर लगे सूचना बोर्ड को देखकर वापस लौटना पड़ा। केन्द्र के बाहर लगे नोटिस पर शनिवार और रविवार को टीका न लगने की बात कही गई थी। वहीं कुछ लोग कोरोना जांच को पहुंचे तो वहां से उन्हें बिना जांच करवाये ही यह कहते हुए लौटा दिया कि आज वैक्सीन नहीं है, ऐसे में आपकी जांच नहीं की जाएगी।

नहीं है वैक्सीन : वैक्सीन की डोज समाप्त होने के कारण शुक्रवार को जहां वैक्सीनेशन सेंटरों पर पांच हजार के करीब ही वैक्सीन लगाई गई थी। वहीं रविवार को केवल बीके में ही डोज लगाई गई थी। लेकिन इस दौरान दोपहर को ही वैक्सीन समाप्त होने के कारण यहां आने वाले लोगों की जांच तक नहीं की गई। ज्यादातर लोग वैक्सीन लगवाये बिना ही लौट गए। ऐसे में शनिवार और रविवार को वैक्सीन न लगने से लोग परेशान होकर वापस लौटने को मजबूर हो रहे हैं।

लूटपाट की नीयत से बदमाशों ने की मिठाई की दुकान में फायरिंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ स्थित सीही गेट के पास शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे एक मिठाई की दुकान पर दो हथियारबंद बदमाशों ने हमला कर दिया। लूट में कामयाब न होने पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग करते हुए दोनो बदमाश बाहर खड़े अपने एक अन्य साथी की बाइक पर सवार होकर भाग निकले। बाजार में फायरिंग की आवाज से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। फुटैज जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

यह है पूरा मामला

सीही गेट बल्लभगढ़ निवासी दीपक गर्ग ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उनकी मेन बाजार में सीही गेट पर ही डालचंद हलवाई नाम से मिठाई की दुकान है। अन्य दिनों की तरह वह शुक्रवार रात को करीब 9 बजे दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे। तभी करीब साढ़े 9 बजे उनकी दुकान पर 25 से 30 साल उम्र के दो युवक आ गए। एक युवक ने काली टी शर्ट पहनी थी। जबकि दूसरा युवक लाल रंग की टी शर्ट पहने हुए था। आरोप है कि काली टी शर्ट वाले युवक ने दुकान में आते ही दीपक गर्ग पर देसी पिस्टल तानते हुए रुपयों की पेटी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इसमें जितने भी रुपये हैं, वह निकालकर दे दे, वर्ना गोली मार दूंगा। दीपक गर्ग ने रुपये न होने की बात कहते हुए कहा कि दुकान का सारा कैश घर जा चुका है। इस पेटी में अब रुपये नहीं है। रुपयों के लिए मना किए जाने पर बदमाश ने तभी दुकान के रैक की ओर फायर कर दिया। गोली चलाने के बाद बदमाश ने कहा कि आज तो बच गया। अगर आगे रुपये नहीं दिए तो जान से मार देंगे। इसके बाद दोनों युवक दुकान से बाहर निकले और हवाई फायर करते बाइक पर बैठ फरार हो गए।

पुलिस का कथन

अग्रसेन चौक पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद गौतम व क्राइम ब्रांच की टीम ने मौके पर जांच की। पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस चौकी इंचार्ज विनोद गौतम ने बताया कि पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम बदमाशों की पहचान में जुटी हैं। आरोपितों को जल्द अरेस्ट कर लिया जाएगा।

योजना के तहत 35 हजार क्विंटल गेहूं लाभार्थियों में वितरित : गुर्जर

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में लाभ पात्रों को राशन वितरित करने के उपरांत उपस्थित लोगों को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा गरीब व जरूरतमंद लोगों को हर मूलभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के सभी प्रयास युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं।

ये विचार कृष्णपाल गुर्जर भारी उद्योग एवं ऊर्जा राज्य मंत्री, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन डिपो का के तहत आने वाले डिपो को तिलकराज, सतनाम व नवीन भाटिया के डिपो के अंतर्गत आने वाले पात्र लाभार्थियों को इस योजना के तहत राशन वितरित करने के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित करते कहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में संपूर्ण भारतवर्ष के सभी वर्गों के हित सुरक्षित हैं और सभी वर्गों के समुचित विकास के लिए अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है, संबंधित व्यक्ति को चाहिए कि वे अपने से जुड़ी योजना के बारे जानकारी हासिल कर संबंधित योजना का भरपूर लाभ लें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है।

जिसके अंतर्गत एचएवाई, ओपीएच, बीपीएल कार्ड धारकों को पांच किलो मुफ्त गेहूं दिए जाने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में किसी भी समस्या के लिए पात्र लाभार्थी उनके कार्यालय या जिला रेडक्रॉस बिल्डिंग सेक्टर- 12 में जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक विभाग कार्यालय में संपर्क कर सकता है। केंद्रीय राज्यमंत्री कृषणपाल गुर्जर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, बीपीएल, एएवाई जैसी योजनाओं के बारे उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह इस प्रकार की योजना का जनहित में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें।

संक्षिप्त समाचार

मीराबाई चानू के पदक जीतने पर मनाया जश्न

फरीदाबाद। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड ने विभिन्न खेलों के खिलाडियों के साथ मिलकर भारत को ओलम्पिक में पहला पदक दिलाने वाली अन्तर्राष्ट्रीय वेट लिफ्टर खिलाडी मीराबाई चानू को भारत के तिरंगा झंडा के साथ जीत की बधाई दी। फरीदाबाद के वेट लिफ्टर खिलाडी हरित कुमार ने कहा कि मीराबाई चानू ने भारत को पहला रजत पदक देकर एक नया इतिहास रचा है। शारीरिक प्रशिक्षक हरिसिंह ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी मीराबाई चानू ने ओलम्पिक में पहले दिन पदक जीतकर एक नया इतिहास रचा है। 200 मीटर दौड के राष्ट्रीय धावक नकुल धनखड़ ने कहा ओलम्पिक में भारतीय टीम इस बार एक नया इतिहास रचेगी और मीराबाई चानू के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं भेजी। वहीं साथियों के साथ जीत का जश्न मनाया। मीराबाई चानू के रजत जीत पदक विजेता बनने की खुशी में वंदना, आरव, सिद्धार्थ, लवण, नकुल धनखड, अंकित शर्मा, दुष्यंत धनखड, तुषार और दीपांशु ने भारतीय झंडे को साथ लेकर जीत का जश्न मनाया।

बांके बिहारी मंदिर में पहुंचे पूर्व मंत्री विपुल गोयल

फरीदाबाद। सेक्टर-19 में बांके बिहारी मंदिर शास्त्री कॉलोनी और श्रीबांके बिहारी मंदिर सेवा संस्था के पदाधिकारियों द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पहले हवन और भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और भंडारे का शुभारम्भ् कर अपने हाथों से छोटे बच्चों को प्रसाद वितरित किया। इससे पहले फरीदाबाद खेड़ी पुल स्थित गुरु रविदास मंदिर में भी श्री: श्री: 1008 स्वामी मग्धानन्द् आश्रम विकास समिति द्वारा गुरु पर्व के अवसर पर हवन और भण्डारे का अयोजन किया गया था, जिसमें पहुंचकर मंदिर में देवी देवताओं के दर्शन कर मंदिर के महंत स्वामी नरेशानन्द महाराज व् अन्य संत महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया और दोनो कार्यक्रमों में उपस्थित सभी लोगों के साथ साथ क्षेत्र ओर प्रदेश वासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी और सभी की खुशहाली के लिए मंदिर में प्रार्थना कर हवन यज्ञ में आहुति दी। कार्यक्रम से पहले सभी सेक्टर वासियों ने और मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व मंत्री विपुल गोयल का फूल मालाओं से स्वागत किया और मोमेंटो व् शाल ओढाकर सम्मानित किया। इस मौके पर पार्षद नरेश नम्बरदार, महंत स्वामी मग्धानन्द् महाराज, अशोक नंदा, रामचंद्र नंबरदार, बलबीर चौधरी, धर्मपाल, मास्टर आरके यादव, बजरंग सिंगला का के कीमती लाल, जगबीर चौधरी, लालाराम, रामफूल सैनी, देशराज चौधरी व सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संस्कृति संघ ने स्वास्थ्य कोविड सैनिकों को किया सम्मानित

फरीदाबाद। सेक्टर-19 ईएसआई डिस्पेंसरी के स्वास्थ्य कर्मियों को हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ ने कोविड सैनिक सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में वार्ड नम्बर-30 के पार्षद सुभाष आहूजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा समाजसेवी वासदेव अरोड़ा अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पंजाबी संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चन्द्र आजाद ने कहा कि कोरोना काल मे कोविड सैनिक ने समाज सेवा को नया रूप दिया। जिन्होंने रात दिन कार्य करके कोरोना पीढ़ितों की जान बचाई। हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ शहर के बहुत सारे कोविड सैनिकों को सम्मानित करेगा। उन्होंने बताया कि हमारा अगला कोविड सम्मान कार्यक्रम-1 नम्बर ईएसआई डिस्पेंसरी में अगले सप्ताह होगा। महासचिव तेजिन्द्र खरबंदा ने कहा कि हम अगस्त के प्रथम सप्ताह में पुलिस कर्मियों को भी सम्मानित करेगें जिन्होने कोरोना काल में लोगों की सहायता करके उनकी जान बचाई है और लोगो से कोरोना नियमों का पालन करवाया। मुख्यअतिथि सुभाष आहूजा ने कहा कि इस तरह के कार्य समाज को दिशा प्रदान करते हैं।

समाज को दिशा देने वालों का सम्मान कर रही भाजपा : शर्मा

गुरु पूर्णिमा पर प्रतिष्ठित लोगों को उनके घरों पर पहुंच कर किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की रीति और नीति समाज को दिशा देने वाले लोगों का सम्मान करना है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार की रीति और नीति के तहत शनिवार को बल्लभगढ़/ फरीदाबाद में सरकार के कैबिनेट मंत्री होने के नाते सरकार की तरफ से प्रतिष्ठित लोगों को उनके घरों पर पहुंच कर उन्हें गुरु पूर्णिमा पर सम्मानित करना मेरा कर्तव्य बनता है उसी के तहत आज यह कार्य किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि लोगों को शिक्षा और दीक्षा व साहित्य के क्षेत्र में, प्रवचन के क्षेत्र में, खेल के क्षेत्र में तथा प्रशिक्षण के क्षेत्र में हो ऐसे महानुभाव लोग समाज के प्रेरणा के स्रोत हैं उनका सम्मान किया गया है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने नई पीढ़ी से आव्हान् करते हुए कहा कि वे अपने माता-पिता, गुरुजनों तथा समाज के ऐसे प्रेरणा के स्रोत रहे लोगों का आदर करेगें तो वे निश्चित तौर पर सफलता के मुकाम पर पहुंचेंगे। दुनिया की कोई भी ताकत ऐसे संस्कारवान बच्चों को उनके मुकाम पर पहुंचने से नहीं रोक सकती।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा शनिवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा की भाजपा सरकार की रीति और नीति कार्यक्रम के तहत साहित्यकारों लेखकों ऋषि-मुनियों पहलवानों तथा अन्य समाज के प्रेरणा स्रोत के लोगों को घर जाकर उन्हें सम्मानित कर रहे थे। शर्मा ने शनिवार को बल्लभगढ़ में रघुवीर कालोनी में सुबह 8:30 बजे भैया जी महाराज जी के पास जाकर उन्हें सरकार की तरफ से सम्मानित किया। इसके उपरांत बल्लबगढ़ में ही सुबह 9 बजे सेक्टर-3 में साहित्यकार वेदप्रकाश के घर पहुंचे उन्हें भी सरकार की तरफ सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सेक्टर-7 में सुबह 9:30 बजे साहित्यकार बलदेव राज के घर पहुंचे और उन्हें सरकार की तरफ से सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सुबह 10 बजे इसी प्रकार हिन्द केसरी नेत्रपाल सिंह (दयालपुर वाले) के घर शास्त्री कालोनी सेक्टर -19 में पहुंच कर उन्हें भी सरकार की तरफ से सम्मानित किया।

इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंटरनेशनल रेसलिंग अकेडमी सेक्टर- 88 के संचालक व हरियाणा पुलिस के पूर्व पुलिस अधीक्षक और भीम अवार्डी एवं अर्जुन अवार्डी पहलवान जगरूप सिंह राठी के घर पहुंच कर उन्हें गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर बधाई तथा शुभकामनाएं देकर सरकार की तरफ से सम्मानित किया।

हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने गुरुपूर्णिमा के पावन पर्व पर सबसे पहले बल्लबगढ़ शहर के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर भैयाजी महाराज का उनके आश्रम पहुंच कर उन्हें सम्मानित किया। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने साहित्यकार वेदप्रकाश जी द्वारा लिखित किताबो और उन्हें सरकार से मिले सम्मान पत्र को ध्यान पूर्वक देखते हुए उन्हें गुरु पूर्णिमा की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बड़खल में एक सप्ताह तक मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

फरीदाबाद। बडखल विधानसभा क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा महोत्सव एक सप्ताह तक मनाया जाएगा। इसी श्रृंखला में बड़खल विधानसभा क्षेत्र की भाजपा विधायक सीमा त्रिखा ने बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न धर्म गुरुओं की दहलीज पर जाकर माथा टेका। देश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कोविड-19 के संपूर्ण विवश की कामना की। इस दौरान विधायक ने धर्मगुरुओं और संतों के चरणों में अपना सिर नवाकर सभी संतों व महापुरुषों का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

त्रिखा ने सूरजकुंड रोड स्थित श्री सिद्धदाता आश्रम में स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज, मंदिर श्री पीर मोती नाथ जी महाराज मार्केट नंबर 1 में पीर जगन्नाथ, मंदिर जगतगुरु भगवान लालजी महाराज में गोस्वामी किशनलाल व गोस्वामी जयलाल, मंदिर जगतगुरु रतनलालजी महाराज में गोस्वामी श्यामलाल महाराज, शिवालय मंदिर नंबर 2 में महंत बसंतलाल, मंदिर जगतगुरु वेद प्रकाश महाराज में भूषण बाली व उमेश बाली, गोस्वामी योगेश बाली तथा मंदिर जगतगुरु धाम गांव अनखीर में ब्रिजांशुजी महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान विधायक सीमा त्रिखा ने कहा कि बडखल विधानसभा क्षेत्र में गुरु पूर्णिमा महोत्सव एक सप्ताह तक मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतवर्ष ऋषि-मुनियों की धरती है, थी और हमेशा बनी रहेगी। इस अवसर पर विधायक त्रिखा ने सभी को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु दो अक्षरों से मिलकर बनता है। जिसमें गु का अर्थ है अज्ञान एवं रु का अर्थ है दूर करने वाला अर्थात गुरु का अर्थ है अज्ञान को दूर करने वाला। इसलिए हमें माता-पिता तथा गुरुजनों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। उनके बताए पथ पर आगे बढ़कर अपने माता-पिता एवं गुरुजनों नाम उज्ज्वल करने की कोशिश करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरु हमें सदमार्ग पर चलना सिखाते हैं, इसलिए गुरु का स्थान भगवान से भी ऊंचा माना गया है। आज के समाज में ऐसे गुरु की जरूरत है जो शिष्य के विकारों को दूर कर सके। इस अवसर पर रीटा गोस्वामी, कमलेश भाटिया, रूद्रदेव शर्मा मोंटू, संदीप नागपाल, ज्ञानी प्रधान तथा सरदार मनजीत सिंह आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

'पहले दिन से किया चुनौतियों का सामना'

● एदियुरप्पा ने गिनाईं अपनी उपलब्धियां

● कोरोना महामारी को लेकर जताई चिंता

भाषा। बेंगलूरू

बी एस एदियुरप्पा ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद पहले दिन से ही उन्हें कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वह इस बात को लेकर संतुष्ट हैं कि उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र का चौतरफा विकास सुनिश्चित कर लोगों से किया गया वादा निभाया है, जिस पर उन्हें गर्व महसूस होता है।

एदियुरप्पा ने अपने कार्यालय से ऑनलाइन तरीके से शिवमोगा जिले में ।,074 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन करने और 560 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि पिछले दो वर्षों में हमने शिवमोगा जिले के विकास के लिए अधिकतम प्रयास किए हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, वे इसका प्रमाण हैं। मुझे गर्व है कि शिवमोगा जिले और अपने शिकारीपुरा निर्वाचन क्षेत्र के चौतरफा विकास को सुनिश्चित कर मैंने लोगों से किया गया वादा निभाया है। शिकारीपुरा ने ही मुझे राजनीति में प्रवेश दिलाया। एदियुरप्पा ने कहा, जिस दिन से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है, उस दिन से लेकर अब तक मुझे प्राकृतिक आपदाओं जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिनका सामना राज्य ने पहले कभी नहीं किया था। अब यह कोविड-19 महामारी आ गई है, जिसने लोगों की जिंदगी ही बर्बाद कर दी। एक बार फिर बाढ़ जैसी स्थिति बन रही है। शिवामोगा समेत अन्य आठ जिलों के उपायुक्तों को राहत एवं बचाव कार्य चलाने के निर्देश देने के बाद उन्होंने कहा, मैं इस बात को लेकर संतुष्ट हूं कि तमाम चुनौतियों के बावजूद मैंने लोगों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। लोगों के समर्थन के लिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं। सोमवार को पद पर उनका आखिरी दिन होने का संकेत देते हुए एदियुरप्पा ने हाल में कहा था कि वह 25 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने वाले निर्देश के आधार पर वह 26 जुलाई से अपना काम शुरू करेंगे। सोमवार 26 जुलाई को एदियुरप्पा सरकार के दो साल पूरे हो रहे हैं। गौरतलब है कि शिकारीपुरा में पुरसभा अध्यक्ष के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू करने वाले एदियुरप्पा पहली बार 1983 में शिकारीपुरा सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे और वहां से आठ बार जीते हैं।

हाथियों के गलियारों की बहाली को अध्ययन जारी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया कि वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की मदद से एक व्यापक अध्ययन किया जा रहा है जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नीलगिरी क्षेत्र में हाथियों के वास और आने-जाने के रास्तों (गलियारों) पर यदि कोई अतिक्रमण है तो उसे हटाया जाए और उसे वन तथा वन्यजीवों के लिए समर्पित रखा जाए। पशुओं के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता मुरलीधरन एवं अन्य की जनहित याचिका पर सुनवाई के समय शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति को सूचित किया गया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ भी इस पहल का हिस्सा हैं। पीठ ने मामले पर सुनवाई दो सितंबर तक के लिए टाल दी और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि क्षेत्र का किस तरह इस्तेमाल हो रहा था और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है यह जानकारी देते हुए चार सप्ताह के भीतर वह एक हलफनामा दायर करे।

सुप्रीम कोर्ट समय पूर्व रिहाई की नीति को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई को सहमत

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई करने को सहमत हो गया है, जिसमें कानूनी मुद्दा उठाया गया है कि समय पूर्व रिहाई के लिए दोषसिद्धि के वक्त लागू नीति अमल में लाई जाएगी या ऐसी राहत देने का विचार करते वक्त लागू नीति।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और अन्य से चार हफ्ते में जवाब देने को कहा है। मामले में याचिकाकर्ता उम्र कैद की सजा काट रहा कैदी है और उसने अदालत से अनुरोध किया है कि राज्य को उसे रिहा करने का निर्देश दिया जाए, क्योंकि उसने छूट की अवधि सहित 20 साल कैद की सजा पूरी कर ली है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि वह मामले में सजा सुनाए जाने के वक्त लागू समयपूर्ण रिहा करने की नीति की अर्हता रखता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ के समक्ष यह याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए आई, जिसमें राज्य सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया गया। पीठ ने कहा चार हफ्ते में नोटिस का जवाब दें। अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा के जरिए दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे एवं अन्य को वर्ष 1996 के मामले में निचली अदालत ने दोषी ठहराया और सितंबर 2005 में उम्र कैद की सजा सुनाई। याचिका में कहा गया, हालांकि, 10 जनवरी 2012 को पहली बार उस नीति में बदलाव किया गया, जिसमें कहा गया कि उम्र कैद की सजा पाए व्यक्ति को कुल 26 साल की सजा के साथ 20 साल की वास्तविक सजा भुगतनी होगी जबकि दिसंबर 1978 की नीति में उल्लेख था कि 18 दिसंबर 1978 के बाद उम्र कैद की सजा पाया व्यक्ति अगर कुल 20 साल और 14 साल की वास्तविक सजा को पूरा कर लेता है, वह तो समय पूर्व रिहाई की अर्हता रखता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक अधिकारियों ने पिछले साल दिसंबर में उसकी समय पूर्व रिहा करने की अर्जी पर दिसंबर 1978 की नीति के तहत विचार करने के बजाय जनवरी 2012 की नीति के आधार पर उसे अस्वीकार कर दिया। याचिका में कहा गया, याचिकाकर्ता की समय पूर्व रिहाई की अर्जी पर चार दिसंबर, 1978 के संदर्भ में विचार किया जाना चाहिए और अदालत से अनुरोध है कि वह उसे तत्काल रिहा करने के लिए उचित निर्देश दे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध के दर्शन कर पुष्पांजलि दी

पश्चिम बंगाल के कॉलेज स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करने में जुटे

● बिना किसी परीक्षा के प्रवेश लेने की तैयारी

भाषा। कोलकाता

कोलकाता स्थिति महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और सरकारी यादवपुर विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि इस साल पश्चिम बंगाल में उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अधिक वैज्ञानिक और तार्किक रहे। उच्च शिक्षण संस्थानों के अधिकारियों ने बताया कि वे आईएससी और सीबीएसई के नतीजे आने के बाद स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में बिना किसी परीक्षा प्रवेश के लिए नई व्यवस्था तैयार करेंगे। लेडी ब्रेबोर्न कॉलेज की प्रधानाचार्य सिउली सरकार ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस साल उच्चतर माध्यमिक कक्षा के परिणाम अधिक संतुलित और उचित तरीके से वैज्ञानिक मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत आने की उम्मीद है और यहां तक कि अगर कोई उम्मीदवार महसूस करता है कि वह ऑफलाइन परीक्षा में बेहतर किया होता, तो ऐसों की संख्या अधिक नहीं होगी।

सरकार ने कहा कि कॉलेज ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रहा है जिसमें वर्ष 2019 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा के अंक को प्रवेश के दौरान न्यूनतम अर्हता अंक के साथ संबंधित कला और विज्ञान संकाय के विषयों में महत्व दिया जाए। स्कॉटिश चर्च कॉलेज के प्रवक्ता ने बताया कि उनके संस्थान ने मोटे तौर पर फैसला किया है कि प्रवेश के दौरान उच्चतर माध्यमिक (12वीं कक्षा) के साथ-साथ 10वीं बोर्ड परीक्षा के अंकों के लिए भारांक दिया जाए। हालांकि, अन्य बोर्ड के नतीजों की समीक्षा के आधार पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यादवपुर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि संस्थान ने राज्य उच्च शिक्षा विभाग को विज्ञान संकाय के विषयों में प्रवेश के लिए 80:20 का फार्मूला दिया है।

उन्होंने बताया, फार्मूला के तहत 80 प्रतिशत अंक विद्यार्थी को 10वीं और 12वीं कक्षा में किए गए प्रदर्शन के आधार पर देने और शेष 20 प्रतिशत अंक विद्यार्थी के साथ ऑनलाइन चर्चा, संवाद के आधार पर देने का प्रस्ताव है। हालांकि, कोई ऑफलाइन परीक्षा नहीं हो सकती है, ऐसे में हमने उच्च शिक्षा विभाग से इस फार्मूले में उम्मीदवार से ऑनलाइन चर्चा की व्यवहारिकता पर राय मांगी है, जैसा कि हमारे शिक्षकों और प्रबंधन ने विचार किया है। अधिकारी के मुताबिक अगले सप्ताह शनिवार तक इस मामले पर फैसला ले लिया जाएगा।

इस बार आयोजित नहीं होगा बाली तर्पणम

● केरल में कोविड महामारी के इस दौर में टीडीबी ने नहीं दी आयोजन करने की अनुमति

भाषा। तिरुवनंतपुर

केरल में मंदिरों का संचालन करने वाले सर्वोच्च निकाय त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर वार्षिक अनुष्ठान बाली तर्पणम के आयोजन को इस बार रद्द करने का फैसला किया है। बाली तर्पणम एक धार्मिक अनुष्ठान है, जिसमें हिंदू समुदाय के हजारों लोग मंदिरों के परिसर में एकत्र होकर अपने-अपने पूर्वजों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। टीडीबी के सूत्रों के मुताबिक हाल में हुई बोर्ड की एक उच्चस्तरीय बैठक में इस धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन को अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्एक वर्ष हजारों की संख्या में लोग केरल के छोटे और बड़े मंदिरों के घाटों पर एकत्र होकर यह अनुष्ठान करते हैं। टीडीबी द्वारा सबरीमला के विश्व प्रसिद्ध भगवान अयप्पा मंदिर समेत केरल के 1200 से अधिक मंदिरों का संचालन किया जाता है। लिंग और उम्र की तमाम बाधाओं को दरकिनार कर हिंदू समुदाय के लोग आमतौर पर प्रत्एक वर्ष कर्किडका वावु के अवसर पर केरल में नदियों और समुद्र तटों पर यह पारंपरिक अनुष्ठान करते हैं। इस साल आठ अगस्त को यह अनुष्ठान किया जाना था। हिंदू मान्यता के अनुसार, यदि कर्किडका वावु के दिन ही बाली तर्पणम का आयोजन किया जाए तो मृत व्यक्ति की आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

सिक्कम में कोरोना के 225 नए मामले

गंगटोक। सिक्किम में 225 और लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई, जिसके बाद राज्य में शनिवार को कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 24,823 हो गई। वहीं, संक्रमण से एक मरीज की मौत हुई जिससे यहां मृतक संख्या बढ़कर 330 हो गई है। एक स्वास्थ्य बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। पश्चिम सिक्किम जिले में सबसे अधिक 81 नए मामले सामने आए, इसके बाद पूर्वी सिक्किम में 72, दक्षिण सिक्किम में 71, और उत्तरी सिक्किम में एक मामले आए। सिक्किम में अब 2,849 उपचाराधीन मरीज हैं, जबकि 21,380 लोग इस बीमारी से उबर चुके हैं और 264 मरीज अब तक दूसरे राज्यों में चले गए हैं। राज्य में कोरोना वायरस रोगियों के ठीक होने की दर 87 प्रतिशत है। बुलेटिन में कहा गया है कि हिमालई राज्य में अब तक कोविड-19 के लिए 1.87 लाख से अधिक नमूनों की जांच हुई है, जिसमें पिछले 24 घंटों में हुई।

पीएम-किसान योजना का इस्तेमाल असम में वोटरों को प्रभावित करने के लिए हुआः एजेपी

भाषा। गुवाहाटी

एजेपी ने शनिवार को आरोप लगाया कि असम में पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने केंद्र के पीएम-किसान योजना के तहत लाभ किसानों के एक ऐसे धड़े को दिया जो इसके लिए पात्र नहीं थे और भाजपा ने इस वर्ष की शुरुआत में यह फायदा कई अन्य राज्यों में भी दिया जहां विधानसभा चुनाव हुए।

असम जातीय परिषद (एजेपी) ने यह भी दावा किया कि किसान कल्याण योजना के तहत सबसे अधिक संख्या में अपात्र लाभार्थियों की संख्या का पता पूर्वोत्तर राज्यों में चला है जहां भाजपा नीत सरकार सत्ता में थी और पिछले विधानसभा चुनाव में फिर से सत्ता में आई है।

एजेपी के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने आरोप लगाए कि केंद्रीय योजना के तहत तमिलनाडु 7,22,271 अपात्र किसानों की संख्या के साथ दूसरे स्थान पर रहा जहां उसका अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

गोगोई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, पीएम-किसान योजना के तहत लाभ राजनीतिक फायदे के लिए दिया गया। यह इस तथ्य से पता चलता है कि असम और तमिलनाडु में अपात्र किसानों को इस कार्यक्रम के तहत लाभ पहुंचाया गया। भाजपा यहां सत्ता में रही है और दक्षिणी राज्य में उसका सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा 20 जुलाई को लोकसभा में दी गई सूचना के मुताबिक असम में 8,35,268 ऐसे किसानों को पीएम-किसान का लाभ दिया गया जो इसके लिए पात्र नहीं थे। एजेपी अध्यक्ष ने कहा कि देश में कल्याणकारी योजना के तहत 42 लाख अपात्र किसानों को इसका फायदा दिया गया। गोगोई ने कहा, बहरहाल, असम एवं तमिलनाडु के साथ पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हुए लेकिन वहां केवल 19 अपात्र किसानों को लाभ पहुंचाया गया। भाजपा बंगाल में सत्ता में नहीं थी। पीएम-किसान योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रति वर्ष छह हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है जो दो हजार रुपए की तीन बराबर किस्तों में दी जाती है। यह राशि लाभार्थियों के सीधे खाते में भेजी जाती है। गोगोई ने कहा, अगर हम मानें कि एक परिवार में चार व्यक्ति हैं तो असम में 33.41 लाख मतदाताओं को प्रभावित किया गया। यह घोटाला यह भी सवाल उठाता है कि अन्य सरकारी योजनाओं में कितने वास्तविक लाभार्थियों को शामिल किया गया है।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत 350 से अधिक एम्बुलेंस लाभार्थियों को दीं

गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजभवन के सामने पेगासस मामले को लेकर प्रदर्शन किया

स्कूल खोलने की तारीख का फैसला करेंगे सीएम: डोटासरा

● स्कूल खोलने की घोषणा के बाद दी सफाई

भाषा। जयपुर

कोरोना वायरस के घटते मामलों के बीच राज्य में स्कूल खोले जाने की घोषणा पर उठे विवाद के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार को कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा व पढ़ाई दोनों सरकार की प्राथमिकता है। डोटासरा ने शनिवार को ट्वीट किया, स्कूल खोलने को लेकर विस्तृत प्रक्रिया एसओपी बनाने के लिए गठित मंत्रिमंडल की समिति की बैठक में सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद मुख्यमंत्री गहलोत स्कूल खोले जाने की तारीख और स्वरूप पर निर्णय करेंगे। इसके साथ ही डोटासरा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और पढ़ाई दोनों हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। उल्लेखनीय है कि राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक बृहस्पतिवार को हुई जिसमें कोरोना की दूसरी लहर के बाद राज्य में विद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों को शिक्षण कार्य के लिए खोलने पर सैद्धांतिक सहमति जताई गई। बैठक के बाद डोटासरा ने ट्वीट किया था कि सभी स्कूल दो अगस्त से खुलेंगे। हालांकि इस पर मुख्य विपक्षी भाजपा ने कहा कि बिना कोई प्रक्रिया तय किए स्कूल खोलना उचित नहीं है। इस पर पैदा हुए विवाद के बाद मुख्य विपक्षी भाजपा भी आक्रामक हो गई। इसके बाद शुक्रवार को मुख्यमंत्री गहलोत ने शिक्षण संस्थाओं को खोलने की तिथि और एसओपी के संबंध में निर्णय लेने के लिए पांच मंत्रियों की समिति गठित की। इस समिति में चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री भंवर सिंह भाटी तथा तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुभाष गर्ग शामिल हैं।

आतंकी साजिश के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीस अंसारी की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी है जिसे शहर में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को उड़ाने की साजिश रचने के आरोप में 2014 में गिरफ्तार किया गया था। अंसारी ने कोविड महामारी के कारण अस्थाई जमानत का अनुरोध किया था लेकिन शुक्रवार को उसकी याचिका को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस एच ग्वालानी ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। एटीएस ने अदालत को बताया कि अंसारी ने एक निजी कम्पनी में काम करते हुए एक फर्जी फेसबुक खाता खोला और कम्पनी के कम्प्यूटर का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक सामग्री प्रकाशित की। एजेंसी ने अदालत में कहा कि अंसारी ने आतंकी संगठन आईएसआईएस की गतिविधियों का भी समर्थन किया। अदालत ने कहा कि आरोपपत्र में आरोपी और उमर इल्हाजी नामक व्यक्ति की बातचीत का खुलासा करने वाला ब्यौरा है।

एमपी सरकार ने स्कूल फिर से खोलने के लिए एसओपी जारी की

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश में 26 जुलाई से स्कूलों की 11वीं और 12वीं कक्षा को 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ फिर से खोलने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की हैं। प्रदेश सरकार के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को इस संबंध में एसओपी जारी की गई हैं। इसके साथ ही कक्षा 9 एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में कक्षाएं पांच अगस्त से शुरु होंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए सप्ताह में दो बार स्कूलों में कक्षाएं होंगी तथा इसके साथ ही ऑनलाइन कक्षाएं भी जारी रहेंगी। उन्होंने कहा कि 11वीं के विद्यार्थी मंगलवार और शुक्रवार को स्कूल जाएंगे तथा 12 वीं कक्षा के विद्यार्थी सोमवार और बृहस्पतिवार को स्कूलों में बुलाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि 9वीं कक्षा के विद्यार्थी शनिवार को तथा 10वीं कक्षा के विद्यार्थी बुधवार को स्कूल जाएंगे। दिशा निर्देशों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर सुबह की सभा और तैराकी आदि की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा प्रदेश सरकार ने स्कूल प्रबंधन से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की कोविड-19 की जांच जैसे उपाय करने के लिए भी कहा है। महामारी के चलते मध्य प्रदेश में लंबे समय बाद स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है। प्रदेश में संक्रमण के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को प्रदेश में संक्रमण के मात्र 11 नए मामले सामने आए तथा प्रदेश में शुक्रवार को किसी भी व्यक्ति की इस बीमारी से मौत की सूचना नहीं है। इस बीच, प्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को स्कूल व कॉलेज के शिक्षकों और गैर शिक्षक कर्मचारियों को टीका लगाने के निर्देश दिए हैं।

पंजाब के बाद राजस्थान में हलचल तेज

● मंत्रिमंडल विस्तार व राजनीतिक नियुक्तियो की अटकले, वेणुगोपाल जयपुर पहुंचे

भाषा। नई दिल्ली-जयपुर

कांग्रेस की पंजाब इकाई का विवाद सुलझने के बाद अब राजस्थान कांग्रेस में हलचल तेज हो रही है और पार्टी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल शनिवार को जयपुर पहुंचें। राज्य में अशोक गहलोत मंत्रिमंडल में विस्तार व फेरबदल होना है तथा हजारों की संख्या में राजनीतिक नियुक्तियां की जानी हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि पार्टी के राजस्थान प्रभारी अजय माकन भी जयपुर पहुंच सकते हैं। पार्टी से जुड़े सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि मंत्रिमंडल में फेरबदल व विस्तार की अटकलों के बीच कांग्रेस के दोनों वरिष्ठ नेता राजस्थान पहुंच रहे हैं। माना जा रहा है कि सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अशोक गहलोत मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार इसी महीने हो सकता है। पहले यह कहा जा रहा था कि सारी कवायद को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत दिल्ली आएंगे। लेकिन जयपुर में मुख्यमंत्री कार्यालय सूत्रों ने शनिवार को कहा, फिलहाल गहलोत का दिल्ली जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। कम से एक दो दिन वह कहीं नहीं जा रहे। उन्होंने वेणुगोपाल की गहलोत से संभावित मुलाकात के बारे में कहा कि कांग्रेस के संगठन महासचिव का आधिकारिक कार्यक्रम हमें अभी नहीं मिला है। माना जा रहा है अजय माकन व वेणुगोपाल की गहलोत से मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की राह साफ हो सकती है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि पंजाब के मसले के समाधान के बाद अब सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी का पूरा फोकस राजस्थान को लेकर है और पार्टी आलाकमान की ओर से माकन से कहा गया है कि कि राजस्थान के सियासी मसले का समाधान जुलाई में ही हो जाना चाहिए। मौजूदा हिसाब से राजस्थान की गहलोत सरकार में नौ और मंत्री बनाए जा सकते हैं। पिछले साल तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट व 18 अन्य विधायकों ने गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बागी रुख अपनाया था। तब पायलट, विश्वेंद्र सिंह व रमेश मीणा को मंत्री पद से हटा दिया गया था। जयपुर में राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मंत्रिमंडल विस्तार में पार्टी को पायलट ग्रुप के साथ साथ बसपा से कांग्रेस में आए छह विधायकों व पार्टी का समर्थन कर रहे निर्दलियों को भी ध्यान रखना होगा। ऐसा माना जा रहा है मंत्री पद से वंचित रहने वालों को संसदीय सचिव, विभिन्न निगम बोर्डों का अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वहीं राज्य में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के पद भी लंबे समय से रिक्त हैं। राजस्थान में जिला स्तर पर विभिन्न निगमों व बोर्ड में लगभग 30 हजार राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं जो किसी न किसी कारणों से लगातार टल रही हैं। जिला स्तर पर राजनीतिक नियुक्तियों के लिए इस साल 9-10 फरवरी तक नाम मांगे गए थे। तब कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने कहा था, हम लोगों की कोशिश रहेगी कि जिला स्तर पर जो बोर्ड व निगम हैं जहां लगभग 25 से 30 हजार राजनीतिक नियुक्तियां होनी हैं, इसकी कार्वाई हम फरवरी के पहले पखवाड़े में पूरा कर लें। लेकिन उसके बाद विधानसभा का बजट सत्र व विधानसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव के चलते मामला टल गया। फिर लॉकडाउन के कारण राजनीतिक गतिविधियां ठप रहीं। वहीं, इन्हीं दिनों में राज्य के स्वायत्त शासन विभाग ने राजनीतिक नियुक्तियों के तहत 155 नगर निकायों में 850 से अधिक पार्षद मनोनीत किए हैं। हालांकि यह महज शुरूआत मानी जा रही है और बहुत से महत्वपूर्ण बोर्ड निगमों पर नियुक्तियां होनी हैं। राजस्थान की मौजूदा अशोक गहलोत सरकार दिसंबर 2018 में सत्ता में आई थी और अपना लगभग आधा कार्यकाल पूरा कर चुकी है।

हिरासत में हुई मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रही भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में कांस्टेबल की मौत

जहानाबाद (बिहार)। न्यायिक हिरासत में एक व्यक्ति की मौत के विरोध में यहां उग्र भीड़ ने प्रदर्शन करते हुए भारी पथराव किया और हवा में गोलियां चलाईं जिसे रोकने के प्रयास में एक महिला कांस्टेबल पर एक वाहन चढ़ गया। इस घटना में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। सब डिविजनल पुलिस अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने बताया कि जिले के पारसबिगहा पुलिस थानांतर्गत हुई घटना के कारण व्यस्त जहानाबाद-अरवल राजमार्ग कई घंटों तक बंद रहा। उन्होंने कहा, शराब बेचने में शामिल गोविन्द मांझी नामक व्यक्ति को कुछ समय पहले गिरफ्तार किया गया था जिसकी मौत हो गई थी। इसको लेकर भीड़ आक्रोश में थी। उसे (मांझी) औरंगाबाद जिले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था और जेल में रखा गया था। बिहार में छह साल से शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी रूप से पूर्ण प्रतिबंध है। पांडेय ने कहा, मांझी की शुक्रवार को जेल में मौत हो गई। जैसे ही यह खबर यहां पहुंची, उसके गांव के निवासी, मारपीट के कारण हुई मौत का आरोप लगाते हुए राजमार्ग पर बैठ गए। पुलिस दल ने जब उन्हें हटाने की कोशिश की तब वे हिंसा पर उतर आए।

मुंबई फायर ब्रिगेड द्वारा अग्निरक्षक नामक एक अद्वितीय व्यावहारिक अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण पहल के तहत फायर ब्रिगेड अधिकारी लोगों को प्रशिक्षित करते हुए

भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी मरम्मत खुद करने वाला पदार्थ विकसित किया

भाषा। नई दिल्ली

वैज्ञानिकों ने पीजोइलेक्ट्रिक आणविक क्रिस्टल विकसित किया है, जो किसी बाहरी सहायता के बगैर अपनी यांत्रिक टूट-फूट की खुद से मरम्मत कर सकता है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग(डीएसटी) ने यह जानकारी दी। पीजोलेक्ट्रिक क्रिस्टल ऐसे पदार्थ हैं, जो किसी यांत्रिक प्रभाव में आने पर विद्युत उत्पन्न करते हैं। ऐसे उपकरण जिनका प्रतिदिन उपयोग किया जाता है, वे अक्सर यांत्रिक रूप से गड़बड़ हो जाते हैं। इससे उपकरण का सेवा काल घट जाता है और उसके रखरखाव का खर्च बढ़ जाता है। अंतरिक्षयान जैसे मामलों में, टूट-फूट को ठीक करने के लिए मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं होता है। डीएसटी ने एक बयान में कहा, इस तरह की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, कोलकाता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर के सहयोग से पीजोइलेक्ट्रिक आणविक क्रिस्टल विकसित किया है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने सिविल न्यायाधीशों के वरिष्ठता निर्धारण के संबंध में निर्देश दिए

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय का कहना है कि संशोधित वरिष्ठता सूची तमिलनाडु पीएससी या रोस्टर पदों द्वारा दिखाए गए क्रम के बावजूद मान्य रहेगी जोकि सिविल न्यायाधीश (कनिष्ठ डिवीजन) के पद पर भर्ती उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के अनुसार तैयार की गई है। मुख्य न्यायाधीश संजीब बनर्जी और न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार राममूर्ति की पीठ ने कहा कि यदि दो या अधिक उम्मीदवार समान अंक प्राप्त करते हैं तो इस सूरत में सबसे अधिक उम्र वाले उम्मीदवार को वरिष्ठता सूची में उच्चतम पद दिया जाएगा। अपने हालिया आदेश में पीठ ने यह साफ किया कि जहां तक 2020 भर्ती प्रक्रिया का सवाल है तो क्योंकि अभी तक नियुक्तियां नहीं की गईं है, ऐसे में इस आदेश और भर्ती परीक्षा में नियुक्त व्यक्तियों द्वारा प्राप्त अंकों के अवरोही क्रम के आधार पर वरिष्ठता सूची तैयार की जाए।

असम के बाघजन में ओआईएल के विरोध में प्रदर्शन

गुवाहाटी। असम के तिनसुकिया जिले के बाघजन तेल कुएं में पिछले साल लगी आग के स्थल से शनिवार को सामग्री हटाने गए आयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के कर्मचारियों को कथित तौर पर रोकने वाले प्रदर्शनकारियों को तितर बितर करने के लिए सुरक्षाबल कर्मियों ने बल प्रयोग किया जिसमें पुलिस कर्मियों समेत कई लोग घायल हो गए। ओआईएल अपने बाघजन स्थित तेल के कुएं से सामग्री हटाने का प्रयास कर रहा है लेकिन कुछ स्थानीय लोगों का एक वर्ग कथित तौर पर इसका विरोध कर रहा है। लोगों का कहना है कि मुआवजे की पूरी रकम मिलने के बाद ही वे स्थल से सामग्री हटाने की अनुमति देंगे।

केन्द्र ने आईसीएफ का निजीकरण नही करने का आश्वासन दिया : वाइको

चेन्नई। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मारुमालार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के प्रमुख वाइको को आश्वासन दिया कि सरकार द्वारा संचालित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) का निजीकरण नहीं किया जाएगा। एमडीएमके ने एक विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक वाइको ने दिल्ली में वैष्णव से मुलाकात कर उन्हें आईसीएफ के संभावित निजीकरण को लेकर कर्मचारियों की चिंताओं के बारे में अवगत कराया और केन्द्रीय रेल मंत्री से उत्पादन इकाई का निजीकरण नहीं करने का आग्रह किया। वाइको ने कहा कि आईसीएफ का निजीकरण होने से हजारों लोगों की नौकरी जा सकती है।

पटियाला के धरेरी जट्टन टोल प्लाजा पर बीकेयू की महिला विंग की सदस्यों ने तीज उत्सव मनाया

गुजरात : सड़क दुर्घटना में दंपति और उनके दो साल के बेटे की मौत

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में दंपति और उनके दो साल के बेटे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना राजुला कस्बे के बाहरी इलाके में उस समय हुई जब पति-पत्नी अपने दो साल के बेटे के साथ छोटरा गांव जा रहे थे। राजुला पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, जागुभाई वाघेला (28), जयश्री (26) और अल्पेश की मौके पर ही उस समय मौत हो गई जब सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जिसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार का टीके की दोनों खुराक लेने वाले लोगों को छूट देने का विचार : पवार

भाषा। पुणे

महाराष्ट्र सरकार पूरी तरह टीका लगवा चुके लोगों को कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाई पाबंदियों से छूट देने पर विचार कर रही है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि सरकार दुकानों और रेस्त्रां को शाम चार बजे तक बंद करने का समय बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि सप्ताहांत पर छूट देने का फैसला अगले हफ्ते लिया जा सकता है। उन्होंने कहा, राज्य उन लोगों को छूट देने पर विचार कर रहा है जिन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की दोनों खुराक ले ली है। इससे नागरिक टीका लगवाने के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि दुकानों और रेस्त्रां को बंद करने का समय शाम चार बजे से बढ़ाकर सात बजे किए जाने की मांग की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हम दुकानों तथा रेस्त्रां का समय बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं लेकिन अंतिम फैसला मुख्यमंत्री लेंगे। हम सोमवार को विशेषज्ञों से मुलाकात कर रहे हैं जिसके बाद सप्ताहांत पर छूट देने पर फैसला लिया जाएगा। पवार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पिछले महीने के मुकाबले और अधिक लोगों को टीका लगाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कोरोना वायरस महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए चिकित्सा बुनियादी ढांचा बनाने जैसे कई कदम उठा रही है। पवार ने कहा, तीसरी लहर की संभावना के बारे में कई खबरें हैं। पहली और दूसरी लहर मे अस्पतालों में मरीजों के अधिक संख्या में भर्ती होने, ऑक्सीजन वाले बिस्तर, वेंटीलेटर और मेडिकल ऑक्सीजन की मांग की रिपोर्टों के आधार पर हम पुणे जिले में महामारी की संभावित तीसरी लहर से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, महाराष्ट्र में शुक्रवार को कोविड-19 के 6,753 नए मामले आए और 167 लोगों ने जान गंवाई। इसी के साथ राज्य में संक्रमण के मामले बढ़कर 62,51,810 हो गए हैं और मृतकों की संख्या ।,31,205 पर पहुंच गई है।

मप्र के पन्ना जिले में बिजली गिरने से पांच लोगों की मौत, 18 घायल

भाषा। पन्ना (मप्र)

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में बिजली गिरने की अलग-अलग घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए। जिले के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को पन्ना जिले के उरेहा, पिपरिया दौन, चौमुखा और सिमरा खुर्द गांवों में बिजली गिरने की घटनाएं हुईं।

सिमरा खुर्द, पिपरिया दौन और चौमुखा गांवों में एक-एक व्यक्ति की मौत होने की खबर है जबकि उरेहा गांव में बिजली गिरने से दो महिलाओं की मौत हो गई। उप मंडल अधिकारी (एसडीओ) रचना शर्मा ने बताया कि सिमरा खुर्द गांव में मवेशियों को चराने जंगल गए 70 वर्षीय वृद्ध बिजली की चपेट में आ गए जबकि पिपरिया दौन में एक अन्य व्यक्ति तथा चौमुखा गांव में 65 वर्षीय व्यक्ति की बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। तीनों गांवों में इन्हीं घटनाओं में सात लोग घायल हो गए। इसके अलावा उरेहा गांव के एक खेत में काम करने के दौरान 20 साल की दो महिलाएं बिजली की चपेट में आ गईं,जिससे उनकी मौत हो गई। जिलाधिकारी संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना में घायल हुए 11 लोगों का उपचार पन्ना के जिला अस्पताल में चल रहा है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mrs. Anju Khurana (50% undivided share) and Mrs. Anjana Gulati (50% undivided share) are the owners of Property No. V-686, 125 Sq.Yds., Khasra No.369, Village Saleem Pur Mazra Madipur, Rishi Nagar, Shakur Basti, Delhi "**Said Property**" by virtue of Sale Deed dated 15.06.2018, Registration No. 8636, All persons are hereby informed that above mentioned owners want to Sell the **Second Floor without roof rights of the Said property** to someone who wants to purchase the same by taking Home loan from our client Fullerton India Home Finance Ltd. If anybody has any objection/s upon the said property, and its ownership / its Title / Mortgage, Sale, Etc. the kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

PUBLIC NOTICE

Whereas, Chintels India Limited is in the process of undertaking of development of a Group Housing Colony in Sector 109, Gurugram, over an area measuring 10.41875 acres in the revenue estate of village Babupur in accordance with the provision of Licence No.250 of 2007 dated 02-11-2007 granted by the Director General, Town & Country Planning, Haryana, Chandigarh.

And whereas, several individuals have made bookings/entered into purchase agreement for allotment of plot/property in the said colony (hereinafter referred to as allottees).

And whereas the assignment of Joint Development Rights/Marketing Rights for the said colony is now proposed to M/s Almond Infrabuild Pvt. Ltd.

And whereas the o/o Director General, Town & Country Planning, Haryana, Chandigarh has required seeking of any objections against the assignment of Joint Development Rights/Marketing Rights in the licence as a pre -condition for allowing such a proposal.

Accordingly, vide this public notice, objections are hereby invited from any of the allottees in the said colony on the proposed assignment of Joint Development Rights/Marketing Rights in the licence.

Any allottee having any objection may file his objection in the o/o Senior Town Planner, Sector 14, Gurugram, Haryana or in our corporate office within 30 days of the publication of this notice, failing which it shall be assumed that there are no objections to the proposed assignment of Joint Development Rights/Marketing Rights in the licence.

Place: Gurugram — For **Chintel India Limited**
Dated: 25.07.2021 — Authorised Signatory

जस्टराइड एंटरप्राइजेज लिमिटेड

सीआईएन : एल74899डीएल1967पीएलसी004704
पंजी. कार्यालय : फ्लैट नंबर 133, सी4ई, पाकेट नंबर 11, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058
ई-मेल आईडी : justridelimited@gmail.com
वेबसाइट : www.justrideenterprises.in सम्पर्क : 8800300490

वार्षिक सामान्य बैठक की सूचना तथा रिमोट ई-वोटिंग की जानकारी

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जस्टराइड एंटरप्राइजेज लिमिटेड ("कम्पनी") के सदस्यों की 54वीं वार्षिक सामान्य बैठक ('एजीएम') एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध व्यवसायों के निष्पादन हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के लागू प्रावधानों और तदधीन विरचित नियमों तथा सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 (सूचीयन विनियमावली) के साथ पठित कार्पोरेट मंत्रालय द्वारा जारी जनरल सर्कुलर नंबर 14/2020 (दिनांकित 08 अप्रैल, 2020), 17/2020 (दिनांकित 13 अप्रैल, 2020), 20/2020 (दिनांकित 05 मई, 2020), तथा 22/2020 (दिनांकित 15 जून, 2020) ('एमसीए सर्कुलर') और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा जारी सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांकित 12 मई, 2020 ('सेबी सर्कुलर') के अनुपालन में सोमवार, 16 अगस्त, 2021 को पूर्वा. 10.00 बजे किसी उभय स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना वीडियो कॉन्फ्रेन्स ('वीसी')/अन्य ऑडियो-विजुअल साधनों (ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

उक्त एमसीए सर्कुलर्स के साथ पठित सेबी सर्कुलर दिनांकित 12 मई, 2020 के अनुपालन में एजीएम की सूचना तथा 31 मार्च, 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक रिपोर्ट की इलेक्ट्रॉनिक प्रतियां उन सभी सदस्यों को 24 जुलाई, 2021 को उन सभी सदस्यों को भेजी जा चुकी हैं, जिनकी ई-मेल आईडी कम्पनी/डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के पास पंजीबद्ध है। कृपया नोट करें कि सदस्यों को 54वीं एजीएम की सूचना और वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति भेजने की आवश्यकता एमसीए सर्कुलर/सर्कुलर्स तथा सेबी सर्कुलर द्वारा समाप्त कर दी गई है। सूचना तथा वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.justrideenterprises.in सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड ("सीडीएसएल") की वेबसाइट www.evotingindia.com तथा स्टॉक एक्सचेंजेज नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट्स www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होंगी, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं।

सदस्यगण, जो भौतिक/इलेक्ट्रॉनिक रूप में शेयरों के धारक हैं तथा अपना ई-मेल पता कम्पनी/अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के पास पंजीबद्ध नहीं करवाया है, उनसे अनुरोध है कि वे अपना ई-मेल पता सदस्य(यों) द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित पत्र की स्कैन प्रति, पत्र में अपने नाम, पूरा पता, फोलियो नंबर, धारित कम्पनी के शेयरों की संख्या का उल्लेख करते हुए, पैन कार्ड की स्व-सत्यापित स्कैन प्रति तथा सदस्य के कम्पनी में पंजीबद्ध पता प्रमाण के तौर पर निम्नलिखित किसी एक दस्तावेज यथा आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, निर्वाचन कार्ड, पासपोर्ट, उपयोगिता बिल या किसी अन्य सरकारी दस्तावेज की स्व-सत्यापित स्कैन प्रति के साथ यथाशीघ्र justridelimited@gmail.com को प्रेषित करें ताकि वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 तथा एजीएम की सूचना ई-मेल द्वारा प्राप्त कर सकें। डीमैट रूप में शेयरों के धारक सदस्य अपना ई-मेल पता अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट्स के पास अद्यतन करवा सकते हैं।

शेयरधारकों द्वारा रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अथवा एजीएम के समय पर ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट डालने और वीडियो कॉन्फ्रेन्स (वीसी)/अन्य ऑडियो-विजुअल साधनों (ओएवीएम) के माध्यम से एजीएम में भाग लेने की विधि के संबंध में अनुदेश एजीएम की सूचना में दिए गए हैं।

विच्छेदन तिथि अर्थात सोमवार, 09 अगस्त, 2021 को भौतिक या अभौतिक रूप में शेयरों के धारक सदस्य एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध साधारण व्यवसायों पर अपना वोट सीडीएसएल के इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम्स के जरिये इलेक्ट्रॉनिक विधि से डाल सकते हैं। सभी सदस्यों को सूचना दी जाती है कि:

1. एजीएम की सूचना में सूचीबद्ध साधारण व्यवसायों का निष्पादन इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा वोटिंग से किया जाएगा ;
2. रिमोट ई-वोटिंग शुक्रवार, 13 अगस्त, 2021 को पूर्वा. 09.00 बजे (आईएसटी) आरंभ होगी;
3. रिमोट ई-वोटिंग रविवार, 15 अगस्त, 2021 को अप. 05.00 बजे (आईएसटी) आरंभ होगी;
4. इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा वोटिंग अथवा एजीएम में वोटिंग हेतु ग्राह्यता हेतु विच्छेदन तिथि सोमवार, 09 अगस्त, 2021 है तथा कोई व्यक्ति जो विच्छेदन तिथि को सदस्य नहीं है, उसको यह सूचना केवल जानकारी के निमित्त समझनी चाहिए;
5. कोई व्यक्ति, जो एजीएम सूचना प्रेषण के बाद कम्पनी के शेयर अर्जित करता है और कम्पनी का सदस्य बनता है तथा शेयरधारक है और वोट करने हेतु ग्राह्य है, वह लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड बनाने के लिए एजीएम की सूचना में दी गई प्रक्रिया अपना सकता है। यदि ऐसा व्यक्ति ई-वोटिंग के लिए सीडीएसएल के साथ पहले से पंजीकृत है तो मौजूदा यूजर आईडी तथा पासवर्ड का इस्तेमाल वोट डालने के लिए कर सकता है;
6. सदस्यगण नोट करें कि: क) वोटिंग के लिए उपरोक्त तिथि एवं समय के पश्चात सीडीएसएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल मतदान हेतु निष्क्रिय कर दिया जाएगा और सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर एक बार वोट डाल दिए जाने के बाद उसमें परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी; ख) एजीएम से पहले रिमोट ई-वोटिंग द्वारा वोट डाल चुके सदस्य भी एजीएम में भाग ले सकते हैं परंतु उनको पुनः वोट डालने का अधिकार नहीं होगा; ग) एजीएम में इलेक्ट्रॉनिक विधि से वोट डालने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी; तथा घ) कोई व्यक्ति, जिसका नाम विच्छेदन तिथि को डिपॉजिटरीज द्वारा अनुरक्षित लाभार्थी स्वामियों की पंजिका अथवा सदस्यों की पंजिका में दर्ज मौजूद होगा, केवल वह व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग के साथ एजीएम में वोटिंग सुविधा का लाभ प्राप्त करने का हकदार होगा।

रिमोट ई-वोटिंग तथा एजीएम में ई-वोटिंग प्रक्रिया के संबंध में किसी संदेह या शिकायत की स्थिति में, आप www.evotingindia.com पर सीडीएसएल के डाउनलोड सेक्शन के तहत उपलब्ध शेयरधारकों हेतु बहुधा पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू'ज) तथा ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देखें अथवा टोलफ्री नंबर 022-23058738 और 22-23058542-43 पर कॉल करें अथवा helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेजें अथवा श्री राकेश दाल्मी, सीनियर मैनेजर (सीडीएसएल) सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड, ए विंग, 25वां तल, मैराथन फ्यूचरेक्स, मफतलाल मिल कम्पाउंड्स, एन एम जोशी मार्ग, लोअर परेल (ईस्ट), मुंबई-400013 से सम्पर्क करें अथवा helpdesk.evoting@cdslindia.com पर ई-मेल करें अथवा 022-23058542/43 पर कॉल करें, जो इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा वोटिंग के संबंध में शिकायतों का निवारण करेंगे।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
वास्ते जस्टराइड एंटरप्राइजेज लिमिटेड
हस्ता./-
सूर्य कुमार
तिथि : 25-07-2021
स्थान : नई दिल्ली
(डीआईएन : 07966100)

बेंगलुरु में रेलवे स्टेशन पर एक स्वास्थ्य कर्मी कोविड-19 परीक्षण के लिए यात्रियों के नमूने एकत्र करते हुए

भारत-बांग्लादेश सीमा के नजदीक गांव की महिलाओं को मिली स्व-सहायता समूह बनाने की प्रेरणा

सिलचर। असम के कछार जिले में बांग्लादेश की सीमा से सटे एक सुदूर गांव की महिलाओं को अपना पहला स्व-सहायता समूह (एसएचजी) बनाने की उस समय प्रेरणा मिली जब उनके जिले की उपायुक्त ने गांव का दौरा किया। इस समूह के जरिए अब यह महिलाएं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से भी जुड़ सकती हैं। एक आधिकारिक वक्तव्य में शनिवार को यह जानकारी दी गई। कछार उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने 11 जून को कोविड-19 जांच और टीकाकरण संबंधी जागरुकता अभियान के लिए कटिगोरा विकास खंड के हरिनगर गांव पंचायत के अंतर्गत आने वाले बांग्लादेश की सीमा से सटे अल्पसंख्यक बहुल तुकरग्राम राजस्व गांव (पुरान बस्ती) का दौरा किया था। गांव के दौरे के समय जल्ली ने देखा कि क्षेत्र की महिलाएं विकास कार्य करने की इच्छा रखती हैं।

INDO COTSPIN LIMITED

REGD. OFFICE : 78 K.M. MILE STONE, G.T. ROAD, NH-1, VILLAGE JATTIPUR, POST BOX NO. 3, POST OFFICE SAMALKHA, PANIPAT -132103
CIN:- LI111HR1995PLC032541 Website:www.indocotspin.com
Email ID:rajpalaggarwal12000@yahoo.com
Statement of Standalone Un-audited Financial Results for the Quarter Ended June 30, 2021

(Amount Rs. in Lacs)

PARTICULARS	3 MONTHS ENDED 30/06/2021	YEAR TO DATE FIGURES FOR CURRENT PERIOD ENDED 31/03/2021	CORRESSPONDING 3 MONTHS ENDED IN THE PREVIOUS YEAR 30/06/2020
	Un-audited	Audited	Un-audited
Total Income from operations (net)	150.54	816.08	123.84
Net Profit/(Loss) from Ordinary activities after Tax	0.18	4.77	0.37
Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Extraordinary Items)	0.18	4.77	0.37
Paid Up Equity Share Capital	420.05	420.05	420.05
Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of Previous Year)	0.18	219.15	0.37
Earnings Per Share (before Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each):Basic and Diluted (in Rupees)	0.00	0.07	0.00
Earnings Per Share (after Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each):Basic and Diluted (in Rupees)	0.00	0.07	0.00

NOTE:
i) There is no qualification on the un-audit report for the quarter ended 30/06/2021
ii) The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The Full format of the Quarterly Financial Results is available on the Stock Exchange websites: **www.bseindia.com, tele. +91-9896034879**

For Indo Cotspin Limited
Sd/-
Bal Krishan Aggarwal
Managing Director
DIN :00456219

Place: Panipat
Date: 24/07/2021

'जिम्मेदारी से कर अदा करने वाले को सम्मान मिलना चाहिए'

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि ईमानदार करदाताओं को जिम्मेदारी से अपने कर का भुगतान करने के लिए सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सुधारों के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आयकर विभाग की सराहना की। वित्त मंत्री ने 161वें आयकर दिवस पर आयकर विभाग को दिए अपने संदेश में विभिन्न प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए काम करने को लेकर विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाओं के सरलीकरण से विभाग का कामकाज अड़चन मुक्त, पक्षपात रहित और पारदर्शी हुआ है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वित्त मंत्री ने कहा कि ईमानदार करदाताओं का राष्ट्र की प्रगति में उनके योगदान के लिए सम्मान किया जाना चाहिए। सीतारमण ने महामारी के कारण पैदा हुई मुश्किलों के बावजूद अनुपालन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भी करदाताओं की सराहना की। वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि विभाग की ज्यादातर प्रक्रियाएं और अनुपालन की जरूरतें अब ऑनलाइन माध्यम पर स्थानांतरित हो गई हैं तथा करदाताओं के लिए कर कार्यालय आने की जरूरत लगभग समाप्त हो गई है या काफी सीमित रह गई है। राजस्व सचिव तरुण बजाज ने भी खुद को अर्थव्यवस्था में आए बदलावों के अनुरूप ढालने के लिए आयकर विभाग की सराहना की। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन जे बी महापात्रा ने राजस्व कमाने वाली इकाई तथा करदाता सेवाप्रदाता की दोहरी भूमिका निभाने के लिए कर अधिकारियों की सराहना की।

देश में ऊंचे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का सिलसिला जारी रहेगा: गोयल

भाषा। नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को विश्वास जताते हुए कहा कि भारत चालू वित्त वर्ष में भी उच्च प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को आकर्षित करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के प्रभाव और वैश्विक स्तर पर निवेश प्रवाह कम रहने के बावजूद वर्ष 2020 में भारत को अब तक का सबसे ज्यादा एफडीआई मिला। वित्त वर्ष 2020-21 में देश में एफडीआई का प्रवाह 19 प्रतिशत बढ़कर 59.63 अरब डॉलर हो गया। साथ ही इक्विटी, पुन: निवेश वाली आय और पूंजी को मिलाकर कुल एफडीआई बीते वित्त वर्ष के दौरान 10 प्रतिशत बढ़कर 81.72 अरब डॉलर हो गया। 2019-20 में यह आंकड़ा 74.39 अरब डॉलर रहा था।

गोयल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)-होरासिस इंडिया द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, हमें पूरा विश्वास है कि इस वर्ष भी हम अपने विदेशी निवेश में लगातार सात वर्षों की ऐतिहासिक ऊंचाईयों के इस क्रम को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह भारत का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है और चालू वित्त वर्ष के अंत तक यह 400 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। उन्होंने बताया कि एक से 21 जुलाई के दौरान निर्यात 22 अरब डॉलर रहा है, जो इस माह के अंत तक 32-33 अरब डॉलर को पार कर जाएगा।

इक्विटी, ऋण के जरिए 30,000 करोड़ रुपए जुटाएगा इंडसइंड बैंक

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक ने शनिवार को कहा कि वह अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए इक्विटी और कर्ज के जरिए 30,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कहा कि उसके बोर्ड ने ऋण प्रतिभूतियों या इक्विटी इक्विटी माध्यमों या परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों से पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स (एडीआर) या ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स (जीडीआर) के जरिए वित्त जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह कोष निजी नियोजन के आधार पर जुटाया जाएगा। बैंक का शेयरधारकों की मंजूरी और नियामकीय मंजूरी के बाद 30,000 करोड़ रुपए या इसके बराबर राशि विदेशी मुद्राओं में जुटाने का प्रस्ताव है। हालांकि बैंक ने कर्ज और इक्विटी पूंजी जुटाने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। प्रस्ताव पर 26 अगस्त को बैंक की वार्षिक आम सभा में विचार किया जाएगा।

क्विक न्यूज

टीवीएस मोटर ने कोच्चि में अपना इलेक्ट्रिक स्कूटर उतारा

कोच्ची। दोपहिया वाहन विनिर्माता टीवीएस मोटर ने शनिवार को कोच्चि में अपना बिजलीचालित टीवीएस आईक्यूब स्कूटर बाजार में उतार दिया। केरल के परिवहन मंत्री एंटनी राजू और टीवीएस मोटर कंपनी के संयुक्त प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने संयुक्त रूप से इस स्कूटर को पेश किया। कंपनी ने एक बयान में कहा, टीवीएस आईक्यूब एक बिजली से चलने वाला और पर्यावरण अनुकूल स्कूटर है जो उन्नत इलेक्ट्रिक ड्राइवट्रेन और अगली पीढ़ी के टीवीएस स्मार्टएक्सोनेक्ट प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है। वेणु ने कहा कि टीवीएस मोटर एक डिजिटल पीढ़ी की कंपनी के रूप में बदल रही है और विश्वस्तरीय पर्यावरण अनुकूल ओर कनेक्टेड उत्पाद पेश कर रही है। वही कंपनी ने बताया कि आईक्यूब स्कूटर 4.4 किलोवॉट की मोटर से लैस है। साथ ही स्कूटर की अधिकतम गति 78 किलोमीटर प्रति घंटा है और पूरी तरह चार्ज होने के बाद यह 75 किलोमीटर तक चल सकता है।

भारतीय फार्मा उद्योग 2030 तक 130 अरब डॉलर का होगा : रेड्डी

हैदराबाद। डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज के चेयरमैन के. सतीश रेड्डी ने शनिवार को कहा कि भारतीय फार्मा उद्योग तीन गुना होकर वर्ष 2030 तक 130 अरब डॉलर का हो जाएगा। उन्होंने अनुमान लगाते हुए कहा, वर्तमान में हम देखे तो भारतीय दवा उद्योग 42 अरब डॉलर का है। इसमें आधी घरेलू बिक्री और आधा हिस्सा निर्यात का है। हमें उम्मीद है कि मौजूदा दशक में उद्योग तीन गुना होकर वर्ष 2030 तक 120 से 130 अरब डॉलर का हो जाएगा। एनआईपीईआर-हैदराबाद के गवर्नर बोर्ड के चेयरमैन रेड्डी ने संस्थान के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की आत्मनिर्भर भारत नीति, उद्योग को प्रोत्साहन और नवाचार पर जोर देने समेत कई सारे सुधार उद्योग के लिए शुभ संकेत है। रेड्डी ने कहा कि भारतीय दवा उद्योग ने कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के दौरान जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम किया।

रुनाया ने ओडिशा में एकीकृत एल्युमिनियम ड्रॉस प्रस्संकरण इकाई स्थापित की

झारसुगुडा। देश के सबसे तेजी से बढ़ते विनिर्माण स्टार्ट-अप में से एक, रुनाया ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक एल्युमीनियम धातुमल (ड्रॉस) प्रसंस्करण और शोधन इकाई की स्थापना की है। कंपनी के एक अधिकारी ने दावा किया कि झारसुगुडा की इकाई भारत की पहली एकीकृत एल्युमीनियम धातुमल प्रसंस्करण इकाई है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को, 64.43 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित इस इकाई का उद्घाटन किया। यह स्टील स्लैग कंडीशनरों के निर्माण के लिए अपशिष्ट और प्रसंस्करण अवशिष्ट से एल्युमीनियम निकालने के लिए एक पूर्ण हरित और स्थिर समाधान प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने परियोजना का उद्घाटन करने के बाद कहा, ओडिशा तेजी से पूर्वी भारत के विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है और इसने राज्य में उद्योगों के विकास को सक्षम बनाया है।

असम के छोटे चाय उत्पादकों की अपनी फसल के लिए एमएसपी की मांग

गुवाहाटी। असम के छोटे चाय उत्पादकों ने राज्य सरकार से उनकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) तय करने की मांग की है। एक बयान में कहा गया है कि छोटे उत्पादकों को अपने उत्पादन पर काफी कम कीमत मिलती है और यह मुद्दा काफी समय से लंबित है। छोटे चाय उत्पादक अपनी फसल बॉट लीफ फैक्टरीज (बीएलएफ) को बेचते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री चंद्र मोहन पटवारी के साथ बृहस्पतिवार को बैठक में छोटे चाय उत्पादकों के संघों के प्रतिनिधियों ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य सरकार से उनकी चाय पत्तियों के लिए उचित मूल्य या न्यूनतम दर तय करने का आग्रह किया है। मंत्री ने चाय उत्पादकों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या का जल्द हल किया जाएगा।

पेटीएम के सीईओ ने कहा, 5-10 साल में 5,000 अरब डॉलर की होगी भारतीय अर्थव्यवस्था

मुंबई। पेटीएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने शनिवार को कहा कि देश विकास के रोमांचक चरण में है और भारतीय अर्थव्यवस्था अगले पांच से दस साल में 5,000 अरब डॉलर की हो जाएगी। उन्होंने कहा, अगर देश की अर्थव्यवस्था अभी 2,500 अरब डॉलर की है, तो अगले पांच से दस साल में हम और 2,500 अरब डॉलर की वृद्धि देखेंगे। हमें 2,500 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 70 वर्ष लगे। लेकिन अब केवल दस वर्ष में इतिहास फिर से दोहराया जाएगा और अर्थव्यवस्था दोगुना हो जाएगी। आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित दो दिन के वर्चुअल युवा सम्मेलन में शर्मा ने कहा, हमारे लिए भारत में होना भाग्यशाली होने के साथ-साथ अद्भुत और प्रेरक क्षण भी है।

प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक की पूरी श्रृंखला विकसित कर रही है आयशर मोटर्स

नई दिल्ली। विभिन्न बाजारों में ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने के लिए आयशर मोटर्स बिजलीचालित मोटरसाइकिल (ई-बाइक) की एक पूरी श्रृंखला विकसित कर रही है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। रॉयल एनफील्ड भी आयशर मोटर का हिस्सा है जो क्लासिक, बुलेट, हिमालयन, इंटरसेप्टर आईएनटी 650, कॉन्टिनेंटल जीटी 650 और मीटियोर 350 मोटरसाइकिलों की बिक्री करती है। आयशर मोटर्स के प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ लाल ने कंपनी की 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा, ईवी श्रेणी सकारात्मक नीतिगत सुधार के साथ गति पकड़ रही है। भविष्य को देखते हुए हम ईवी उत्पादों को विकसित करने के लिए रणनीतिक रूप से काम कर रहे है। हम हालांकि इंटरनल कम्बशन इंजन की पेशकश पर काम जारी रखेंगे। उन्होंने शेयरधारकों से कहा कि कंपनी के पास एक मजबूत ब्रांड और एक व्यापक आपूर्ति तंत्र के साथ उत्पाद विकास और निर्माण की क्षमताएं है। उन्होंने कहा कि कंपनी वैश्विक बाजारों के लिए प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहनों और सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला विकसित करने को लेकर उपभोक्ताओं की गहरी समझ की मदद ले रही है।

दूरसंचार कंपनियों पर बकाया एजीआर भविष्य में किसी मुकदमे का विषय नहीं हो सकता : उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित दूरसंचार कंपनियों पर बकाया समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) भविष्य में किसी भी मुकदमे का विषय नही हो सकता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एजीआर की गणना में कथित त्रुटियों को दूर करने की मांग से जुड़ी दूरसंचार कंपनियों की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एजीआर से संबंधित विवाद काफी लंबे समय से अदालतों में लंबित रहा है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया राशि को लेकर आगे किसी भी मुकदमे में विचार नही किया जाएगा। फैसले में कहा गया कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर बकाया एजीआर राशि में बदलाव करने से जुड़ी किसी भी याचिका को मंजूरी देने से जुड़े उच्चतम न्यायालय के एक सितंबर, 2020 के पिछले फैसले पर पुनर्विचार को लेकर संदेह की कोई गुंजाइश नही है।

ओडिशा का सीफूड निर्यात 3,000 करोड़ रुपए के पार

भाषा। भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने खारे पानी की जलीय कृषि की उपलब्ध क्षमता का दोहन करने के लिए एक गतिशील और सुविधाजनक नीति तैयार करने का फैसला किया है। इस क्षेत्र ने पिछले 10 वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। शुक्रवार को मुख्य सचिव एस सी महापात्र की अध्यक्षता में डिजिटल तरीके से हुई बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास सचिव आर रघु प्रसाद ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। खारे पानी की मछली का उत्पादन वर्ष 2011-12 के 11,460 टन से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 97,125 टन हो गया है, जो रिकॉर्ड वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान खारे पानी की जलीय कृषि का क्षेत्र भी 5,860 हेक्टेयर से बढ़कर 17,780 हेक्टेयर हो गया। कोविड-19 के कारण आर्थिक मंदी के बावजूद ओडिशा से समुद्री खाद्य निर्यात मूल्य भी वर्ष 2011-12 के 801 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 3,107 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2011-12 में निर्यात की मात्रा लगभग 21,311 टन थी जो वर्ष 2020-21 में बढ़कर 60,718 टन हो गई। प्रसाद ने कहा, ओडिशा समुद्री भोजन ने विशेष रूप से जापान, चीन, अमेरिका, यूरोपीय संघ, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य-पूर्व के देशों में वैश्विक बाजार पर कब्जा जमाया है। राज्य में सरकारी और निजी भूमि दोनों में ही खारे जलीय कृषि की अधिक संभावना है। क्षेत्र की क्षमता को ध्यान में रखते हुए, मुख्य सचिव ने राजस्व और आपदा प्रबंधन, मत्स्य पालन और पशु संसाधन विकास, वन और पर्यावरण विभाग और ओडिशा औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकास निगम के विभागों को राज्य में खारे पानी की जलीय कृषि की उपलब्ध क्षमता के दोहन के लिए एक गतिशील और सुविधाजनक नीति तैयार करने का निर्देश दिया।

भारत में आयात शुल्क सबसे ऊंचा, ईवी पर अस्थाई राहत दे सरकार: मस्क

नई दिल्ली। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी टेस्ला भारत में विनिर्माण संयंत्र लगा सकती है। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने कहा है कि यदि कंपनी भारत में आयातित वाहनों के साथ सफल रहती है, तो बाद में विनिर्माण संयंत्र लगाने पर विचार कर सकती है। मस्क ने कहा कि फिलहाल भारत में आयात शुल्क दुनिया में सबसे ऊंचा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इलेक्ट्रिक वाहनों पर कम से कम अस्थाई रूप से शुल्क राहत मिलेगी। मस्क ने ट्विटर पर अपने फालोअर्स के साथ चर्चा में यह बात कही। मस्क से पूछा गया था कि क्या भारत में टेस्ला की कारें उतारी जाएंगी, इस पर उन्होंने कहा, हम ऐसा करना चाहते हैं, लेकिन दुनिया के बड़े देशों में भारत में आयात शुल्क सबसे ऊंचा है। फिलहाल भारत 40,000 डॉलर से अधिक की कीमत की पूरी तरह आयातित कार पर सीआईएफ (लागत, बीमा और भाड़े) के साथ 100 प्रतिशत का आयात शुल्क लगाता है।

शिमला में बस स्टैंड पर अपनी मांगों को लेकर हिमाचल सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टरों ने राज्यव्यापी हड़ताल के दौरान की नारेबाजी

वर्ष 2047 तक अमेरिका, चीन के समकक्ष होगा भारत: अंबानी

भाषा। नई दिल्ली

देश के सबसे अमीर व्यक्ति उद्योगपति मुकेश अंबानी का मानना है कि भारत में तीन दशक के आर्थिक सुधारों का नागरिकों को मिला लाभ असमान रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के सबसे निचले स्तर पर संपत्ति के सृजन के लिए विकास का भारतीय मॉडल जरूरी है। हालांकि, इसके साथ अंबानी ने भरोसा जताया कि 2047 तक देश अमेरिका और चीन के बराबर पहुंच सकता है। देश में आर्थिक उदारीकरण के 30 साल के पूरे होने के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने एक लेख में कहा है कि साहसी आर्थिक सुधारों की वजह से 1991 में जो हमारा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 266 अरब डॉलर था, आज यह दस गुना बढ़ चुका है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी भारतीय कंपनी के प्रमुख अंबानी ने शायद ही कभी इस तरह के लेख लिखे हैं।

अंबानी ने द टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित अपने लेख में कहा है, भारत 1991 में कमी वाली अर्थव्यवस्था था, जो 2021 में आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था में तब्दील हो गया। अब भारत को खुद को 2051 तक टिकाऊ स्तर पर आधिक्य और सभी के लिए समान समृद्धि वाली अर्थव्यवस्था में बदलना है। अंबानी ने लिखा है कि भारत ने 1991 में अर्थव्यवस्था की दिशा और निर्धारण दोनों को बदलने की दूरदृष्टि और साहस दिखाया। उन्होंने कहा, सरकार ने निजी क्षेत्र को भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में प्रभावशाली ऊंचाई पर रखा। इससे पिछले चार दशकों में यह स्थान सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्र को हासिल था। इससे लाइसेंस-कोटा राज समाप्त हुआ, व्यापार और औद्योगिक नीतियां उदार हुईं तथा तथा पूंजी बाजार और वित्तीय क्षेत्र मुक्त हो सका। अंबानी ने कहा कि इन सुधारों से भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सका। इस दौरान आबादी हालांकि 88 करोड़ से 138 करोड़ हो गई, लेकिन गरीबी की दर आधी रह गई। अंबानी ने कहा, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा हमारी सोच से कहीं अधिक सुधरा है। अब हमारे एक्सप्रेसवे, हवाईअड्डे और बंदरगाह विश्वस्तरीय हैं। कुछ ऐसा ही हमारे उद्योगों और सेवाओं के साथ है। उन्होंने लिखा है, अब यह अकल्पनीय लगेगा कि लोगों को टेलीफोन या गैस कनेक्शनों के लिए इंतजार करना पड़ता था। या फिर कंपनियों को कंप्यूटर खरीदने के लिए सरकार की मंजूरी लेनी होती थी। उन्होंने कहा कि 2047 में हम अपनी आजादी के सौ साल का जश्न मनाएंगे। इससे बड़ा सपना और क्या होगा कि उस समय तक हम भारत को दुनिया के तीन सबसे अमीर देशों में से एक बनाने में सक्षम होंगे। हम अमेरिका और चीन के समकक्ष होंगे। अंबानी ने कहा कि आगे का रास्ता आसान नहीं है लेकिन हमें महामारी जैसी अचानक आने वाली अस्थाई समस्याओं से घबराना नहीं है। न ही गैर-महत्वपूर्ण मुद्दों की वजह से अपना ध्यान भटकाना है। हमारे पास अवसर है और साथ ही यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम अपने बच्चों और युवाओं के लिए अगले 30 साल आजाद भारत के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ वर्षों में बदलें। अंबानी ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भर और शेष दुनिया के साथ सहयोग करने वाला भारत जरूरी है।

जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार मार्जिन सीमित किए जाने के बाद करीब 620 उत्पादों के दाम घटे

भाषा। नई दिल्ली

सरकार द्वारा कोविड-19 के इलाज एवं रोकथाम में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले पल्स ऑक्सीमीटर और डिजिटल थर्मामीटर जैसे पांच जरूरी चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार लाभ या मार्जिन को 70 प्रतिशत पर सीमित करने के साथ अब तक करीब 620 ब्रांडों की कीमतों में कमी आई है। रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यह सीमा 20 जुलाई से लगाई गई है। गत 13 जुलाई को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश (डीपीसीओ), 2013 के पैरा 19 के तहत मिले असाधारण अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए पांच चिकित्सा उपकरणों - ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, बीपी मॉनिटर, नेबुलाइजर और डिजिटल थर्मामीटर के व्यापार मार्जिन पर सीमा लगा दी थी।

प्राइस टू डिस्ट्रिब्यूटर (पीटीडी) या वितरक को मिलने वाली कीमत के स्तर पर लाभ को 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "इसके अनुसार, 23 जुलाई, 2021 तक इन चिकित्सा उपकरणों के कुल 684 उत्पादोंब्रांडों की रिपोर्ट की गई है और 620 उत्पादोंब्रांडों (91 प्रतिशत) ने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी की जानकारी दी है। पल्स ऑक्सीमीटर के एक आयातित ब्रांड द्वारा अधिकतम कमी की जानकारी दी गई है। इसमें प्रति इकाई 2,95,375 रुपए की कमी देखी गई है। मंत्रालय ने कहा कि सभी श्रेणियों में आयातित और घरेलू ब्रांडों ने एमआरपी कम करने की जानकारी दी है। आयातकों ने कीमतों में सबसे ज्यादा कमी पल्स ऑक्सीमीटर, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग मशीन और नेबुलाइजर पर की है।

पेज 1 का शेष

टोक्यो ओलंपिक में चमकी...

स्नैच को चानू की कमजोरी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने पहले ही स्नैच प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाया। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने समय लेकर वजन उठाया। उन्होंने अगले प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया और फिर इसे बढ़ाकर 89 किग्रा कर दिया जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा से एक किग्रा ज्यादा था जो उन्होंने पिछले साल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बनाया था। हालांकि वह स्नैच में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर सकीं और स्नैच में उन्होंने 87 किग्रा का वजन उठाया और वह जिहुई से ही इसमें पीछे रहीं जिन्होंने 94 किग्रा से नया ओलंपिक रिकार्ड बनाया। चीन की भारोत्तोलक का इसमें विश्व रिकार्ड (96 किग्रा) भी है। क्लीन एवं जर्क में चानू के नाम विश्व रिकार्ड है, उन्होंने पहले दो प्रयासों में 110 किग्रा और 115 किग्रा का वजन उठाया। हालांकि वह अपने अंतिम प्रयास में 117 किग्रा का वजन उठाने में असफल रहीं लेकिन यह उन्हें पदक दिलाने और भारत का खाता खोलने के लिए काफी था। पदक जीतकर वह रो पड़ीं और खुशी में उन्होंने अपने कोच विजय शर्मा को गले लगाया। बाद में उन्होंने ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करने का जश्न पंजाबी भांगड़ा करके मनाया। इस उपलब्धि की उनकी खुशी मास्क से भी छुप नहीं रही थी जो पदक समारोह के दौरान और बढ़ गई। खेलों के लिए बनाए गए कोविड-19 प्रोटोकॉल में पदक विजेताओं को सामाजिक दूरी बनाए रखनी थी और वे ग्रुप फोटोग्राफ के लिए एक साथ नहीं हो सके। लेकिन तीनों पदकधारियों ने एक दूसरे को बधाई दी और फोटो भी खिंचवाई लेकिन एक अधिकारी ने उन्हें अलग होने के लिए कह दिया। इस भारतीय ने अंतरराष्ट्रीय एरीना में हर जगह खुद को साबित किया, बस इसमें ओलंपिक पदक की कमी थी जो अब पूरी हो गई। वह विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण, राष्ट्रमंडल खेलों में (2014 में रजत और 2018 में स्वर्ण) दो पदक और एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी हैं।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने...

मीराबाई चानू ने महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक जीता। भारत को तुम पर गर्व है मीरा। गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया , क्या गर्व का पल है।हर भारतीय मीराबाई चानू की ऐतिहासिक उपलब्धि से हर्षित है। पूर्व खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने लिखा, भारत ने मीराबाई चानू के 49 किग्रा महिला भारोत्तोलन वर्ग में रजत पदक से तोक्यो ओलंपिक 2020 में पहला पदक जीता और भारत को गौरवान्वित किया। बधाई हो मीराबाई चानू। चीयर4इंडिया। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया, आज फिर भारत की मातृशक्ति ने वैश्विक पटल पर मां भारती को गौरव विभूषित किया है। आज तोक्यो में मीराबाई चानू जी ने अद्भुत कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक जीत कर देश को गौरान्वित किया है। हार्दिक बधाई। जय हिंद!

गुडलक के लिए खास...

उन्होंने कहा, इन्हें देखकर मेरे आंसू निकल गए और जब उसने पदक जीता तब भी। उसके पिता (सेखोम कृति मेइतेई) की आंखों में भी आंसू थे। खुशी के आंसू। उसने अपनी कड़ी मेहनत से सफलता हासिल की। मीराबाई को तोक्यो में इतिहास रचते हुए देखने के लिए उनके घर में कई रिश्तेदार और मित्र भी मौजूद भी मौजूद थे। मीराबाई ने महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक के साथ ओलंपिक में भारोत्तोलन पदक के भारत के 21 साल के इंतजार को खत्म किया और तोक्यो खेलों में भारत के पदक का खाता भी खोला। मीराबाई ने तोक्यो के भारोत्तोलन एरेना में अपनी स्पर्धा शुरू होने से पहले वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया। मीराबाई की रिश्ते की बहन अरोशिनी ने कहा, वह (मीराबाई) बहुत कम घर आती है (ट्रेनिंग के कारण) और इसलिए एक दूसरे से बात करने के लिए हमने वट्सऐप पर ग्रुप बना रखा है। आज सुबह उसने हम सभी से वीडियो कॉल पर बात की और अपने माता-पिता से उसने आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, उसने कहा कि देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने के लिए मुझे आशीर्वाद दीजिए। उन्होंने आशीर्वाद दिया। यह काफी भावुक लम्हा था।

जम्मू कश्मीर और दिल्ली...

एजेंसी ने कथित अनियमितताओं को लेकर 16 अक्टूबर 2018 को दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की थीं। सीबीआई ने कुपवाड़ा, उधमपुर, किश्तवाड़, शोपियां, राजौरी, डोडो, पुलवामा और कुछ अन्य जगहों के तत्कालीन जिलाधिकारियों और मजिस्ट्रेटों के परिसरों पर दिसंबर 2019 में श्रीनगर, जम्मू, गुरुग्राम और नोएडा समेत एक दर्जन जगहों पर छापेमारी की थी। अभियान 2019 में दर्ज एक मामले के संबंध में चलाया जा रहा है। आरोप है कि 2012 और 2016 के बीच जम्मू कश्मीर के विभिन्न जिलों के उपायुक्तों ने धन के लालच में फर्जी और अवैध रूप से थोक में शस्त्र लाइसेंस जारी किया था।

मुठभेड़ में तीन आतंकी...

अधिकारी ने बताया कि जवान को नजदीक के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रवक्ता ने बताया कि सिपाही वैद्य हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के घुमारवीं गांव के रहने वाले थे। उनके परिवार में मां वनिता देवी हैं। सिपाही कमल देव वैद्य की मौत की सूचना मिलते ही घुमारवीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग शहीद जवान के घर के बाहर एकत्र हो गए और पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए।

अफगानिस्तान में हालात...

दूतावास ने यह भी सलाह दी है कि मुख्य शहरों के बाहर यात्रा करने से सख्ती से परहेज करें और अफगानिस्तान पहुंचने वाले सभी भारतीय नागरिक सबसे पहले दूतावास में अपना पंजीकरण कराएं। अफगानिस्तान में भारतीय कंपनियों को एक बार फिर यह कहा गया है कि वे परियोजना स्थलों पर तैनात अपने भारतीय कर्मचारियों के संबंध में विशेष सुरक्षा इंतजाम करें। घटनाओं को कवर करने वाले मीडियाकर्मी व्यक्तिगत रूप से भारतीय दूतावास को अपने बारे में जानकारी दें और जिस स्थान की यात्रा कर रहे हैं, उसके बारे में बताएं।

भारत दौरे पर मानवाधिकार...

सरकार ने जोर दिया है कि भारतीय संविधान मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विधियों के तहत पर्याप्त सुरक्षा उपायों का प्रावधान करता है। थॉम्पसन ने कहा कि भारत के साथ संबंध एक मजबूत संबंध है जो अमेरिका में सभी प्रकार के प्रशासन के माध्यम से कायम हैं और ऐसा जारी रहेगा।

आईटीसी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 30.24 प्रतिशत बढ़कर 3,343.44 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। आईटीसी लिमिटेड को 30 जून, 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 3,343.44 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही से 30.24 प्रतिशत अधिक है। इससे पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी ने 2,567.07 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में आईटीसी लि. ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय 35.91 प्रतिशत बढ़कर 14,240.76 करोड़ रुपए हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10,478.46 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही में आईटीसी का कुल खर्च 10,220.49 करोड़ रुपए था, जो कि वित्त वर्ष 2020-21 की इसी अवधि से 28.27 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में यह 7,967.71 करोड़ रुपए था। आईटीसी के अनुसार कई राज्यों में कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन और प्रतिबंधों से आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण हो गई और हाल की तिमाहियों में हुई मजबूत वृद्धि की गति भी उसके कारण प्रभावित हुई। आईटीसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान एफएमसीजी व्यापार से उसकी आय 23.68 प्रतिशत बढ़कर 9,534.07 करोड़ रुपए रही। जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान 7,708.89 करोड़ रुपए थी। आईटीसी की सिगरेट से आय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 34.01 प्रतिशत बढ़कर 5,802.67 करोड़ रुपए रही। जबकि बीते वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 4,330.05 करोड़ रुपए थी। आईटीसी के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में सिगरेट से होने वाली उसकी आय कोविड से पहले के स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि कोविड की दूसरी लहर के दौरान लगे प्रतिबंधों से अप्रैल-जून, 2021 तिमाही में उसके परिचालन में बाधाएं भी आई।

अफगान सीमा पर पाक ने तैनात की सेना

काबुल से बढ़ते तनाव के बीच उठाया कदम

भाषा। इस्लामाबाद

अफगानिस्तान से अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी और काबुल से लगातार बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगती अपनी सीमा की अग्रिम चौकियों पर सेना के जवानों की तैनाती की है। यह दावा शनिवार को मीडिया में आई खबरों में किया गया। डॉन अखबार ने आतंरिक मामलों के मंत्री शेख रशीद अहमद के हवाले से बताया कि अग्रिम ठिकानों पर फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी), लेविस फोर्स (अर्धसैनिक बल) और अन्य मिलिशिया के स्थान पर पाकिस्तानी सेना के सैनिकों को तैनात किया गया है। इस बीच, अमेरिका और नाटो सैनिकों अफगानिस्तान से वापसी की प्रक्रिया पूर्ण होने की ओर है। अहमद ने कहा कि आतंरिक मंत्रालय के तहत कार्यरत एफसी बलूचिस्तान और अन्य मिलिशिया को सीमा पर गश्त के कार्य से वापस बुला लिया गया है। उन्होंने बताया, अर्धसैनिक बलों को

वापस बुलाने के बाद अब नियमित सेना के सैनिक सीमा पर तैनात है। अहमद के मुताबिक यह फैसला सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होने के मद्देनजर लिया गया है। सैन्य प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिकार ने हाल में टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि सीमा पर सैनिकों की तैनाती से अफगानिस्तान की जमीन और हवा में चल रही लड़ाई को पाकिस्तान की ओर आने से रोकने में मदद मिलेगी। इस बीच, पाकिस्तानी सेना में मौजूद सूत्रों ने अखबार को बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में सबसे बड़ी चुनौती शरणार्थियों या उनकी शक्ल में किसी घुसपैठिए को रोकना ही नहीं है बल्कि अफगान सेना के सैनिकों और तालिबान के लड़ाकों को भी पाकिस्तान की सीमा में दाखिल होने से रोकना है। अधिकारी ने कहा, हमने देखा कि जुलाई में तालिबान से लड़ाई करने से बचने के लिए एक हजार से अधिक अफगान सैनिक तजाकिस्तान भाग गए। हालांकि, उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की उपस्थिति उतनी नहीं है जितनी पाकिस्तान से लगती दक्षिणी इलाकों में, ऐसे में अगर अफगान सैनिक भागकर हमारी सीमा में आते हैं तो, तालिबान भी उनका पीछा करते हुए आएगा और इस तरह यह लड़ाई पाकिस्तानी इलाके में भी फैल जाएगी। गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच 2,640 किलोमीटर लंबी सीमा है जिनमें से 90 प्रतिशत पर पाकिस्तान ने सुरक्षा दीवार बनाई है।

अमेरिकी अस्पताल ने कोविड-19 संबंधी चिकित्सा उपकरण भारत को दिए

वाशिंगटन। अमेरिका के मेरीलैंड के एक अस्पताल ने भारत को कोविड-19 राहत के तौर पर निजी सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट और दो कन्टिन्यूअस पॉजिटिव एयरवे प्रेशर थेरेपी (सीपीएपी) मशीनें दान की हैं। एक भारतीय-अमेरिकी गैर-लाभकारी संस्था ने यह जानकारी दी। सेवा इंटरनेशनल को मेरीलैंड में हाल में एक कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा उपकरणों की ए खेप मिली। शुक्रवार को मीडिया में जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि इस खेप में एन-95 के समान मास्क, फेस शील्ड, दस्ताने, चश्मे और पूरी लंबाई वाले पीपीई किट शामिल हैं। बयान के अनुसार कार्यक्रम के ठीक बाद दान की गई सामग्री को मैरीलैंड के हयात्सविले से सेवा इंटरनेशनल के अटलांटा, जॉर्जिया स्थित गोदामों में सात ट्रकों में भेजा गया था। कार्यक्रम में मौजूद सेवा इंटरनेशनल के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर श्री श्रीनाथ ने कहा, यह अमेरिका में किसी अस्पताल से सेवा को चिकित्सा साजोसामान का मिला सबसे बड़ा अनुदान है।

साल्ट लेक सिटी में पायनियर दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम के दौरान हाथगाड़ी को खींचते लोग

अमेरिका ने पेगासस मुद्दे पर कहा

नागरिक संगठन, आलोचकों, पत्रकारों के खिलाफ जासूसी चिंताजनक

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने कहा है कि वह नागरिक संगठनों, सत्ता के आलोचकों और पत्रकारों के खिलाफ न्याएतर तरीकों से जासूसी प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल के विरुद्ध है। हालांकि, अमेरिका ने यह स्पष्ट किया कि उसे भारत में चल रहे पेगासस विवाद के संबंध में कोई खास गहरी जानकारी नहीं है।भारत समेत कई देशों में नेताओं, पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों की कथित जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल से निजता से संबंधित मुद्दे को लेकर चिंता बढ़ी है। एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन के अनुसार इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप टेक्नोलॉजीज द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए फोन स्पाइवेयर का निशाना बने लोगों में नेता, अधिकार कार्यकर्ता और पत्रकार शामिल हैं।दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामले के कार्यकारी सहायक मंत्री डीन थॉम्पसन ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा, नागरिक संगठन, या सत्ता के आलोचकों अथवा पत्रकारों या ऐसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ न्याएतर तरीकों से ऐसी तकनीक के उपयोग की पूरी अवधारणा हमेशा चिंता का विषय रही है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठन ने रविवार को बताया कि पेगासस स्पाइवेयर के जरिए हैकिंग के लिए भारत में कारोबारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के अलावा 40 से अधिक पत्रकारों, तीन विपक्षी नेताओं और एक मौजूदा न्यायाधीश सहित 300 से अधिक सत्यापित मोबाइल फोन नंबरों को निशाना बनाया गया है।

पेगासस जैसी प्रौद्योगिकी के कारण लाखों लोग सुरक्षित हैं, चैन की नींद सो पाते हैं : एनएसओ

भाषा। यरुशलम

निगरानी सॉफ्टवेयर पेगासस को लेकर विवादों के बीच इजराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ग्रुप ने अपना बचाव करते हुए दावा किया है कि खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने के कारण दुनिया में लाखों लोग रात में चैन की नींद सो पाते हैं और सुरक्षित हैं।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह तकनीक का संचालन नहीं करती है और न ही उसके पास अपने ग्राहकों द्वारा एकत्र किए गए डेटा तक पहुंच है। भारत समेत कई देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, नेताओं और अन्य लोगों की जासूसी करने के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के कथित इस्तेमाल ने गोपनीयता से संबंधित मुद्दों पर चिंता पैदा कर दी है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघ के मुताबिक इजराइली कंपनी द्वारा विभिन्न सरकारों को बेचे गए स्पाईवेयर के जरिए नेताओं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों समेत अन्य लोगों को निशाना बनाया गया।एनएसओ के एक प्रवक्ता ने दावा किया, पेगासस और ऐसी अन्य तकनीक के कारण ही दुनिया में लाखों लोग रात को चैन की नींद सो पाते हैं और सड़कों पर सुरक्षित निकल पाते हैं। इस तरह की प्रौद्योगिकी से खुफिया और कानून लागू करने वाली एजेंसियां इनक्रिप्टेड ऐप के तहत छिपाई गई सूचनाओं का पता लगाकर अपराध, आतंकवादी घटनाओं को रोक पाती हैं। कंपनी ने कहा, दुनिया में कई अन्य साइबर खुफिया कंपनियों के साथ एनएसओ सरकारों को साइबर सुरक्षा उपकरण मुहैया कराती है क्योंकि कानून लागू करने वाली एजेंसियों के पास पुख्ता प्रणाली नहीं होती और मैसेजिंग तथा सोशल मीडिया पर संदिग्ध विषयवस्तु की निगरानी के लिए नियामकीय समाधान नहीं हैं। दुनियाभर में जारी इस जासूसी सॉफ्टवेयर पर विवाद पर प्रवक्ता ने कहा, एनएसओ तकनीक का संचालन नहीं करती है और न ही हमारे पास एकत्र किए गए डेटा को देखने की सुविधा है। उन्होंने कहा, हम एक सुरक्षित दुनिया बनाने में मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। सॉफ्टवेयर के दुरुपयोग को लेकर पहली बार भारत में यह मुद्दा सामने आने पर एनएसओ ने अक्टूबर 2019 में पीटीआई-भाषा को एक लिखित जवाब में कहा था कि अनुबंध के तहत गंभीर अपराध और आतंकवाद को रोकने के सिवा किसी अन्य मामले में हमारे उत्पाद के इस्तेमाल पर निषेध है।

शी चिनफिंग ने ल्हासा में शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की

बीजिंग (भाषा)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने ल्हासा में शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की और तिब्बत में दीर्घकालिक स्थिरता एवं समृद्धि के महत्व को रेखांकित किया। भारत के अरुणाचल प्रदेश से लगते न्यिंगची सहित सामरिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र के चिनफिंग के अघोषित दौरे की खबर उजागर करने के एक दिन बाद सरकारी मीडिया ने ल्हासा में उनके शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मिलने की खबर दी। ग्लोबल टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि चिनफिंग चीनी सेना की तिब्बत कमान के शीर्ष अधिकारियों से मिले और सैनिकों के प्रशिक्षण कार्य तथा युद्ध तैयारी को पूरी तरह मजबूत करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति के रूप में चिनफिंग का यह पहला तिब्बत दौरा था जो बुधवार से शुक्रवार तक चला। लेकिन चीन की आधिकारिक मीडिया ने शुक्रवार को इसके संपन्न होने तक इससे संबंधित खबर को गोपनीय रखा।

जर्मनी के ब्लेसम में आई भीषण बाढ़ के बाद रास्ते से मलबे को साफ करते सेना के जवान

कनाडा मदद करने वाले अफगानों के पुनर्वास में तेजी लाएगा

एपी। ओटावा

कनाडा सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह उन अफगानों के पुनर्वास में तेजी लाएगा जिन्होंने पिछले 20 वर्षों में कनाडा के साथ काम किया। हालांकि, कनाडा ने इस बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी कि कौन इसका पात्र होगा या इस वक्त तालिबान से खतरे का सामना कर रहे लोग कब आना शुरू होंगे।

सरकार कनाडा के शीर्ष नेताओं के दबाव का सामना कर रही है, जो इस बात से चिंतित हैं कि जिन अफगानों ने उनका और उनके परिवारों का समर्थन किया, उन्हें तालिबान के हाथों गिरफ्तारी और यहां तक कि मौत का सामना करना पड़ेगा। आव्रजन मंत्री मार्को मेंडिसिनो ने कहा, अफगानों की रक्षा और सुरक्षा के साथ कनाडाई टीमों की सुरक्षा जिन्हें पहले से ही सुरक्षा दी जा रही है, सुनिश्चित करने के अभियान को कैसे अंजाम दिया जाए और इसे कब शुरू किया जाएगा, इस बारे में सटीक विवरण रखना होगा। अफगानिस्तान से अमेरिकी सुरक्षा बलों की वापसी के बाद तालिबान ने देश के कई हिस्सों पर नियंत्रण कर लिया है। इन इलाकों में दक्षिणी कंधार प्रांत भी शामिल है जहां कनाडा की सेना देश में 13 साल तक सबसे लंबे अभियान पर रही। 2014 में सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान में कनाडा के 158 सैनिकों और सात आम नागरिकों की मौत हुई। इनमें से अधिकतर की मौत तालिबान द्वारा बंधक बनाए जाने के दौरान हुई। मेंडिसिनो ने कहा कि सरकार के पास पहले से ही टीम है जो उन लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही हैं जो कनाडा के साथ काम करते हुए खतरे का सामना कर रहे हैं और आव्रजन अधिकारी पात्र लोगों को शरण देने के लिए आवेदनों में तेजी लाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान उन लोगों पर है जिनका कनाडा सरकार के साथ महत्वपूर्ण और स्थाई संबंध रहा है। मेंडिसिनो ने कनाडा में रह रहे अफगानिस्तान के उन नागरिकों को उनके कार्यालय से सीधे संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जिन्हें यह लगता है कि अफगानिस्तान में उनका परिवार खतरे में है, वे भी कनाडा आने के पात्र हैं। कनाडा ने पहले सैन्य अभियान की समाप्ति से पहले 2008 और 2012 में शुरू किए गए दो अलग-अलग कार्यक्रमों में लगभग 800 अफगान नागरिकों और उनके परिवारों का पुनर्वास किया था। मेंडिसिनो ने कहा कि हजारों लोग इसके पात्र हो सकते हैं।

ब्रिटेन-भारत के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हो रही है : श्रृंगला

भाषा। लंदन

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर वार्ता में तेजी लाने की दिशा में एक रूपरेखा पर ब्रिटेन-भारत वार्ता बखूबी आगे बढ़ रही है और आने वाले महीनों में अच्छी प्रगति दिखेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के बीच मई में रोडमैप 2030 पर बनी सहमति का जायजा लेने यहां आए विदा सचिव ने लंदन की अपनी दो दिनों की यात्रा के समापन पर कहा कि उन्होंने सभी क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर ब्रिटिश वार्ताकारों के साथ विस्तृत बातचीत की। जॉनसन द्वारा भारत की यात्रा सितंबर के आसपास करने पर विचार किया जा रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉप 26 जलवायु सम्मेलन के लिए नवंबर में ब्रिटेन की यात्रा करने की उम्मीद है। ऐसे में विदेश सचिव की यात्रा के बारे में बताया जा रहा है कि यह संक्षिप्त नोटिस पर आयोजित की गई ताकि उन उच्च स्तरीय शिखर बैठकों से पहले गहन वार्ता को बनाए रखा जा सके। श्रृंगला ने कहा, रोडमैप के कई पहलू हैं जिनमें व्यापार एवं निवेश पहलू भी शामिल हैं, जहां बढ़ाई गई व्यापार साझेदारी ने वार्ता में तेजी लाने का मार्ग प्रशस्त किया है और यह एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौता की ओर ले जाएगा। अंतरिम समझौते की संभावना भी इसमें शामिल की गई है। उन्होंने कहा, दोनों पक्ष इस बात से सहमत हुए कि वार्ता बखूबी आगे बढ़ रही है। हम इस बारे में कुछ अच्छी प्रगति देखेंगे। करीबी ब्रिटेन-भारत संबंधों के लिए रोडमैप 2030 के रास्ते में किसी अड़चन के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिव ने कहा, यहां हमने सभी मुद्दों की समीक्षा की और हमने ऐसा कुछ नहीं पाया, जो हासिल नहीं किया जा सकता हो। इनमें से ज्यादातर चीजें वह हैं जिन्हें हम गति बनाए रखने के लिए जारी रख सकते हैं। उन्होंने कहा, दोनों देशों की राजधानियों में उच्च स्तर पर ध्यान केंद्रित करने को सुनिश्चित करने के लिए हमारे लिए संबंध महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त गायत्री ईस्सर कुमार ने कहा कि लंदन में भारतीय दूतावास किसी भी अड़चन के प्रति बहुत, बहुत सतर्क है और

सभी स्तरों पर वार्ता में प्रगति के लिए रोजाना बातचीत की जा रही है। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने यात्रा के दौरान अपने ब्रिटिश समकक्ष लॉर्ड तारिक अहमद से मुलाकात की और विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भारत-ब्रिटेन की भागीदारी समेत कई वैश्विक मुद्दों पर व्यापक समीक्षा की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर 10 वर्षीय योजना के क्रियान्वयन के लिए रोडमैप 2030 पर भी चर्चा की, जिसे द्विपक्षीय भागीदारी के तहत मई में शुरू किया गया था। श्रृंगला अपने दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को लंदन पहुंचे। उन्होंने शुक्रवार को अपने समकक्ष अहमद, विदेश कार्यालय में दक्षिण एशिया के मंत्री और विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के स्थाई उपमंत्री फिलिप बार्टन के साथ बैठक की। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने ट्वीट किया, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की एफसीडीओ में राज्य मंत्री लॉर्ड तारिक अहमद और स्थाई उपमंत्री फिलिप आर बार्टन के साथ सौहार्दपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान भारत-ब्रिटेन एजेंडा की व्यापक समीक्षा के साथ विभिन्न वैश्विक मंचों में सहयोग तथा वैश्विक मुद्दों एवं रोडमैप 2030 के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई। द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने और अगले दशक में व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को लेकर मार्गदर्शन के उद्देश्य से रोडमैप 2030 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन के बीच डिजिटल शिखर सम्मेलन में स्वीकृत किया गया था। अहमद ने ट्वीट किया, आज फिर हर्षवर्धन श्रृंगला से मिलकर खुशी हुई। हम पिछली बार दिल्ली में मिले थे। इस बार लंदन में मेजबानी का मौका मिलने से खुशी हुई। हमने संबंधों को निरंतर बढ़ाने तथा ब्रिटेन और भारत कैसे मिलकर वैश्विक मुद्दों पर नेतृत्व प्रदान कर सकते हैं और भलाई के लिए कैसे एक ताकत बन सकते हैं, इन मुद्दों पर चर्चा की। पूर्व में भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त के रूप में सेवा दे चुके बार्टन ने ट्वीट किया, भारताब्रिटेन 2030 रोडमैप के क्रियान्वयन पर बातचीत के लिए आज मैंने हर्षवर्धन श्रृंगला का लंदन में स्वागत किया। हम अपनी साझा महत्वाकांक्षाओं की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे यह साझेदारी मजबूत होती जा रही है।

पाक के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और आईएसआई प्रमुख अगले हफ्ते अमेरिका जा सकते हैं

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुईद यूसुफ और आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फैज़ हमीद अगले हफ्ते अमेरिकी यात्रा पर जा सकते हैं जहां वे अफगानिस्तान की स्थिति पर अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत कर सकते हैं। यह अमेरिका की उस कूटनीतिक कोशिश का हिस्सा है जिसका मकसद युद्धग्रस्त राष्ट्र में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण सुनिश्चित कराना है। डॉन अखबार ने वाशिंगटन से राजनयिक सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि इसी प्रयास के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन भारत और अफगानिस्तान की यात्रा पर आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य अफगान संकट के लिए क्षेत्रीय प्रतिक्रिया तैयार करना है। खबर के मुताबिक, यूसुफ और इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हमीद की यात्रा इन राजनयिक प्रयासों का हिस्सा है।

क्विक न्यूज

बांग्लादेश के लोक गायक फकीर आलमगीर का निधन

ढाका। बांग्लादेश के मशहूर लोक गायक फकीर आलमगीर का कोविड-19 से उत्पन्न जटिलताओं की वजह से निधन हो गया। वह 71 साल के थे। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार गायक ने शुक्रवार रात यूनाइटेड अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे माशुक आलमगीर रजीब ने बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। कई दिनों से बुखार और खांसी की शिकायत के बाद वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हे एक स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराया गया, लेकिन बाद में यूनाइटेड अस्पताल के आईसीयू में भेजा गया। आलमगीर का जन्म 21 फरवरी, 1950 को फरीदपुर में हुआ था। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत 1966 में की थी। गायक क्रांति शिल्पी गोष्ठी , और गण शिल्पी गोष्ठी जैसे सांस्कृतिक संगठन के प्रमुख सदस्य थे और बांग्लादेश के अलग देश के रूप में उदय के लिए 1969 के आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान स्वाधीन बांग्ला बेतार केंद्र से जुड़ गए और स्वतंत्रता सेनानियो में ऊर्जा का संचार करने के लिए गाना शुरू किया। उनके प्रसिद्ध गानो में ओ सखीना गेसोस किना , शांताहार , नेल्सन मंडेला, नाम तार छिलो जॉन हेनरी , बांग्लार कॉमरेड बंधु शामिल है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने गायक के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि वह देश मे लोकप्रिय लोक गीतो के लिए हमेशा याद किए जाएंगे।

वियतनाम में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद राजधानी हनोई में 15 दिन का लॉकडाउन

हनोई (वियतनाम)। वियतनाम ने दक्षिणी मेकोंग डेल्टा क्षेत्र से कोरोना वायरस के मामलों का प्रसार होने के मद्देनजर राजधानी हनोई मे शनिवार से 15 दिन के लॉकडाउन की घोषणा की। शुक्रवार रात को जारी लॉकडाउन का आदेश सार्वजनिक स्थानो पर दो लोगो से ज्यादा के जुटने पर प्रतिबंध लगाता है। केवल सरकारी कार्यालयो, अस्पतालो और जरूरी कारोबारो को खोलने की अनुमति दी गई है। इससे पहले, इस हफ्ते की शुरुआत में शहर ने मामले बढ़ने के बाद सरकार ने सभी बाहरी गतिविधियो पर रोक लगा दी गई थी और गैर-जरूरी कारोबारो को बंद करने का आदेश दिया था। शुक्रवार को हनोई शहर मे अब तक सबसे ज्यादा 70 मामलों की पुष्टि हुई जो पिछले 24 घंटो मे देश मे सामने आए रिकॉर्ड 7,295 मामलों का एक हिस्सा था। इनमे से 5,000 मामले वियतनाम के सबसे बड़े महानगर, दक्षिणी हो ची मिन्ह शहर मे थे जिसने एक अगस्त तक लॉकडाउन बढ़ा दिया है। नेशनल असेंबली की एक बैठक हनोई में मंगलवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी जिसमे 499 प्रतिनिधि शामिल होंगे लेकिन पहले 17 दिनो तक चलने वाली यह बैठक अब 12 दिनो तक ही चलेगी।

सोमालिया में अल-शबाब के खिलाफ एक हफ्ते में दूसरी बार अमेरिका ने किया हवाई हमला

वाशिंगटन। अमेरिकी बलो ने सोमालिया मे अल-शबाब चरमपंथी समूह के खिलाफ इस हफ्ते शुक्रवार को दूसरी बार हवाई हमला किया। इससे पहले मंगलवार को किया गया हमला, राष्ट्रपति जो बाइडन के जनवरी मे पद संभालने के बाद से पहला ऐसा हमला था। पेंटागन ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि यह हमला सोमाली साझेदार बलो के समर्थन मे किया गया और इसलिए सैन्य बल के प्रयोग के लिए मौजूदा कांग्रेस के प्राधिकरण के तहत अनुमति दी गई थी। पेंटागन की प्रवक्ता सिंडी किंग ने कहा कि हवाई हमले सोमाली सरकार के साथ समन्वय कर किए गए थे और यह मध्य सोमालिया के गालमुदुग इलाके मे केयसाद क्षेत्र के आस-पास किया गया था। उन्होने कहा कि अभियान की सुरक्षा के लिहाज से और ब्योरे जारी नही किए जा सकते। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम दिनो मे सोमालिया से अपने ज्यादातर सैनिको को हटा लिया था और उन्हे आस-पास के देशो मे भेज दिया था जहां वे दूर से सोमाली बलो को सलाह दे सकते है और अल-कायदा आतंकवादी नेटवर्क से संबद्ध संगठन अल-शबाब के खिलाफ बल की मदद कर सकते है।

सूखे को लेकर प्रदर्शनकारियों के आक्रोश को समझते हैं : खामनेई

दुबई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा है कि वह देश के दक्षिण पश्चिम हिस्से में सूखे को लेकर प्रदर्शनकारियो के आक्रोश को समझते है। वहां चल रहे प्रदर्शनो मे चार लोगो की मौत हो चुकी है। खुजेस्तान क्षेत्र मे एक हफ्ते पहले शुरू हुए प्रदर्शनो के बाद से खामनेई द्वारा प्रदर्शनो पर यह पहली प्रत्यक्ष टिप्पणी है।

एक अर्द्धसरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि अलीगोदार्ज शहर के समीप हिंसा मे गोलीबारी मे एक व्यक्ति की मौत हो गई और पुलिस ने इसके लिए क्रांतिकारी विरोधी तत्वो को जिम्मेदार ठहराया है। खामनेई ने कहा, लोगो ने अपना असंतोष दिखाया है लेकिन हम कोई शिकायत नही कर सकते क्योंकि खुजेस्तान की गर्म जलवायु मे पानी का मुद्दा कोई मामूली मसला नही है। उन्होंने ईरान के शत्रुओ पर स्थिति का गलत फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होने 1980 मे इराक के खिलाफ विध्वंसकारी युद्ध मे इस क्षेत्र के लोगो की उनकी निष्ठा और प्रयासो के लिए तारीफ की। उन्होने कहा, लोगो को अब और परेशानियो का सामना नही करना चाहिए। गौरतलब है कि खुजेस्तान के कई शहरो मे प्रदर्शन हो रहे है। सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें की तथा उनकी प्रदर्शनकारियो से झड़प भी हुई। प्रदर्शनो के दौरान ईरान मे मोबाइल इंटरनेट सेवा बाधित हुई। अमेरिका मे विदेश विभाग की प्रवक्ता जलीना पोर्टर्स ने पत्रकारों को बताया कि प्रशासन ईरान मे प्रदर्शनो के साथ ही सरकार द्वारा क्षेत्र मे इंटरनेट बंद करने की खबरो पर करीबी नजर रख रहा है।

फिलीपीन में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति, हजारों लोगों को निकाला गया

मनीला। फिलीपीन की राजधानी और बाहरी इलाको मे कई दिनो से हो रही मॉनसूनी बारिश के चलते उफनाई नदियों और बाढ़ की स्थिति के कारण हजारों लोग बेघर हो गए हैं और एक ग्रामीण की मौत हो चुकी है। अधिकारियो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आश्रय स्थलो मे विस्थापितो को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए रखने के लिए और अधिक शिविर खोले गए जिससे कोविड-19 संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। एक बड़ी नदी मे पानी का स्तर बढ़ने के कारण राजधानी क्षेत्र के मरिकिना शहर मे लगभग 15 हजार निवासियो को रातभर मे निकाला गया। मरिकिना ने मेयर मार्सलीनो टेडरो ने एबीएस सीबीएन न्यूज को बताया कि कोरोना वायरस के डेल्टा प्रकार के खतरे को देखते हुए यदि बाढ़ की स्थिति का स्थाई समाधान नही निकाला गया तो हालात से निपटना कठिन हो जाएगा।

पायनियर

स्वास्थ्य

नई दिल्ली, रविवार, 25 जुलाई, 2021

एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस पर परामर्श पत्र को लेकर टिप्पणियां आमंत्रित

नई दिल्ली। आने वाले दिनों में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) की शुरुआत के मद्देनजर एकीकृत स्वास्थ्य इंटरफेस (यूएचआई) की प्रस्तावित डिजाइन, कार्यक्षेत्र एवं भूमिका का विवरण प्रदान करने के लिए एकपरामर्श-पत्र जारी किया गया है और जनता से इसपर टिप्पणी मांगी गई है। देश में एनडीएचएम की डिजाइन एवं शुरुआत के लिए जिम्मेदार राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने शनिवार को एक बयान में कहा कि जनता से टिप्पणियां इसलिए मांगी गईं ताकियह सुनिश्चित हो सके कि यूएचआई सहयोगात्मकएवं परामर्शी प्रणाली से डिजाइन एवं विकसित किया जाए। एनएचए ने कहा कियूएचआई के माध्यम से, एनडीएचएम का लक्ष्य भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने के तरीके को बदलना है।

DOCटॉक

डॉ. गुनीता सिंह

बीडीएस, एमडी, डेंटल लेजर, निदेशक, डेंटम और एसोसिएट कंसल्टेंट, सर गंगा राम अस्पताल

बच्चों के दांत निकलना एक चुनौती

बच्चे का जन्म और पालन-पोषण बहुत सारी चुनौतियों के साथ आता है और हर दिन अपने आप में एक अनुभव होता है, ऐसे ही अनुभवों में से एक है शुरुआती। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बच्चे के दांत मसूढ़ों से निकलते हैं।

दांत आमतौर पर छह से 24 महीने की उम्र के बीच होते हैं और आम तौर पर चिड़चिड़ापन निविदा और सूजन वाले मसूड़ों से जुड़ा होता है, शिशु असुविधा को कम करने के प्रयास में वस्तु या उंगलियों को मुंह में रखना चाहता है। जब बच्चे के दांत निकलते हैं तो बुखार, खांसी, दस्त और सर्दी के लक्षण नहीं पाए जाते हैं।

दांत निकलने के लक्षणों की शुरुआत आम तौर पर एक दांत के फटने से पहले चार से 10 महीने की उम्र के बीच दिखाई दे सकती है, पहला दांत आमतौर पर लगभग छह महीने की उम्र में फूटता है। कुछ दंत चिकित्सकों ने शुरुआती औसत या देर से आने वाले दांतों के पारिवारिक पैटर्न पर ध्यान दिया है।

दांत आमतौर पर मसूड़े और जबड़े की परेशानी से जुड़े होते हैं क्योंकि शिशु का दांत मसूड़े के ऊतकों की सतह से फूटने की तैयारी करता है। यह क्षेत्र थोड़ा लाल या सूजा हुआ दिखाई दे सकता है कभी-कभी फटने वाले दांत के ऊपर खून के समान तरल पदार्थ से भरा क्षेत्र दिखाई दे सकता है। कुछ दांत फूटने पर दूसरों की तुलना में अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। कुछ दांत कृन्तकों की तरह फूटते समय कम परेशानी पैदा करते हैं और कुछ जैसे ज्ञान दांत बहुत दर्दनाक हो सकते हैं।

दांत निकलने से निम्नलिखित लक्षण हो सकते हैं :

- बढ़ी हुई लार।
- मसूढ़ों की परेशानी के कारण बेचैनी या नींद कम होना।
- मसूड़े के क्षेत्र में दर्द के कारण भोजन से इनकार।
- आहट जो आती है और चली जाती है।
- हाथ मुंह पर लाना।
- त्वचा में जलन के कारण मुंह के चारों ओर हल्के दाने, अत्यधिक लार आने के कारण।
- दाढ़ के फटने के दौरान निर्दिष्ट दर्द के परिणामस्वरूप चेक या कान क्षेत्र को रगड़ना।

अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें। यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है।

खैर, जो कुछ भी कहा और किया जाता है, वह आपके बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत मील के पत्थर में से एक है। एक बार जब आप उन छोटे-छोटे मोतियों को देख लेते हैं जिन्हें आप हमेशा के लिए अपनी यादों में कैद करना चाहते हैं, लेकिन आपके बच्चे को होने वाली परेशानी से कैसे निपटा जाए, यह एक माता-पिता की एक बड़ी चिंता है।

इस समय अपने बच्चे को अपना अधिकतम दें। बच्चे को आपकी सबसे ज्यादा जरूरत है मां के स्पर्श और निकटता से ज्यादा कुछ भी बच्चे को शांत नहीं कर सकता है।

बच्चे के मसूड़ों को दिन में दो या तीन बार अपनी उंगली से रगड़ें, ऐसा करने के लिए आप जैतून का तेल/विटामिन ई तेल जैसे प्राकृतिक तेलों का उपयोग कर सकते हैं। सुनिश्चित करें कि आपके हाथ बिल्कुल साफ हैं।

सुखदायक खिलौनों का भी उपयोग कर सकते हैं। अपने बच्चे को चबाने के लिए सुखदायक अंगूठियां दें, यह मसूड़ों के दर्द को कम करने में उनकी मदद करने के लिए एक बहुत अच्छा विकल्प है। उन खिलौनों को इस्तेमाल करने से पहले कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, कूलिंग इफेक्ट कमाल कर सकता है। दोबारा, सुनिश्चित करें कि वे पूरी तरह से निष्फल हैं।

जमे हुए सेब/नाशपाती/गाजर या कोई भी कुरकुरे फल और सब्जियां जो आपके बच्चे को पसंद हैं, मसूड़ों के दर्द को स्वस्थ रूप से शांत करने का सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है और यह शुरुआती होने से निपटने का प्राकृतिक तरीका है। अपने बच्चे को पैरों की अच्छी मालिश दें। फुट रिफ्लेक्सोलॉजी शरीर को शांत करती है और पूरे शरीर, दांतों और मसूड़े को भी शांत प्रभाव देती है। अंत में, बच्चे को अतिरिक्त सहायता देने के लिए दांतों की बूंदों या जैल के लिए दंत चिकित्सक से संपर्क करें।

रोबोट से घुटनों का इलाज

घुटने की सर्जरी करने के तरीके में रोबोटिक्स का प्रवेश घुटने बदलने के मामले में क्रांति ला रहा है। डॉ. शुभांग अग्रवाल का कहना है कि इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेटिंग रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सटीक परिणाम प्राप्त करने में मदद मिलती है।

सिरी, एलेक्सा से लेकर सेल्फ ड्राइविंग कार और ऑटो पायलट प्लेन से लेकर सैटेलाइट मैपिंग तक, दुनिया ने तकनीक की ताकत देखी है। चिकित्सा क्षेत्र अछूता नहीं है; जो हमने कहानियों और फिल्मों में कल्पना के रूप में देखा था, वह अब एक वास्तविकता है; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोट लोगों को अपना काम बेहतर और आसान तरीके से करने में मदद कर रहे हैं। आर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में, रोबोटिक्स-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट नी रिप्लेसमेंट के तरीके में क्रांति ला रहा है। इन उन्नत रोबोटों ने ऑपरेशन रूम के फर्श में अपनी जगह बना ली है, जिससे सर्जनों को सर्जरी के दौरान सटीकता और सटीकता प्राप्त करने में मदद मिलती है। आज रोबोटिक्स अस्पतालों में सर्वोत्तम उपचार प्रदान करने का एक नया उपकरण बन गया है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट क्या है?

कल्पना कीजिए कि एक पायलट घने कोहरे में एक विमान उड़ा रहा है। अगर कुछ साल पहले की बात होती तो वह प्लेन को सुरक्षित लैंड करने के लिए अपनी इंद्रियों और कल्पनाओं का ही इस्तेमाल करते। लेकिन प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, उसी पायलट के पास अब उच्च गुणवत्ता वाला उपग्रह मार्गदर्शन है; ऑटोपायलट मोड सेंसर और एल्गोरिथम को विमान को सुचारू रूप से उतरने की अनुमति देता है।

इसी तरह, जब एक आर्थोपेडिक सर्जन ने एक पारंपरिक सर्जरी की थी, तब से चीजें बदल गई हैं, जहां उन्होंने विकृति का आकलन करने और हड्डियों को काटने के लिए अपनी द्विआयामी दृष्टि के साथ नेत्रगोलक पर भरोसा किया। अब, वह उच्च अंत रोबोटिक्स का उपयोग कर सकता है, स्वयं सीखने वाली कृत्रिम बुद्धि के साथ संयुक्त का एक लाइव चतु:आयामी नक्शा बनाने के लिए और कृत्रिम प्रत्यारोपण के आदर्श स्थान को देखता है और फिर रोबोटिक उपकरण केवल उतनी ही छोटी हड्डी को बंद कर देता है, जिसकी आवश्यकता होती है प्राकृतिक हड्डी और स्नायुबंधन को बचाने के लिए, प्रत्यारोपण का सही फिट पाने के लिए।

तकनीक पिछली इम्प्लांट पोजिशनिंग तकनीकों से आगे बढ़ी है जिसमें जिगलेस रोबोटिक योजना और निष्पादन के लिए सर्जिकल कटिंग गाइड के लिए एक लगाव बिंदु प्रदान करने के लिए फीमर (जांघ की हड्डी) की केंद्रीय नहर में ड्रिल की गई लंबी छड़ का उपयोग किया जाता है।

सबसे उन्नत नवाचार नेविगो सर्जिकल सिस्टम है, एक रोबोटिक प्लेटफॉर्म जिसे किसी सीटी स्कैन या एमआरआई की आवश्यकता नहीं है और अंग और विकृति की वास्तविक समय की छवि बनाता है और सर्जन घुटने के चारों ओर कल्पना करने और योजना बनाने में सक्षम है कि कैसे यह हड्डी को छूने से पहले ही सर्जरी के बाद होने वाला है। यह रोबोटिक प्रणाली स्पष्ट रूप से घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है।

नेविगो प्रणाली का उपयोग करते हुए, एक सर्जन प्रत्येक व्यक्ति के घुटने की अनूठी शारीरिक रचना को समझने में सक्षम होता है, कूल्हे और टखने के प्राकृतिक संरेखण में घुटने को प्राप्त करता है और सही आकार यह सुनिश्चित करता है कि कृत्रिम प्रत्यारोपण में घुटने की ट्रैकिंग पूरी रेंज में संतुलित है। आंदोलन का। सर्जन अब इम्प्लांट को सब-मिलीमेट्रिक प्रिसिजन के साथ लगा सकता है जो आपके भगवान द्वारा दिए गए प्राकृतिक घुटनों की तरह काम करता है और महसूस करता है। इस तरह की रोबोट-समर्थित घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी में नगण्य रक्त हानि, बहुत कम दर्द, थोड़ा ऊतक आक्रमण और लंबे समय तक चलने वाले परिणामों के साथ प्रत्यारोपण की सटीक स्थिति शामिल है।

इस तरह की प्रक्रिया के बाद, एक मरीज सर्जरी के तीन घंटे बाद ही चलना शुरू कर सकता है और तीन दिनों के भीतर घर वापस जा सकता है और बेहतर एनेस्थीसिया और पुनर्वसन के तौर-तरीकों के साथ, हम एक दिन की छुट्टी का लक्ष्य बना रहे हैं! इसलिए रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी से मरीज के अस्पताल में रहने की अवधि कम हो जाती है। यह कोविड के इन समयों में सभी अर्थों को प्रभावी बनाता है इसलिए जोखिम को न्यूनतम स्तर तक कम करता है।

रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट के क्या फायदे हैं?

रोबोटिक प्रणालियों के विकास का प्राथमिक कारण रोगियों के लिए परिणामों में सुधार करने का प्रयास था। हालांकि, अनुसंधान के साथ हमारे पास कूल्हे और घुटने के प्रतिस्थापन कृत्रिम अंग में बेहतर धातु और चीनी मिट्टी की चीजें हैं, लेकिन इन प्रत्यारोपणों को सही तरीके से लगाने से सभी फर्क पड़ता है। यह देखा गया है कि शल्य चिकित्सा के पारंपरिक तरीकों का उपयोग करने के साथ, कुछ ऐसे रोगी हैं जो परिणाम से असंतुष्ट हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम रोबोटिक तकनीक के उपयोग के साथ और लक्ष्य और आशा है कि इन प्रक्रियाओं को प्रत्यारोपण स्थिति में सटीकता मिलेगी, और प्राकृतिक नरम ऊतक संतुलन के साथ, ट्रैकिंग में सुधार होगा और इसके परिणामस्वरूप सर्जरी से संतुष्टि के स्तर में और सुधार होगा।

नेविगो सिस्टम दो महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है : पहला, यह सर्जन को रोगी के लिए विशिष्ट व्यक्तिगत योजना बनाने में मदद करता है और सीटी स्कैन के पहले के तरीकों के विपरीत, वह किसी भी संभावित हानिकारक विकिरण के संपर्क में नहीं आता है। दूसरा लाभ रोबोटिक सहायता है जो उन्नत तकनीक को जोड़ती है ताकि कृत्रिम घुटने का सही सटीक स्थान दिया जा सके और बेहतर दीर्घकालिक परिणामों का लक्ष्य रखा जा सके, जो लंबे समय तक 30-40 वर्षों तक बहुत सस्ती कीमत पर हो।

पिछले कुछ वर्षों में, अध्ययनों ने रोबोट-असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम की सटीक सटीकता पर ध्यान केंद्रित किया है। घुटने की सर्जरी के जर्नल में प्रकाशित आर्थोपेडिक सर्जन जेफ्री वेस्ट्रिच और उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि रोबोटिक प्रणाली अधिक सटीकता और सटीकता की अनुमति देती है और आर्थोपेडिक सर्जनों के प्रशिक्षण में फायदेमंद है। यूनाइटेड किंगडम में शोधकर्ताओं के एक अन्य अध्ययन में, 2018 में बोन एंड जॉइंट जर्नल में प्रकाशित हुआ, यह पाया गया कि रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट को कम अस्पताल में रहने, सर्जरी के बाद दर्द में कमी और जल्दी कार्यात्मक वसूली में सुधार के साथ जोड़ा गया था।

सटीकता के साथ-साथ, रोबोट-समर्थित प्रक्रियाएं सर्जिकल साइट पर आसपास के कोमल ऊतकों को अधिक सुरक्षा प्रदान करती हैं और अधिक स्वस्थ हड्डी को संरक्षित करने की सुविधा प्रदान करती हैं। सर्जरी के दौरान, आपके पुराने जोड़ों को बदलने वाले इम्प्लांट या घटक आमतौर पर धातु, सिरेमिक या प्लास्टिक से बने होते हैं। रोबोटिक सहायता आपके सर्जन को आपके इम्प्लांट को अधिक कुशलता से लगाने की अनुमति देती है। और रोबोटिक सर्जरी पारंपरिक सर्जरी की तुलना में बहुत छोटे और कम आक्रामक निशान छोड़ती है।

रोबोटिक्स के आने से डॉक्टरों के सर्जरी करने के तरीके में सुधार हुआ है, जिसमें जॉइंट रिप्लेसमेंट भी शामिल है। जैसे-जैसे तकनीक बढ़ती है, अधिक से अधिक लोग इस तरह की सटीकता की मांग करते हैं कि रोबोटिक्स उनके कूल्हे और घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए प्रदान कर सके। एआई के नेतृत्व वाले ये रोबोट सर्जन को अपने निर्णय और ज्ञान को रोबोट के नियंत्रण और सटीकता के साथ संयोजित करने की अनुमति देते हैं, जिससे भविष्य में सर्जरी करने का तरीका बदल जाता है।

-लेखक एनएचएस हॉस्पिटल, जालंधर के सीनियर ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन हैं।

सबसे महत्वपूर्ण है टीकाकरण

गर्भावस्था के दौरान कोरोनारोधी टीकाकरण और बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाल रही हैं नई दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज की प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पुरी।

■ क्या टीकों से महिलाओं में बांझपन हो सकता है?

गलत सूचना वायरस से भी खतरनाक है। कोविड-19 के टीके समय परीक्षण तकनीकों का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। टीके शरीर को एक विशिष्ट रोगज़नक़ के खिलाफ प्रतिरक्षा विकसित करने में मदद करते हैं, यह शरीर के किसी अन्य ऊतक को प्रभावित नहीं करता है। वास्तव में, हम महिलाओं को और उनके अजन्मे बच्चे को विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए गर्भावस्था के दौरान भी हेपेटाइटिस बी, इन्फ्लुएंजा, पर्टुसिस जैसे कुछ टीके देते हैं। ये टीके किसी भी तरह से प्रजनन अंगों को प्रभावित नहीं करते हैं।

■ क्या एक भ्रूण मां से कोविड-19 का संक्रमण प्राप्त कर सकता है?

इस चिंता का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है। हमने कुछ अध्ययन किए हैं और पाया है कि प्लेसेंटा, एक अंग जो गर्भाशय में बनता है जिसमें एक भ्रूण बढ़ता है, एक सुरक्षात्मक बाधा के रूप में कार्य करता है। ऐसे कुछ मामले हैं जहां नवजात संक्रमित पाए गए लेकिन हमें यकीन नहीं है कि उन बच्चों को मां के गर्भ में संक्रमण हुआ या जन्म के तुरंत बाद। हालांकि, गर्भवती महिलाओं को संक्रमण को रोकने के लिए सभी सावधानियां बरतनी चाहिए क्योंकि कोविड-19 उन्हें और उनके बच्चे को कई अन्य तरीकों से प्रभावित कर सकता है।

■ अगर गर्भवती महिला में कोविड-19 के लक्षण दिखें तो उसे क्या करना चाहिए?

सबसे पहले, यदि उनमें कोविड-19 के कोई लक्षण हैं, तो उन्हें जल्द से जल्द अपना परीक्षण करवाना चाहिए, क्योंकि जितनी जल्दी हम निदान करेंगे, उतना ही बेहतर हम बीमारी का प्रबंधन कर सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान कोविड प्रबंधन डॉक्टर की सख्त निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जिन महिलाओं को मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा आदि जैसी बीमारियां हैं, उन्हें अधिक सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो सकती है। इसलिए, अपने चिकित्सक से परामर्श करें और पुनर्प्राप्ति अवधि के दौरान अपने चिकित्सक के संपर्क में रहें।

हम यह सुनिश्चित करने के लिए कि मां और भ्रूण ठीक हैं, कोविड-19 रिकवरी के बाद समग्र स्वास्थ्य जांच की जोरदार सिफारिश करते हैं।

■ एक कोविड-19 पॉजिटिव मां अपने नवजात शिशु की सुरक्षा कैसे कर सकती है? क्या वह स्तनपान करा सकती है?

एक मां को बच्चे को स्तनपान कराना जारी रखना चाहिए, लेकिन उसे सलाह दी जाती है कि जब वह स्तनपान नहीं कर रही हो तो बच्चे को उससे छह फीट की दूरी पर रखें। मां और बच्चे को हवादार कमरे में रहना चाहिए। नवजात शिशु को स्तनपान कराने से पहले, उसे अपने हाथ धोने चाहिए, मास्क या फेस शील्ड जैसे सुरक्षात्मक गियर पहनने चाहिए। उसे अपने आस-पास के वातावरण को भी बार-बार सेनेटाइज करना चाहिए। अगर बच्चे की देखभाल करने वाला कोई और न हो तो मां को हर समय मास्क पहनना चाहिए और जितना हो सके बच्चे से शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। सरकार ने मंजूरी दी है कि गर्भावस्था के दौरान भी महिलाओं को कोविड-19 के टीके लगाए जा सकते हैं। विस्तार से बताएं। दूसरी लहर के दौरान, कई महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोविड-19 का अनुबंध किया। कोविड, यदि गंभीर है, तो गर्भावस्था के दौरान गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकता है, विशेष रूप से अंतिम तिमाही के दौरान क्योंकि गर्भाशय बड़ा हो जाता है और डायाफाम पर दबाव डालता है, जिससे महिला की ऑक्सीजन संतृप्ति में गिरावट का सामना करने की क्षमता से समझौता होता है। इससे मां और बच्चे दोनों की जान को खतरा हो सकता है। टीके गर्भवती महिलाओं में गंभीर बीमारी को रोकने में मदद करेंगे।

कदम उठाने का समय

डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह का कहना है कि कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच, एनसीडी को रोकने, पता लगाने, नियंत्रण और उपचार के अवसरों का पूरी तरह से उपयोग किया जाना चाहिए।

गैर-संचारी रोग (एनसीडी) हर साल वैश्विक स्तर पर 41 मिलियन लोगों की जान लेते हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक समय से पहले ही मर जाते हैं। चार प्रमुख एनसीडी - हृदय रोग, कैंसर, पुरानी सांस की बीमारियां और मधुमेह - सभी समय से पहले होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं, जिनमें डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व भी शामिल है। एशिया क्षेत्र। प्रमुख एनसीडी जोखिम कारक जैसे तंबाकू का उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का हानिकारक उपयोग और अस्वास्थ्यकर आहार भी अवसाद और चिंता जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों में योगदान करते हैं और उन्हें बढ़ाते हैं। चल रही कोविड-19 प्रतिक्रिया के बीच, इस क्षेत्र के सभी देशों के लिए समय आ गया है कि वे एनसीडी को रोकने, पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई में तेजी लाएं, और हर किसी को इसकी जरूरत है।

एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों को गंभीर कोविड -19 से संबंधित बीमारी और मृत्यु का खतरा अधिक होता है। वे कई समूहों में से हैं जो विशेष रूप से महामारी से प्रभावित हुए हैं, जिसे सार्स सीओवी2 संक्रमण की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ परस्पर क्रिया द्वारा चिह्नित किया गया है, जो स्वयं सामाजिक और आर्थिक नुकसान से मध्यस्थता कर रहे हैं। संक्रमण की चल रही लहरों के बीच, डब्लूएचओ इस क्षेत्र के देशों को आक्रामक तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए समर्थन देना जारी रखेगा, साथ ही स्वास्थ्य इक्विटी को बढ़ाएगा और एनसीडी सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को बनाए रखेगा। टेलीमेडिसिन, विस्तारित नुस्खे, और दवाओं की डोर-स्टेप डिलीवरी जैसे उच्च-प्रभाव वाले नवाचारों का लाभ उठाना जारी रखना चाहिए, और सभी जोखिम वाले समूहों को सक्रिय रूप से राष्ट्रीय तैनाती और टीकाकरण योजनाओं के अनुरूप टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

एनसीडी के खिलाफ क्षेत्र की प्रगति रुकी नहीं, उलटी तो नहीं। 2014 से, इस क्षेत्र ने प्रमुख प्राथमिकता के रूप में एनसीडी को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। सभी देश राष्ट्रीय बहुक्षेत्रीय एनसीडी कार्य योजनाओं को लागू करना जारी रखते हैं। कोविड -19 प्रतिक्रिया के बीच भी, वे वैश्विक 2025 और 2030 एनसीडी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकांश देशों ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नीतियां विकसित की हैं, जिन्हें आने वाले महीनों और वर्षों में मजबूत करना जारी रखना चाहिए। क्षेत्र के लिए अपने कई लाभों की रक्षा और बचाव करने के लिए, और अधिक उत्प्रेरित करने के लिए, कई प्राथमिकताओं पर लक्षित ध्यान देने की आवश्यकता है।

सबसे पहले, नई पहल का पूरा लाभ उठाएं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में, डब्लूएचओ ने अपना ग्लोबल डायबिटीज कॉम्पैक्ट लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग बिना किसी वित्तीय कठिनाई के गुणवत्ता वाले मधुमेह निदान उपकरण, दवाएं और अन्य चिकित्सा उत्पादों तक पहुंच सकें। इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में गुणवत्ता-सुनिश्चित इंसुलिन तक पहुंच बढ़ाने पर महत्वपूर्ण प्रगति की है, हालांकि बाधाएं बनी रहती हैं, खासकर सबसे कमजोर लोगों के लिए। आने वाले महीनों में, कॉम्पैक्ट प्रौद्योगिकी और मूल्य निर्धारण में नए नवाचारों को चलाने के लिए तैयार है, जिसका क्षेत्र के सभी देशों को उपयोग करना चाहिए और अधिकतम प्रभाव पर लागू करना चाहिए।

दूसरा, सर्वश्रेष्ठ खरीद हस्तक्षेपों को लागू करना जिन्हें हम काम जानते हैं। साक्ष्य बताते हैं कि अस्वास्थ्यकर उत्पादों पर कराधान बढ़ाकर, नीति निर्माता खपत को कम कर सकते हैं, समग्र स्वास्थ्य को बढ़ा सकते हैं और व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य लागत को कम कर सकते हैं। इस प्रक्रिया में, वे राजकोषीय राजस्व में वृद्धि करेंगे, जिसे यदि स्वास्थ्य के लिए आवंटित किया जाता है, तो कोविड -19 से एक स्वास्थ्य और आर्थिक सुधार प्राप्त करने में मदद मिलेगी जो अधिक न्यायसंगत, लचीला और टिकाऊ है। अस्वास्थ्यकर उत्पादों के विपणन पर प्रतिबंध भी आवश्यक है, लेकिन इसमें सरोगेट विज्ञापन शामिल होना चाहिए, जिसका उद्देश्य युवाओं में ब्रांड की वफादारी पैदा करना है।

तीसरा, स्वास्थ्य प्रणालियों के भीतर एनसीडी को संबोधित करने के लिए कार्रवाई को मजबूत करना, विशेष रूप से फ्रंटलाइन पर। क्षेत्र का 2016 कोलंबो घोषणापत्र सभी लोगों के लिए प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता, एकीकृत एनसीडी सेवाओं तक पहुंच की आवश्यकता पर जोर देता है, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली परामर्श, शीघ्र निदान के लिए लक्षित जांच, और प्रभावी एनसीडी प्रबंधन के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाएं और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इस क्षेत्र के सभी देशों ने इनमें से प्रत्येक क्षेत्र में और अधिक में जबरदस्त प्रगति की है, जो प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए डब्ल्यूएचओ का नया परिचालन ढांचा पूरे कोविड -19 प्रतिक्रिया, वसूली और उससे आगे में तेजी लाने में मदद कर सकता है।

जन केंद्रित नीति समय की मांग है। सामुदायिक पहुंच और जुड़ाव को तेज करके, नीति निर्माता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग एनसीडी के लक्षणों और लक्षणों को समझें, और परीक्षण और इलाज कैसे करें। महत्वपूर्ण रूप से, वे आम तौर पर स्वास्थ्य और एनसीडी साक्षरता को भी बढ़ा सकते हैं, लोगों को निवारक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जैसे नियमित और पर्याप्त शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ भोजन और तंबाकू और अन्य अस्वास्थ्यकर उत्पादों से परहेज।

संपूर्ण-सरकार, संपूर्ण-समाज की खरीद-फरोख्त हासिल करना आवश्यक है। नीति निर्माताओं को सभी क्षेत्रों में प्रमुख अभिनेताओं के साथ जुड़ाव तेज करना चाहिए, और एनसीडी के साथ रहने वाले लोगों की अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण की तलाश करनी चाहिए, जो मौजूदा अंतराल की सबसे अच्छी पहचान कर सकते हैं।

लेखिका डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया की क्षेत्रीय निदेशक हैं।

समरकूलर

शकरकंद

शकरकंद एक स्टार्चयुक्त जड़ वाली सब्जी है जो मीठी और स्टार्चयुक्त दोनों होती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। वे एंटीऑक्सिडेंट में भी उच्च होते हैं, जो आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

शकरकंद में मैग्नीशियम की मात्रा भी अधिक होती है, जो तनाव और चिंता को दूर करने में मदद कर सकता है। वे अपने विरोधी भड़काऊ प्रभावों के लिए भी जाने जाते हैं, जो शरीर को सूजन को कम करने में सहायता करते हैं।

चूंकि शकरकंद में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए वे रक्तचाप को प्रबंधित करने में मदद कर सकते हैं। वे विटामिन ए में भी उच्च होते हैं, जो हमारी दृष्टि के लिए फायदेमंद होते हैं। शकरकंद को याददाश्त बढ़ाने वाला भोजन भी माना जाता है।

महामारी के साए में शिक्षा

महामारी के दौरान शिक्षा कई बदलावों से गुजरी है। हालांकि, उनकी स्थायीता पर सवाल अनुत्तरित है। विशेषज्ञों का मानना है कि बेहतर परिणाम के लिए सिस्टम में बदलाव की जरूरत है। प्रस्तुत है मुसबा हाशमी की रिपोर्ट।

पिछले साल मार्च में कुछ महीनों में खुलने की उम्मीद में स्कूलों के गेट बंद कर दिए गए थे, लेकिन वह महीना कभी नहीं आया। महामारी में 18 महीने से अधिक समय हो गया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि भौतिक कक्षाएं कब फिर से शुरू होंगी – हालांकि, यह इतिहास का हिस्सा नहीं बनेगी।

ऑनलाइन क्लास से लेकर नो बोर्ड्स तक, इस दौरान शिक्षा क्षेत्र में कई अभूतपूर्व बदलाव देखने को मिले। क्या ये बेहतर के लिए थे एक सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

50:50 परिदृश्य

हालांकि, बोर्ड या स्कूल मूल्यांकन निर्णयों में लगातार आना-जाना शिक्षा क्षेत्र में कई दोष रेखाओं को उजागर करता है। शोर-शराबे के बीच छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। ''महामारी ने वास्तव में, शिक्षा क्षेत्र में दोष रेखाओं और मूलभूत दोषों को उजागर किया है जो पहले भी मौजूद थे। हमें इस अवसर का उपयोग न केवल महामारी के माध्यम से करने के लिए करना चाहिए, बल्कि अच्छी शिक्षा के ध्वनि वैज्ञानिक सिद्धांतों के आधार पर प्रणाली को खरोंच से सुधारने के लिए करना चाहिए'', कहना है, डॉ जमशेद भरूचा, संस्थापक कुलपति, साईं विश्वविद्यालय का। वह कहते हैं कि सीबीएसई बोर्डों पर 50-50 का फॉर्मूला संकट की परिस्थितियों में एक समझने योग्य निर्णय है, लेकिन इसे भविष्य के लिए प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देना चाहिए।

हालांकि, भरूचा कहते हैं, ''मुझे यह जानने में दिलचस्पी होगी कि 10वीं और 11वीं को समान महत्व क्यों दिया जाता है, क्योंकि छात्रों को 11वीं को कम महत्वपूर्ण के रूप में देखने की शर्त है।

छात्रों को 11वीं की परीक्षा को गंभीरता से नहीं लेने के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जो कि सिस्टम द्वारा उन्हें एक सनकी संदेश दिया गया है।''

जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय के पदनामित कुलपति प्रोफेसर धीरज सांघी का मानना है कि छात्रों में चिंता और तनाव को कम करने के लिए एक अल्पकालिक उपाय के रूप में, यह एक स्वागत योग्य कदम है। लेकिन यह गुणवत्ता के मुद्दे को बिल्कुल भी संबोधित नहीं करता है।

दूसरी ओर, डॉ संजय गोविंद पाटिल, एसोसिएट डीन और निदेशक – आरआईसीएस स्कूल ऑफ बिल्ट एनवायरनमेंट, एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई का कहना है कि पाठ्यक्रम को तोड़ने में मदद करने के लिए यह एक बहुत ही सराहनीय कदम है। ''मैं इस कदम की पूरी तरह से पुष्टि करता हूं क्योंकि यह पूरे मूल्यांकन को छोटे भागों में तोड़ देगा; इसलिए, सीखना बहुत बेहतर होगा। पिछले भाग की परीक्षा में छात्रों की कमियों को अगली परीक्षा में एक मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से दूर किया जा सकता है, इस प्रकार एक बेहतर सीखने का परिणाम प्राप्त होता है'', पाटिल का मानना है।

व्यवस्था को पुनः ऊर्जावान बनाएं

भरूचा कहते हैं, उच्च-दांव परीक्षा, सीखने पर शोध में कोई अनुभवजन्य समर्थन नहीं है। सीखने की प्रवृत्ति क्षणिक होती है, सार्थक संदर्भ से रहित होती है, और उन समस्याओं के लिए अच्छी तरह से स्थानांतरित नहीं होती है जिन्हें छात्रों को पेशेवरों के रूप में हल करना होगा। अनुसंधान से पता चलता है कि, यदि बार-बार प्रशासित किया जाता है – प्रत्येक परीक्षा के बाद प्रतिक्रिया और अलग-अलग तरीकों से एक ही सामग्री के बार-बार परीक्षण के साथ – परीक्षा केवल मूल्यांकन के लिए नहीं, बल्कि सीखने के लिए शक्तिशाली उपकरण हो सकती है।

''उच्च-दांव परीक्षाओं पर भरोसा करना जारी रखते हुए सिस्टम ने छात्रों को विफल कर दिया है। हाई स्कूल में आपने जो सीखा है उसका माप एक हाई स्कूल परीक्षा में एक अंक क्यों होना चाहिए? इसे यह क्यों निर्धारित करना चाहिए कि आप भविष्य में क्या कर सकते हैं और क्या नहीं? मस्तिष्क कैसे सीखता है, इस पर शोध पूरी तरह से सीखने और मूल्यांकन की इस प्रणाली के विपरीत हैं'', भरूचा कहते हैं।

वह कहते हैं कि इस बैच के लिए सीबीएसई बोर्ड के फैसले समझ में आते हैं, लेकिन वे बैंड-एड्स हैं; उन छात्रों को फिर से सक्रिय करने, सलाह देने और सशक्त बनाने के लिए सार्थक कदम उठाए जाने चाहिए जिनकी शिक्षा बाधित हो गई और जीवन भ्रम में पड़ गया। इनमें से अधिकांश छात्र, शायद, समायोजित हो जाएंगे और ठीक हो जाएंगे। लेकिन, कुछ संकीर्ण क्रीडेंशियल और करियर चैनलिंग की इस कठोर प्रणाली की दरार के बीच पड़ सकते हैं।

पोषित करने का समय

भरूचा कहते हैं, ''बोर्ड को एक समिति की स्थापना करनी चाहिए जिसमें हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो – छात्रों सहित – प्रतिकूल रूप से प्रभावित छात्रों की चिंताओं को सुनने और इन छात्रों को जीवन में वापस ट्रैक पर लाने के तरीकों का प्रस्ताव करने के लिए। एक राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हर एक बच्चे के पास एक उत्पादक मार्ग हो।''

बोर्ड को हाई स्कूल स्तर पर एनईपी की सिफारिशों को लागू करने के लिए एक विविध ब्लू-रिबन समिति भी स्थापित करनी चाहिए। लक्ष्य छात्रों की अनूठी प्रतिभाओं और कमियों को सक्षम करना और उन्हें अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए मौलिक संज्ञानात्मक उपकरण देना होना चाहिए। समाज को तब लाभ होता है जब सभी प्रतिभाओं को उजागर किया जाता है – अपनी सभी समस्याग्रस्त लेकिन शानदार विविधता में।

''छात्रों को धाराओं के बीच अपरिवर्तनीय विकल्प बनाने के लिए मजबूर करने का कोई अनुभवजन्य आधार नहीं है। एक छात्र को गणित और साहित्य, कंप्यूटर और संगीत, जीव विज्ञान और अर्थशास्त्र से प्यार हो सकता है। यह विचारों का अप्रत्याशित संयोजन है जो भविष्य के नवाचारों को गति देगा – और निरंतर नवाचार ही अर्थव्यवस्थाओं को संचालित करता है। हम, शिक्षकों के रूप में, गहराई से गलत हैं यदि हम मानते हैं कि हम जानते हैं कि ज्ञान की कौन सी शाखाएं हमारे बच्चों के सर्वोत्तम हित में हैं।'' भरूचा कहते हैं।

सांघी का कहना है कि शिक्षा में गुणवत्ता की समस्या महामारी से बहुत पहले से ही जानी जाती थी। ''मुझे लगता है कि स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता की समस्याएं महामारी से बहुत पहले से जानी जाती थीं। एनुअल स्टेट ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (एएसईआर) हमें बता रही है कि हमारे छात्र हमारे मानकों के साथ भी कितना खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। जहां तक अंतरराष्ट्रीय मानकों का सवाल है, हमने प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स असेसमेंट (पीआईएसए) में भी हिस्सा नहीं लिया है।''

> ''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं - महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा''
>
> — प्रो. धीरज सांघी, वीसी डेसिगनेट
> जेके लक्ष्मीपत यूनीवर्सिटी

प्रौद्योगिकी मिथक का भंडाफोड़

फिर भी, महामारी ने एक मिथक को उजागर कर दिया है कि तकनीक हमारी सभी समस्याओं का समाधान करेगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रौद्योगिकी मदद कर सकती है, लेकिन हमने महामारी के दौरान देखा है कि प्रौद्योगिकी तक पहुंच सीमित है। इंटरनेट का उपयोग करने वाले या उच्चतम प्रति व्यक्ति डेटा खपत वाले मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की सबसे बड़ी संख्या होने पर हमें गर्व हो सकता है, लेकिन यह सब विषम है, और गरीबों की अभी भी ऑनलाइन शिक्षा तक बहुत कम पहुंच है। अगर हम अपनी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहना चाहते हैं, तो हमें इस बारे में गंभीरता से सोचना होगा कि हमारे समाज के वंचित वर्गों को उपकरणों और डेटा दोनों तक कैसे पहुंच प्राप्त हो सकती है, और शायद ऐसी जगह जहां वे शांति से अध्ययन कर सकें, सांघी का कहना है।

ऑनलाइन पढ़ाने के लिए मजबूर होना सीखने के निष्क्रिय रूपों की ज्ञात कमजोरी को उजागर करता है जिसमें शिक्षक बोलते हैं और छात्र सुनते हैं। छात्रों का ध्यान ऑनलाइन रखने के लिए शिक्षकों को ऑनलाइन सत्र को और अधिक इंटरैक्टिव बनाना पड़ा है।

''लेकिन सक्रिय और संवादात्मक शिक्षण भौतिक कक्षा में भी आदर्श होना चाहिए। भौतिक कक्षा में, एक छात्र शारीरिक रूप से उपस्थित हो सकता है लेकिन मानसिक रूप से अनुपस्थित हो सकता है। केवल छात्रों को कक्षा में सक्रिय रूप से व्यस्त रखने (बोलने, समस्याओं को हल करने, सहयोग करने, निर्माण करने) से ही सार्थक और स्थायी सीखने को अनुकूलित किया जा सकता है। तो, आइए मौलिक सुधार के एजेंडे के साथ महामारी से बाहर निकलें जो एक अस्थायी संकट से अधिक है'', भरूचा कहते हैं।

महामारी के बाद की योजना

चूंकि हम उस तरह की महामारी के बीच हैं जो 100 वर्षों से दुनिया में नहीं हुई है, सांघी कहते हैं, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया होने जा रही है, और निर्णय बदल जाएंगे क्योंकि वायरस का प्रक्षेपवक्र बदल जाता है।

वो आगे बताते हैं, ''तो, भ्रम होगा, और इससे छात्रों में चिंता और तनाव पैदा होगा। हमें दो पहलुओं पर काम करने की जरूरत है। एक, क्या करें जबकि महामारी अभी भी एक खतरा है, और शिक्षा में व्यवधान देखना जारी रहेगा। और दूसरा, क्या करें जब महामारी का खतरा पर्याप्त रूप से फीका हो गया है, और हम कुछ सामान्य स्थिति में वापस आ गए हैं।''

वर्तमान परिदृश्य में, विशेषज्ञों का मानना है कि हमें शिक्षा के कुछ अंशों को जारी रखना चाहिए, कम से कम जो इसके अधिक महत्वपूर्ण पहलू माने जाते हैं, इसलिए हमने पाठ्यक्रम, आसान परीक्षा, ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक प्रशिक्षण, गरीबों के लिए प्रौद्योगिकी तक पहुंच को कम कर दिया है। और इसी तरह।

''जब हम अंत में खुलते हैं, तो हमें अगले कुछ वर्षों के पाठ्यक्रम को फिर से डिजाइन करने की आवश्यकता हो सकती है। शायद कुछ फ्रेशर कोर्स। प्रत्येक स्कूल बोर्ड को महामारी के बाद के परिदृश्य की सावधानीपूर्वक योजना बनानी होगी। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे अब दोनों को कवर करना चाहते हैं – महामारी और अगली कक्षाओं के सामान्य पाठ्यक्रम के दौरान क्या बचा था। यह छात्रों पर बहुत अधिक बोझ होगा'', सांघी का कहना है।

मूल्यांकन में लाएं ईमानदारी

विशेषज्ञों का कहना है कि स्कूली शिक्षा के हर पहलू में कई मुद्दे हैं। और हमें संपूर्ण शिक्षा प्रक्रिया पर समग्र रूप से पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, कुछ साधारण चीजें अल्पावधि में शिक्षा की गुणवत्ता में काफी सुधार कर सकती हैं।

''एक विचार यह सुनिश्चित करना है कि बोर्ड की मार्कशीट पर छपे अंक छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को दर्शाते हैं। और, मैं इस वर्ष की प्रक्रिया की बात नहीं कर रहा हूं, जहां आपको अपने प्रदर्शन के आधार पर कुछ पूरी तरह से अलग अंक दिए जाते हैं। पूर्व-कोविड समय में भी, सीबीएसई छात्रों द्वारा प्राप्त वास्तविक अंकों में बहुत सारे अंक जोड़ देगा। यह उन व्यावहारिक अंकों के बगल में है जहां पूरे देश को सही अंक मिलते हैं। और वह आसान पेपर और एक अत्यंत उदार ग्रेडिंग के शीर्ष पर है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि सीबीएसई की भारत में सर्वश्रेष्ठ स्कूल बोर्डों में से एक होने की प्रतिष्ठा है। अगर हम बोर्डों द्वारा मूल्यांकन में ईमानदारी ला सकते हैं, तो सिस्टम के भीतर बेहतर प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होगा'', सांघी कहते हैं।

वह कहते हैं कि बोर्ड ईमानदार नहीं हो सकते क्योंकि स्कूल बोर्डों के बीच दूसरों की तुलना में अधिक बेईमान होने की प्रतिस्पर्धा है – नीचे तक की दौड़। वे इसे इस आधार पर सही ठहराते हैं कि अगर एक बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उसके छात्रों को उन विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा जो केवल बारहवीं कक्षा के अंक देखते हैं। इसके अलावा, अगर एक राज्य बोर्ड ईमानदार होने की कोशिश करता है, तो उस राज्य में उत्तीर्ण प्रतिशत कम हो जाएगा, जिससे राजनीतिक मुद्दे पैदा होंगे। और स्पष्ट रूप से, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कोई राजनीतिक क्षेत्र नहीं है। गुणवत्ता के लिए भुगतान की जाने वाली केवल एक होंठ सेवा है।

अधिक बोर्डों की आवश्यकता

सांघी कहते हैं कि इन बदलावों की शुरुआत बड़ी संख्या में स्कूल बोर्ड होने से होनी चाहिए। ''शायद हर जिले में एक होना चाहिए। कुछ स्कूल बोर्ड हो सकते हैं जो राज्यव्यापी हैं और कुछ राष्ट्रीय हैं। 100 छोटे स्कूल बोर्ड होने से, कुछ बोर्डों के लिए गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयोग करना संभव होगा जो सफल हो सकते हैं, और अन्य इससे सीख सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्तिगत बोर्डों पर राजनीतिक दबाव कम होगा यदि वे सभी कम संख्या में छात्रों को प्रभावित करते हैं'', सांघी का कहना है।

दूसरा, विभिन्न विषयों में कुछ मानकीकृत परीक्षण हो सकते हैं जो छात्रों के लिए वैकल्पिक होंगे। छात्र उन परीक्षाओं को तभी देंगे जब वे जिस विश्वविद्यालय की तलाश कर रहे हैं, वह इन परीक्षा अंकों को प्रवेश तय करने में एक इनपुट के रूप में मानता है। ''विश्वविद्यालयों को प्रवेश रणनीतियां विकसित करनी चाहिए जो कई मानकों पर विचार करती हैं (और लोकप्रिय धारणा के विपरीत, एक पूरी तरह से उद्देश्य प्रणाली होना संभव है जो कई मानकों पर विचार करता है)। यदि प्रवेश मानकीकृत परीक्षणों और छात्रों की अन्य उपलब्धियों पर आधारित हैं, तो हम छह महीने पहले प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। छात्रों को बोर्ड परीक्षा से पहले प्रवेश की पेशकश की जा सकती है, और फिर वे उन परीक्षाओं को तनाव मुक्त तरीके से देंगे'', सांघी कहते हैं।

भरूचा का मानना है, ''भविष्य में, मूल्यांकन के निरंतर तरीकों को अपनाया जाना चाहिए (द्वि-साप्ताहिक या मासिक)। अनुसंधान से पता चलता है कि बार-बार मूल्यांकन अंत में एकल मूल्यांकन की तुलना में अधिक स्थायी सीखने का उत्पादन करता है; यह आखिरी महामारी नहीं होगी, और न ही होगी यह आखिरी संकट है जो हमारे जीवन को बाधित करता है। सीखना और मूल्यांकन दोनों निरंतर होना चाहिए। किसी भी समय क्रॉस-सेक्शन में, छात्र, स्कूल और बोर्ड को पता होना चाहिए कि छात्र कहां खड़ा है।''

भारत की पुरुष हाकी टीम का जीत से आगाज

● पी आर श्रीजेश का उम्दा प्रदर्शन

पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड व महिला टीम को नीदरलैंड ने हराया

भाषा। तोक्यो

निर्णायक क्षणों में दीवार की तरह अडिग गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को न्यूजीलैंड को 3 -2 से हराकर अपने ओलंपिक अभियान का आगाज जीत के साथ किया।

वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम ने भी शनिवार को तोक्यो ओलंपिक में यहां पूल के शुरूआती मैच में दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले दो क्वार्टर में दमदार खेल दिखाया लेकिन अंत में।-5 से हार गई। फेलिसे एलबर्स ने छठे ही मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी थी लेकिन भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने 10वें मिनट में टीम को।-। से बराबरी पर ला दिया। भारतीय खिलाड़ियों ने पहले दो क्वार्टर में बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया जिससे हाफ टाइम तक स्कोर बराबर रहा। लेकिन ब्रेक से उनकी लय टूट गई और नीदरलैंड ने आक्रामक खेल दिखाते हुए तीन गोल कर डाले। इससे भारतीय टीम की उलटफेर करने की उम्मीद टूट गई। मारगोट वान जेफेन ने 33वें मिनट में नीदरलैंड को बढ़त दिला दी। इसके बाद तीन बार की ओलंपिक चैम्पियन और मौजूदा रजत पदक विजेता टीम ने लगातार दो गोल कर दिए जिसमें एलबर्स ने 43वें मिनट में और फ्रेडरिक माटला ने 45वें मिनट में गोल दागे। इतना ही काफी नहीं था कि नीदरलैंड ने काईया जैकलीन वान मासाकर के 52वें मिनट में छठे पेनल्टी कार्नर से पांचवां गोल कर दिया। भारतीय टीम अब पूल ए के अगले मैच में 26 जुलाई को जर्मनी से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड के लिए पहला गोल छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ केन रसेल ने दागा। रूपिंदर पाल सिंह ने दसवें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके भारत को बराबरी दिलाई। हरमनप्रीत सिंह ने 26वें और 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए जबकि न्यूजीलैंड के लिए 43वें मिनट में स्टीफन जेनिस ने दूसरा गोल दागा। लगभग बराबरी के इस मुकाबले में आक्रामकता और गेंद पर नियंत्रण के मामले में बार बार पलड़ा बदलता रहा। मैच में बेशुमार रेफरल लिए गए जिससे दक्षिण अफ्रीकी वीडियो अंपायर पीटर राइट को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

भारत के अनुभवी गोलकीपर श्रीजेश ने आठ में से छह शॉट बचाए और छह पेनल्टी कॉर्नर में सिर्फ एक बार नाकाम रहे। न्यूजीलैंड को मैच खत्म होने से 24 सेकंड पहले भी एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन उस पर गोल नहीं हो सका। भारत को अब रविवार को आस्ट्रेलिया से खेलना है जिसने पूल ए के एक अन्य मैच में जापान को 5-3 से हराया। भारतीय कोच ग्राहम रीड ने जीत के बाद कहा , ओलंपिक में पहले ही मैच में पूरे तीन अंक लेना अहम है। हमें हालांकि प्रदर्शन में सुधार करना होगा। वीडियो देखने के बाद पता चलेगा कि कहां कमियां रह गई। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए उनकी टीम पूरी तरह से तैयार है।उन्होंने कहा , हमने बेंगलुरू में इस पर मेहनत की है। यह कठिन मैच होगा लेकिन हम इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

आठ बार के ओलंपिक चैम्पियन भारत ने आखिरी बार खेलों के महासमर में पदक मॉस्को में 1980 में जीता था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंची मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली मौजूदा टीम को तोक्यो में पदक के दावेदारों में गिना जा रहा है। पहले क्वार्टर में हालांकि 1976 मांट्रियल ओलंपिक की रजत पदक विजेता न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी रहा जिसने छठे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर बढत लेकर भारतीय खेमे में हलचल मचा दी। भारत को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर रूपिंदर पाल का शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। जवाबी हमलों में भारत को दसवें मिनट में पहले पेनल्टी कॉर्नर और फिर पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे रूपिंदर ने गोल में बदलकर भारत को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह गोल करने से चूके जिनके शॉट को न्यूजीलैंड के गोलकीपर लियोन हैवर्ड ने बचा लिया। भारत ने 26वें मिनट में वीडियो रेफरल पर पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। भारतीय टीम ने इस पर वैरिएशन लिया और हरमनप्रीत ने ड्रैग फ्लिक पर गोल दागा जो उनका 75वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। दूसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला और उन्होंने तेज रफ्तार हॉकी भी खेली। तीसरे क्वार्टर की शुरूआत भी रेफरल से हुई जब दिलप्रीत सिंह ने मनप्रीत को सर्कल के पास गेंद सौंपी लेकिन वह न्यूजीलैंड के डिफेंडर के पैर से टकराई। वीडियो अंपायर राइट ने भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिया और हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में मिले इस मौके को भुनाते हुए भारत को 3-1 से बढ़त दिला दी। न्यूजीलैंड ने इसके बाद लगातार जवाबी हमले बोले लेकिन श्रीजेश, अनुभवी डिफेंडर बीरेंद्र लाकड़ा और अमित रोहिदास ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। इस क्वार्टर के आखिरी मिनटों में हालांकि भारतीय रक्षा पंक्ति ने ढिलाई बरती और उसका खामियाजा भुगतना पड़ा। निक विल्सन से मिले शानदार पास पर अनुभवी स्ट्राइकर जेनिस ने खूबसूरत फील्ड गोल दागकर मैच को जीवंत कर दिया। आखिरी क्वार्टर में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन बेहतर रहा। हूटर से चार मिनट बाकी रहते ललित उपाध्याय का शॉट विरोधी गोलकीपर हैवर्ड ने बचाया। न्यूजीलैंड को 57वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनके खिलाफ भारत का रेफरल वीडियो अंपायर ने ठुकरा दिया। न्यूजीलैंड टीम हालांकि इस पर गोल करने में नाकाम रही। मैच खत्म होने में 24 सेकंड बाकी रहते न्यूजीलैंड को पेनल्टी कॉर्नर मिला और रसेल जैसे दिग्गज के उनकी टीम में रहते भारतीय प्रशंसकों की सांसें थम गई। श्रीजेश ने हालांकि मुस्तैदी से बचाव करके संकट को टाला और भारत की जीत सुनिश्चित की।

ओलंपिक में रविवार को भारत का कार्यक्रम

भारतीय (खिलाड़ियों और टीम) कार्यक्रम (भारतीय समयानुसार), कलात्मक जिमनास्टिक्स : सुबह साढ़े छह बजे : महिला क्वालीफिक्वेशन - सब डिविजन : प्रणति नायक ,बैडमिंटन:सुबह 7:10 बजे - महिला एकल ग्रुप मैच में पीवी सिंधु बनाम केसेनिया पोलिकारपोवा (इस्राइल),मुक्केबाजी: दोपहर 01:30 बजे : 51 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले में एम सी मैरीकॉम बनाम हर्नांडिज गार्सिया (डोमिनिका गणराज्य),दोपहर 03:06 बजे : 63 किग्रा के शुरूआती राउंड 32 मुकाबले में मनीष कौशिक बनाम ल्यूक मैकोरमैक (ब्रिटेन),हॉकी:दोपहर 03:00 बजे - पुरुषों के पूल ए मैच में भारत बनाम आस्ट्रेलिया, सेलिंग:सुबह 08:35 बजे:- महिला वन पर्सन डिंघी - लेजर रेडियल (पहली रेस, दूसरी रेस) नेत्रा कुमानन ,सुबह 11:05 बजे : पुरुषों की वन पर्सन डिंघी - लेजर (पहली रेस, दूसरी रेस) भारत के विष्णु सरवनन,नौकायन : सुबह 6 बजकर 40 मिनट : लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स रेपेशाज (भारत) , निशानेबाजी:सुबह 05:30 बजे : महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिक्वेशन में यशस्विनी सिंह देसवाल और मनु भाकर, सुबह 07:45 बजे : महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल , सुबह 06:30 बजे: स्कीट पुरुष क्वालीफिक्वेशन - पहला दिन (मैराज अहमद खान और अंगद वीर सिंह बाजवा) ,सुबह 09:30 बजे: पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल क्वालिफिक्वेशन में दीपक कुमार और दिव्यांश सिंह पंवार। दोपहर 12:00 बजे : पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल टेबल टेनिस: सुबह 10:30 बजे : पुरुष एकल दूसरा दौर : जी साथियान बनाम लाम सियु हांग (हांगकांग), दोपहर 12:00 बजे: महिला एकल दूसरा दौर : मनिका बत्रा बनाम मारयोटा पेसोत्सका (यूक्रेन),टेनिस: सुबह 7:30 बजे से शुरू महिला युगल के पहले दौर के मैच में सानिया मिर्जा और अंकिता रैना बनाम लिडमयला और नादिया किचनोक (यूक्रेन)तैराकी : दोपहर तीन बजकर 32 मिनट : महिलाओं की 100 मीटर बैकस्ट्रोक: पहली हीट - माना पटेल ,दोपहर चार बजकर 26 मिनट : पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक: तीसरी हीट - श्रीहरि नटराज

विकास का मुक्का निकला बेदम,ओलंपिक से बाहर

● पहले दौर में जापान के ओकाजावा से हारे

तोक्यो। भारतीय मुक्केबाज विकास कृष्ण (69 किग्रा) शनिवार को यहां ओलंपिक खेलों में अपने पहले मुकाबले में स्थानीय दावेदार सेवोनरेट्स क्रिन्सी मेनसाह ओकाजावा के खिलाफ कंधे में चोट के साथ खेले और उन्हें 0-5 की एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले के दौरान 29 साल के विकास की बाईं आंख के नीचे कट भी लग गया। भारत के हाई परफोर्मेंस निदेशक सेंटियागो नीवा ने इटली में टीम के ओलंपिक से पहले ट्रेनिंग सत्र के संदर्भ में कहा, इटली में टीम के अंतिम ट्रेनिंग सत्र (तोक्यो के लिए टीम के रवाना होने से पहले) के दौरान उसके कंधे में चोट लग गई थी। उसका उपचार किया गया और हमने उम्मीद की थी कि वह ठीक हो जाएगा, उसने बिना किसी समस्या के शुरुआत की।लेकिन जब उसने ओकाजावा के शरीर पर मुक्का जड़ने का प्रयास किया तो उसके कंधे में फिर चोट लग गई और वह अपने बाएं हाथ का सही इस्तेमाल नहीं कर पाया। उसने आज

एक हाथ के साथ मुकाबला लड़ा। विकास शनिवार को चुनौती पेश करने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज थे। उन्होंने ओकाजावा को पिछले साल एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के दौरान हराया था। शनिवार को जापान के ओकाजावा ने शुरुआत से अंत तक मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और उन्हें दो बार के ओलंपियन भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। विकास के करीबी मित्र और नियमित तौर पर उनके साथ अभ्यास मुकाबले करने वाले नीरज गोयत ने कहा, पूरे मुकाबले के दौरान विकास को काफी दर्द हो रहा था। घाना मूल के 25 वर्षीय मुक्केबाज ओकाजावा 2019 एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं और उन्होंने उसी साल विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। ओकाजावा राउंड आफ 16 में तीसरे वरीय क्यूबा के रोनियल इग्लेसियास से भिड़ेंगे। इग्लेसियास 2012 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं। रविवार को छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मेरीकोम (51 किग्रा) और राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मनीष कौशिक पहले दौर के अपने मुकाबले खेलेंगे। नीवा ने कहा, भारतीयों के लिए ड्रॉ मुश्किल है लेकिन हम ओलंपिक में हैं और यहां कुछ भी आसान नहीं होता। सभी चाहते हैं कि शुरुआत थोड़ी आसान हो लेकिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाने का यह कोई कारण नहीं है।

तीरंदाजी मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में कोरिया से हारा भारत

तोक्यो। रैंकिंग के आधार पर यह उचित फैसला था लेकिन तीरंदाजी मिश्रित युगल में दीपिका कुमारी के साथ अतनु दास की जगह प्रवीण जाधव की जोड़ी बनाना रणनीतिक रूप से गलती नजर आती है और अंतिम लम्हों पर बनाई गई यह जोड़ी शनिवार को यहां तोक्यो खेलों में पदक की दौड़ से बाहर हो गई। दीपका और जाधव की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ 2-6 की हार के दौरान बिलकुल भी लय में नहीं दिखी और शीर्ष वीरीय टीम के उम्मीद के मुताबिक नहीं खेलने के बावजूद हार गई। कोरियाई टीम में 17 साल के किम जे दियोक और 20 साल की आन सान थी जो दोनों ओलंपिक में पदार्पण कर रहे थे। कोरियाई जोड़ी ने दो सेट संभावित 40 में से 35 अंक बनाने के बावजूद जीत लिए जो दर्शाता है कि दोनों ही जोड़ियां उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाईं। पुरूषों के रैंकिंग दौर में शुक्रवार को खराब स्कोर के बाद भारत ने दीपिका के साथ उनके पति अतनु दास की बजाय जाधव को मिश्रित युगल में उतारने का फैसला किया। एक महीने से भी कम समय पहले दास और दीपिका ने पेरिस विश्व कप में मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता था। मिश्रित टीमों का गठन स्कोर के आधार पर होता है और शुक्रवार को जाधव ने रैंकिंग दौर में 31वें स्थान के साथ दीपिका के पसंदीदा जोड़ीदार दास से बेहतर प्रदर्शन किया। दास 35वें स्थान पर रहे थे। देश के पास हालांकि एक घंटे के भीतर अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन चुनने के लिए खिलाड़ियों को बदलने का विकल्प होता है लेकिन भारतीय थिंक टैंक ने दीपिका और जाधव के साथ ही उतरने का फैसला किया।

नागल एकल मैच जीतने वाले तीसरे भारतीय बने

तोक्यो। सुमित नागल ओलंपिक में 25 साल में पुरूष एकल स्पर्धा में जीत दर्ज करने वाले तीसरे भारतीय टेनिस खिलाड़ी बन गए जिन्होंने तोक्यो खेलों में डेनिस इस्तोमिन को तीन सेटों में हराया। नागल ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में इस्तोमिन को 6-4, 6-7, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना दूसरे दौर में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव से होगा। जीशान अली ने सियोल ओलंपिक 1988 की टेनिस पुरूष एकल स्पर्धा में परागवे के विक्टो काबालेरो को हराया था। उसके बाद लिएंडर पेस ने ब्राजील के फर्नांडो मेलिजेनी को हराकर अटलांटा ओलंपिक 1996 में कांस्य पदक जीता था। पेस के बाद से कोई भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक में एकल मैच नहीं जीत सका है। सोमदेव देववर्मन और विष्णु वर्धन लंदन ओलंपिक 2012 में पहले दौर में ही हार गए थे। नागल ने मैच के बाद कहा, दूसरा सेट 5-3 से गंवाने के बाद इस तरह के गर्म मौसम में वापसी करना आसान नहीं था। मैं देश की तरफ से खेल रहा था और इससे मुझे प्रेरणा मिली। मैं नहीं जानता कि यदि मैं चैलेंजर में खेल रहा होता तो मैं क्या करता। मैं कोर्ट से खुश होकर लौटा। यहां वास्तव में काफी गर्मी और उमस है। ऐसे मौसम में खेलना बहुत मुश्किल है विशेषकर दोपहर 12 बजे के आसपास स्थिति बुरी होती है। इसलिए मैं सर्विस पर ध्यान देने की कोशिश कर रहा था। यह चुनौतीपूर्ण है और मैं क्ले कोर्ट से हार्ड कोर्ट पर सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा हूं। अब उनके सामने आस्ट्रेलियाई ओपन के उप विजेता मेदवेदेव की कड़ी चुनौती होगी।

मिश्रित युगल में हारी भारतीय जोड़ी, मनिका और सुतिर्था ने जीत से की शुरूआत

तोक्यो। भारत की मिश्रित टेबल टेनिस स्पर्धा में पदक जीतने की उम्मीदों पर शनिवार को पानी फिर गया लेकिन मनिका बत्रा और सुतिर्था मुखर्जी ने यहां तोक्यो ओलंपिक की महिला एकल स्पर्धा में जीत से अभियान शुरू किया।

अचंत शरत कमल और मनिका बत्रा के मिश्रित युगल वर्ग के अंतिम 16 में हारने से भारत का टेबल टेनिस अभियान निराशाजनक तरीके से शुरू हुआ था। भारतीय जोड़ी को तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपै के लिन युन जू और चेंग आई चिंग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दुनिया की 62वें नंबर की खिलाड़ी मनिका ने ब्रिटेन की 94वीं रैंकिंग की खिलाड़ी टिन टिन हो को एकल स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 4-0 से हरा दिया जबकि 98वीं रैंकिंग की सुतिर्था ने भी ओलंपिक पदार्पण में प्रभावित किया, उन्होंने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्वीडन की 78वीं रैंकिंग की लिंडा बर्गस्ट्रोम को 4-3 (5-11, 11-9, 11-13, 9-11, 11-3, 11-9, 11-5) से मात दी। सुतिर्था का सामना अब दूसरे दौर में पुर्तगाल की फु यु से होगा जबकि मनिका यूक्रेन की 32वीं रैंकिंग की मार्गिटा पेसोत्स्का से भिड़ेंगी। इससे पहले लिन युन जू और चेंग आई चिंग ने भारतीय जोड़ी को 11-8, 11-6, 11- 5, 11-4 से हराया। पहले दो गेम में 5-1 और 5-3 से बढ़त बनाने के बाद भारतीय जोड़ी लय कायम नहीं रख सकी।

लक्ष्य से चूके भारतीय निशानेबाज

● सौरभ सातवें स्थान पर रहे

तोक्यो। भारतीय निशानेबाज तोक्यो ओलंपिक में अपनी स्पर्धाओं के पहले दिन शनिवार को यहां लक्ष्य पर सटीक निशाना साधने से चूक गए और सबसे अधिक निराश सौरभ चौधरी ने किया जो क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहने के बाद पदक जीतने में नाकाम रहे। चौधरी क्वालीफिकेशन की फॉर्म में फाइनल में दोहराने में नाकाम रहे और पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सातवें स्थान पर रहे। कमरे में चौधरी के साथ रह रहे उनके मित्र अभिषेक वर्मा तो आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भी जगह नहीं बना पाए और उस स्पर्धा में 575 अंक के साथ 17वें स्थान पर रहे जिसमें भारत के पदक जीतने की सबसे अधिक संभावनाएं जताई गई थी। ओलंपिक से पहले दोनों विश्व कप जीतकर शानदार फॉर्म में चल रहे ईरान के जावेद फोरोगी ने 24 शॉट के फाइनल में 244.8 अंक के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। सर्बिया के दामिर मिकेच ने 237.9 अंक के साथ रजत पदक जीतते हुए अपने चौथे ओलंपिक में पदक का सपना साकार किया। बीजिंग खेलों के चैंपियन चीन के वेइ पेंग ने 217.6 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में ओलंपिक में पदार्पण कर रही इलावेनिल वालारिवन और अपूर्वी चंदेला फाइनल्स में भी जगह नहीं बना सकी। ए दोनों अकासा रेंज पर क्रमश: 16वें और 36वें स्थान पर रहीं। चीन की कियान वैंग ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में ओलंपिक रिकॉर्ड 251.8 अंक के साथ मौजूदा खेलों का पहला स्वर्ण पदक अपने नाम किया। रूस ओलंपिक समिति की अनास्तासिया गालाशिना ने 251.1 अंक के साथ रजत जबकि स्विट्जरलैंड की नीना क्रिस्टीन ने 230.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के साथ फाइनल में जगह बनाने के बाद सभी की नजरें चौधरी पर टिकी थी कि वह महिलाओं के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर पदक जीतेंगे लेकिन नतीजा वह नहीं रहा जिसकी देश की निशानेबाजी टीम ने उम्मीद की थी।भारतीय दिग्गज 137.4 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहा। चौधरी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच शॉट के बाद वह 47.7 अंक के साथ आठवें स्थान पर चल रहे थे।

चिराग-सात्विक ने दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी को हराया

● प्रणीत पहला मैच हारे

तोक्यो। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप ए में दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी चीनी ताइपै के यांग ली और ची लिन वैंग को हराकर ओलंपिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में शानदार शुरूआत की लेकिन शनिवार को यहां पुरुष एकल में बी साई प्रणीत को हार झेलनी पड़ी।

दुनिया की दसवें नंबर की जोड़ी चिराग और सात्विक ने तीसरी वरीयता प्राप्त ली और वैंग को 21-16, 16-21, 27- 25 से हराया। इस साल ली और वैंग ने योनेक्स थाईलैंड ओपन, टोयोटा थाईलैंड ओपन और विश्व टूर फाइनल्स जीते थे। पुरूष एकल वर्ग में हालांकि भारत के 13वें नंबर के खिलाड़ी प्रणीत ओलंपिक में पदार्पण करते हुए अपने पहले ही मैच में इस्राइल के निचली रैंकिंग वाले मीशा जिल्बरमैन से सीधे गेम में हार गए।

प्रणीत को ग्रुप डी मुकाबले में दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 41 मिनट में 17-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी। पिछले कुछ महीनों से डेनमार्क के कोच मथियास बो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे सात्विक और चिराग ने बेहतर रणनीतिक खेल दिखाया और अहम लम्हों में धैर्य बरकरार रखते हुए एक घंटे और नौ मिनट चले मुकाबले में जीत दर्ज की।

भारतीय जोड़ी को पांच मैच प्वाइंट मिले लेकिन विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की जोड़ी ने इन सभी को बचाते हुए खुद मैच प्वाइंट हासिल किया। चिराग और सात्विक ने हालांकि धैर्य बरकरार रखते हुए मैच प्वाइंट बचाया और फिर गेम और मैच जीत लिया।

टी-20 में भी भारत का पलड़ा भारी

● वरुण चक्रवर्ती का पदार्पण करना तय

भाषा। कोलंबो

इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ रविवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में भी जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी जिसके पहले मैच में रहस्यमई स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को पदार्पण का मौका मिल सकता है। शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम ने वनडे श्रृंखला 2-। से जीती लेकिन वह आखिरी मैच में हार गई थी। इसके बावजूद भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है। कोच राहुल द्रविड़ इस श्रृंखला में चक्रवर्ती को आजमाना चाहेंगे जो ऑफ ब्रेक, कैरम बॉल और दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए लेग ब्रेक भी कर लेते हैं। वह आईपीएल में अपनी इस काबिलियत का अच्छा नमूना पेश कर चुके हैं। वह खराब फिटनेस और चोटिल होने के कारण आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भी नहीं खेले थे लेकिन भारतीय टीम यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले एक स्पिनर की तलाश में हैं और ऐसे में इस 29 वर्षीय गेंदबाज को यहां आजमाया जा सकता है। इसके अलावा देवदत्त पडिक्कल और रुतुराज गायकवाड़ में से भी किसी को पदार्पण का मौका मिल सकता है। दोनों ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। पृथ्वी सॉव और सूर्यकुमार यादव दोनों इंग्लैंड रवाना होने के लिए तैयार हैं और ऐसे में टीम प्रबंधन पडिक्कल और गायकवाड़ दोनों को मौका दे सकता है। इशान किशन और संजू सैमसन दोनों को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। मनीष पांडे को मध्यक्रम से बाहर किया जा सकता है जबकि पंड्या बंधुओं हार्दिक और क्रुणाल का चयन तय है।

सूर्यकुमार और साव इंग्लैंड जाएंगे

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को पहली बार टेस्ट टीम के लिए बुलावा मिला और वह सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव के साथ बतौर स्थानापन्न खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। टीम प्रबंधन ने तीन खिलाड़ियों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्थानापन्न खिलाड़ियों की मांग की थी। शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और आवेश खान को चोट के कारण मौजूदा दौरे से बाहर होना पड़ा। टेस्ट श्रृंखला चार अगस्त से शुरू होगी। शुभमन को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान घुटने के नीचे पैर के आगले हिस्से में चोट लग गई थी।

रियो ओलंपिक में ही फैसला कर दिया था कि तोक्यो में खुद को साबित करना है : मीराबाई

भाषा। तोक्यो

ओलंपिक में रजत पदक जीतकर भारतीय भारोत्तोलन में नया इतिहास रचने वाली मीराबाई चानू ने शनिवार को कहा कि वह अब अभ्यास की परवाह किए बिना अपने परिजनों के साथ छुट्टियां बिता सकती हैं क्योंकि पिछले पांच वर्षों में वह केवल पांच दिन के लिए मणिपुर स्थित अपने घर जा पाई। चानू ने कहा, पिछले पांच वर्षों में मैं केवल पांच दिन के लिए घर जा पाई थी। अब मैं इस पदक के साथ घर जाऊंगी। उनका परिवार नोंगपोक काकचिंग गांव में रहता है जो इंफाल से लगभग 20 किमी दूर है। इस भारोत्तोलक ने कहा, अब मैं घर जाऊंगी और मां के हाथ का बना खाना खाऊंगी। चानू ने खुलासा किया कि रियो ओलंपिक खेलों में असफल रहने के बाद उन्होंने अपनी ट्रेनिंग और तकनीक पूरी तरह से बदल दी थी ताकि वह तोक्यो में अच्छा प्रदर्शन कर सके। चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा आयोजित वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ओलंपिक पदक जीतने का मेरा सपना आज पूरा हो गया। मैंने रियो में काफी कोशिश की थी लेकिन तब मेरा दिन नहीं था। मैंने उस दिन तय किया था कि मुझे तोक्यो में खुद को साबित करना होगा। मीराबाई को पांच साल पहले रियो में भी पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग में वैध वजन उठाने में असफल रही थी। उन्होंने कहा, मुझे उस दिन काफी सबक मिले थे। मेरी ट्रेनिंग और तकनीक बदल गई थी।